Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2024

राजव्यवस्था

(मार्च 2023 – मार्च 2024)

MCQs

Multiple Choice Questions and Answers

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, **Website:** www.drishtiias.com

Contact: Inquiry (English): 8010440440, **Inquiry (Hindi):** 8750187501

प्रश्न और उत्तर

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान के अनुच्छेद 23 में प्रावधान है कि 14 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने या खदान में काम पर नहीं लगाया जाएगा अथवा किसी अन्य खतरनाक रोज़गार में नहीं लगाया जाएगा।
2. अनुच्छेद 24 मानव तस्करी पर प्रतिबंध लगाता है, जिसमें बलात् श्रम, गुलामी अथवा शोषण के उद्देश्य से की जाने वाली तस्करी भी शामिल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 23:**
  - यह **मानव तस्करी पर रोक** लगाता है, जिसमें **बलात् श्रम, गुलामी अथवा शोषण के उद्देश्य से की जाने वाली तस्करी भी** शामिल है।
  - यह व्यक्तियों की **अंतर्निहित गरिमा तथा अधिकारों को मान्यता** देता है, और साथ ही **ऐसी प्रथाओं के विरुद्ध सुरक्षा भी सुनिश्चित** करता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **संविधान का अनुच्छेद 24:**
  - 14 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को किसी **कारखाने अथवा खदान में काम पर नहीं** लगाया जाएगा अथवा किसी अन्य **खतरनाक रोज़गार में नहीं** लगाया जाएगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- **बँधुआ मज़दूरी प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम 1976:**
  - यद्यपि प्रत्येक राज्य सरकार अधिनियम को लागू करने के लिये ज़िम्मेदार है, यह संपूर्ण भारत को कवर करता है। यह सतर्कता समितियों के रूप में एक ज़िला-स्तरीय संस्थागत ढाँचा भी तैयार करता है।
    - सतर्कता समितियाँ ज़िला मजिस्ट्रेट (DM) को यह सुनिश्चित करने की सलाह देती हैं कि इस अधिनियम के प्रावधानों को ठीक से लागू किया जाए।
  - राज्य सरकारें तथा केंद्रशासित प्रदेश इस अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिये एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट को प्रथम श्रेणी या द्वितीय श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ प्रदान कर सकते हैं।

2. भारत में राष्ट्रपति शासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुच्छेद 356 के अनुसार, राष्ट्रपति शासन तब लगाया जा सकता है, जब कोई राज्य केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करने में विफल रहता है।
2. राष्ट्रपति शासन लगाने के लिये दो महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से अनुमोदन आवश्यक है।
3. राष्ट्रपति शासन को हर छह महीने में संसदीय मंज़ूरी से तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 356:**
  - अनुच्छेद 356 के अनुसार, **संवैधानिक प्रशासन की विफलता** के आधार पर भारत के किसी भी राज्य पर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - **राष्ट्रपति शासन दो स्थितियों में** लगाया जा सकता है: जब राष्ट्रपति को **राज्य के राज्यपाल** से एक रिपोर्ट प्राप्त होती है या अन्यथा वह आश्वस्त होता है कि **राज्य सरकार संविधान के अनुसार कार्य नहीं कर पाती है** (अनुच्छेद 356) तथा जब कोई राज्य केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करने में विफल रहता है (अनुच्छेद 365)।
  - राष्ट्रपति शासन के दौरान **राज्य सरकार निलंबित हो जाती है** और केंद्र सरकार सीधे राज्यपाल के माध्यम से राज्य का प्रशासन चलाती है।
  - राष्ट्रपति शासन लगाने के लिये **संसदीय अनुमोदन आवश्यक है** और इसे दो महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों में **साधारण बहुमत** से अनुमोदित किया जाना चाहिये। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - प्रारंभ में, राष्ट्रपति **शासन छह महीने के लिये लागू होता है** और इसे हर छह महीने में संसदीय मंज़ूरी के साथ **तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकता** है। **अत: कथन 3 सही है।**

3. भारत में एक साथ चुनाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. हाल ही में न्यायमूर्ति जी. रोहिणी की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने पूरे भारत में एक साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया है।
2. आज़ादी के बाद शुरुआती वर्षों में भारत में एक साथ चुनाव कराने की प्रथा थी।
3. वर्ष 2019 में लोकसभा के साथ सिर्फ आठ राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- चुनाव सुधार की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए **भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता** में गठित **एक साथ चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति** ने भारत में **लोकसभा**, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिये एक साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- भारत में एक साथ चुनाव, जहाँ लोकसभा तथा राज्य विधानसभाएँ दोनों एक साथ निर्वाचित होते थे, आज़ादी के बाद शुरुआती वर्षों में **1952, 1957 एवं 1962** में प्रचलित थे। **अत: कथन 2 सही है।**
- हालाँकि राजनीतिक अस्थिरता, राज्य विधानसभाओं के शीघ्र विघटन और क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान के लिये अलग-अलग चुनावों की आवश्यकता जैसे विभिन्न कारकों के कारण, एक साथ चुनावों की प्रथा धीरे-धीरे खत्म हो गई।
- वर्ष 2019 में, **केवल चार राज्यों (आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा** और **सिक्किम**) में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव हुए। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

4. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका गठन भारत सरकार द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 के तहत किया गया था।
2. यह कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
3. नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस पर राष्ट्रीय नीति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो :

- इसका गठन भारत सरकार द्वारा वर्ष 1986 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस एक्ट, (NDPS) 1985 के तहत किया गया था। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यह गृह मंत्रालय के अधीन सर्वोच्च समन्वय एजेंसी है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस पर राष्ट्रीय नीति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पर आधारित है जो राज्य को स्वास्थ्य के लिये हानिकारक नशीली दवाओं के औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर, उपभोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करने का निर्देश देता है। **अत: कथन 3 सही है।**

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. भारत के उच्चतम न्यायालय ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत **कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ, 2018** में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को वैध बनाया।
2. निष्क्रिय इच्छामृत्यु में किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने के लिये जानबूझकर घातक पदार्थों या कार्यों का उपयोग करना शामिल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- **कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ, 2018** मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने **'लिविंग विल'** के महत्त्व को उजागर करते हुए **निष्क्रिय इच्छामृत्यु/सहजमृत्यु (Euthanasia) को वैध बनाया।**
  - न्यायालय ने इस तथ्य पर ज़ोर दिया कि **मरण की प्रक्रिया में गरिमा संविधान के अनुच्छेद 21** द्वारा गारंटीकृत **जीवन के अधिकार** का अभिन्न अंग है। **अत: कथन 1 सही है।**

- **सक्रिय इच्छामृत्यु** में **किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने के लिये जानबूझकर घातक पदार्थों या कार्यों का उपयोग करना** शामिल है। निष्क्रिय इच्छामृत्यु तब होती है **जब जीवन-निर्वाह उपचार रोक** दिये जाते है अथवा **हटा लिये** जाते है, जिससे रोगी स्वाभाविक रूप से मर जाता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में नागरिकता संविधान के तहत संघ सूची में सूचीबद्ध है और इस प्रकार यह संसद के विशेष क्षेत्राधिकार के अंतर्गत है।
2. 1955 का नागरिकता अधिनियम भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के पाँच तरीकों जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिककरण, या भारत में क्षेत्र का एकीकरण को परिभाषित करता है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

भारत में नागरिकता:

- भारत में नागरिकता संविधान के अंतर्गत **संघ सूची** में सूचीबद्ध है और इस प्रकार यह संसद के विशेष क्षेत्राधिकार के अंतर्गत है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **26 जनवरी, 1950 को** भारत के संविधान द्वारा भारतीय नागरिकता के लिये पात्र लोगों की श्रेणियाँ स्थापित कीं।
- इसने संसद को नागरिकता के अतिरिक्त पहलुओं, जैसे अनुदान तथा अपरिग्रह को विनियमित करने का अधिकार भी प्रदान किया।
  - इस अधिकार के अंतर्गत संसद ने **नागरिकता अधिनियम, 1955,** लागू किया गया।
- अधिनियम निर्दिष्ट करता है कि भारत में **नागरिकता पाँच तरीकों** से हासिल की जा सकती है: भारत में जन्म से, वंश द्वारा, पंजीकरण के माध्यम से, प्राकृतिककरण (भारत में विस्तारित निवास) द्वारा और भारत में क्षेत्र को शामिल करके। **अत: कथन 2 सही है।**

7. भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान ने चुनाव आयोग के सदस्यों की योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं।
2. संविधान में निर्वाचन आयोग के सदस्यों का कार्यकाल निर्दिष्ट नहीं किया गया है।
3. संविधान ने सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्तों को सरकार द्वारा किसी भी आगे की नियुक्ति से नहीं रोका जा सकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- **भारत का निर्वाचन आयोग:**
  - **भारतीय निर्वाचन आयोग,** एक स्वायत्त सांविधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ और राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं के प्रशासन के लिये ज़िम्मेदार है।
  - यह निकाय भारत में **लोकसभा, राज्यसभा एवं राज्य विधानसभाओं तथा देश में राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिये निर्वाचन का प्रबंधन** करता है।
    - इसका राज्यों में **पंचायतों एवं नगर पालिकाओं के निर्वाचन से कोई सरोकार नहीं** है। इसके लिये भारत का संविधान एक **अलग राज्य चुनाव आयोग का प्रावधान** करता है।
- **सीमाएँ:**
  - संविधान में चुनाव आयोग के सदस्यों की योग्यता (कानूनी, शैक्षिक, प्रशासनिक या न्यायिक) निर्धारित नहीं की गई है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - संविधान में चुनाव आयोग के सदस्यों के कार्यकाल को निर्दिष्ट नहीं किया गया है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - संविधान ने सेवानिवृत्त हो रहे चुनाव आयुक्तों को सरकार द्वारा किसी और नियुक्ति से वंचित नहीं किया है। **अत: कथन 3 सही है।**

8. लोक लेखा समिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी प्राथमिक ज़िम्मेदारी जाँच के दौरान CAG की सहायता से नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) द्वारा प्रदान की गई रिपोर्टों का ऑडिट करना है।
2. इसमें अधिकतम 22 सदस्य होते हैं, जिनमें से 15 राज्यसभा से और 7 सदस्य लोकसभा से चुने जाते हैं।

उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

लोक लेखा समिति:

- इसका प्राथमिक दायित्व जाँच के दौरान CAG की सहायता से नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रदान की गई रिपोर्टों का ऑडिट करना है। **अत: कथन 1 सही है।**
- PAC में अधिकतम 22 सदस्य होते हैं, जिनमें से 15 लोकसभा द्वारा चुने जाते हैं और 7 सदस्य राज्यसभा से चुने जाते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - सदस्यों को **एकल हस्तांतरणीय वोट** के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व द्वारा वर्षीय तौर पर चुना जाता है।

9. सामान्य डायरी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि एक सामान्य डायरी प्रविष्टि को एक उपयुक्त मामले में FIR के रूप में माना जा सकता है, जहाँ यह एक संज्ञेय अपराध के कृत्य का खुलासा करता है है।
2. **पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 44 राज्य सरकार को सामान्य डायरी के स्वरूप और उसके रखरखाव की विधि को निर्धारित करने** का अधिकार देती है।।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- सामान्य डायरी/दैनिकी **किसी पुलिस स्टेशन में दैनिक आधार पर घटित होने वाले सभी क्रियाकलापों और घटनाओं का रिकॉर्ड** है।
- **पुलिस अधिनियम, 1861 की धारा 44 राज्य सरकार को सामान्य डायरी के स्वरूप और उसके रखरखाव की विधि को निर्धारित करने** का अधिकार देती है।**अत: कथन 2 सही है।**
- सामान्य डायरी में निम्नलिखित विभिन्न विवरण शामिल होते हैं:
  - पुलिस अधिकारियों का आगमन एवं प्रस्थान
  - व्यक्तियों की गिरफ्तारी
  - संपत्ति की ज़ब्ती
  - शिकायतों की प्राप्ति एवं समाधान
  - कोई अन्य जानकारी जिसे पुलिस स्टेशन का प्रभारी अधिकारी दर्ज करना आवश्यक समझे।
- **सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय: CBI बनाम तपन कुमार सिंह (2003) मामले** में, सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय सुनाया कि एक सामान्य डायरी प्रविष्टि को एक उपयुक्त मामले में FIR के रूप में माना जा सकता है, जहाँ यह एक संज्ञेय अपराध के कृत्य का खुलासा करता है। **अत: कथन 1 सही है।**

10. राज्यसभा चुनाव के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राज्यसभा के लिये प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधि को उनकी विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुना जाता है।
2. भारतीय संविधान में प्रावधान है कि राज्यसभा के चुनाव में मतदान खुले मतपत्र के माध्यम से किया जाएगा।
3. सुप्रीम कोर्ट ने राज्यसभा चुनाव में मतदाताओं के लिये इनमें से कोई नहीं (नोटा) का विकल्प शामिल करने के विरुद्ध फैसला सुनाया है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **राज्यसभा चुनाव:**
  - संविधान के **अनुच्छेद 80** के अनुसार, **राज्यसभा** के लिये प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों को **उनकी विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों** द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन:**
  - विधायकों द्वारा की गई क्रॉस वोटिंग पर लगाम लगाने के लिये वर्ष 2003 में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन किया गया।
  - **अधिनियम की धारा 59 में यह प्रावधान करने के लिये** संशोधन किया गया कि **राज्यसभा चुनाव में मतदान** खुले मतपत्र के माध्यम से होगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - राजनीतिक दलों के विधायकों को अपना मतपत्र अपनी पार्टी के अधिकृत अभिकर्त्ता को दिखाना होगा।
- शैलेश मनुभाई परमार बनाम भारत निर्वाचन आयोग मामला, 2018:
  - सुप्रीम कोर्ट ने राज्यसभा चुनाव में मतदाताओं को **उपरोक्त में से कोई नहीं (नोटा)** का विकल्प देने से इनकार कर दिया। **अत: कथन 3 सही है।**

11. लोकपाल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर लोकपाल के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति करते हैं।
2. लोकपाल में एक अध्यक्ष और आठ सदस्य हो सकते हैं, जिनमें चार न्यायिक तथा चार गैर-न्यायिक होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

लोकपाल:

- **लोकपाल के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति** द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली **चयन समिति की सिफारिशें** प्राप्त करने के बाद की जाती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **लोकपाल में एक अध्यक्ष के अलावा आठ सदस्य हो सकते हैं,** चार न्यायिक और चार गैर-न्यायिक। **अत: कथन 2 सही है।**
- हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय माणिकराव खानविलकर को लोकपाल का अध्यक्ष नियुक्त** किया गया। लगभग दो वर्ष तक उक्त पद रिक्त रहने के बाद यह नियुक्ति हुई है।

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन-I: नीति आयोग (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) ने अपने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 'वोकल फॉर लोकल' पहल शुरू की है।

कथन-II: पहल का उद्देश्य 'आकांक्षा' के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन करके सतत् विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल के एक भाग के रूप में, 500 आकांक्षी ब्लॉकों के स्वदेशी स्थानीय उत्पादों को आकांक्षा के तहत मैप और समेकित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
C. कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है।
D. कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: A

व्याख्या:

- **नीति आयोग (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया)** ने अपने **आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम** के तहत **'वोकल फॉर लोकल'** पहल शुरू की है।
- पहल का उद्देश्य **'आकांक्षा' के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों का** प्रदर्शन करके सतत् विकास को बढ़ावा देना है। **GeM पोर्टल पर एक समर्पित विंडो स्थानीय उत्पादों के लिये ई-कॉमर्स** की सुविधा प्रदान करती है।
- **कथन I और II दोनों सही हैं।** कथन I **आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP)** का हिस्सा होने के कारण वोकल फॉर लोकल पहल के बारे में बात कर रहा है और कथन II इस बारे में बात कर रहा है कि कैसे एक भाग के रूप में, **500 आकांक्षी ब्लॉकों** के स्वदेशी स्थानीय उत्पादों को आकांक्षा के तहत मैप तथा समेकित किया गया है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि **कथन II, कथन I** को परिभाषित कर रहा है।
- अत: विकल्प A सही है।

13. संसदीय विशेषाधिकारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुच्छेद 105 के तहत, संसदीय विशेषाधिकार संसद के सदस्यों और उनकी समितियों को प्राप्त विशेष अधिकार, उन्मुक्तियाँ तथा छूट हैं।
2. संसद ने सभी विशेषाधिकारों को विस्तृत रूप से संहिताबद्ध करने के लिये कोई विशेष कानून नहीं बनाया है।
3. अनुच्छेद 180 राज्यों की विधान सभाओं के सदस्यों को समान विशेषाधिकार की गारंटी देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. उपर्युक्त सभी
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- संसदीय विशेषाधिकार संसद के सदस्यों और उनकी **समितियों को प्राप्त विशेष अधिकार, उन्मुक्तियाँ तथा छूट** हैं।
  - **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 में** ये विशेषाधिकार परिभाषित हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
  - **अनुच्छेद 194** राज्यों की विधान सभाओं के सदस्यों को समान विशेषाधिकार की गारंटी देता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- इन विशेषाधिकारों के तहत, संसद सदस्यों को अपने कार्यकाल के दौरान दिये गए किसी भी बयान अथवा किये गए कार्य के लिये किसी भी नागरिक दायित्व (आपराधिक दायित्व को छोड़कर) से छूट दी गई है।

- संसद ने सभी विशेषाधिकारों को विस्तृत रूप से संहिताबद्ध करने के लिये कोई विशेष कानून नहीं बनाया है। अत: कथन 2 सही है।
- **ये अधिकार पाँच स्रोतों पर आधारित हैं:**
  - संवैधानिक प्रावधान
  - संसद द्वारा बनाये गए विभिन्न कानून
  - दोनों सदनों के नियम
  - संसदीय अभिसमय
  - न्यायिक व्याख्याएँ

14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का अनुच्छेद 270 केंद्र सरकार और राज्यों के बीच निवल कर आय के वितरण की रूपरेखा निर्दिष्ट करता है।
2. वर्तमान में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार विभाज्य पूल (ऊर्ध्वाधर/विषमस्तरीय अंतरण) में राज्यों की हिस्सेदारी 41% है।
3. केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किये गए उपकर और अधिभार, विभाज्य पूल का हिस्सा नहीं हैं तथा इसलिये राज्यों के साथ साझा नहीं किये जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- संविधान का **अनुच्छेद 270** केंद्र सरकार और राज्यों के बीच निवल कर आय के वितरण की रूपरेखा निर्दिष्ट करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्तमान में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार विभाज्य पूल (ऊर्ध्वाधर/विषमस्तरीय अंतरण) में राज्यों की हिस्सेदारी **41%** है। **अत: कथन 2 सही है।**
- केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किया गया उपकर और अधिभार **सत्र 2024-25 के लिये उसकी सकल कर प्राप्तियों का लगभग 23%** होने का अनुमान है, जो विभाज्य पूल का हिस्सा नहीं है तथा इसलिये राज्यों के साथ साझा नहीं किया जाता है। **अत:, कथन 3 सही है।**

15. शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 6-18 वर्ष की आयु के बच्चे स्थानीय स्कूलों में नि:शुल्क, अनिवार्य शिक्षा का अधिकार हैं।
2. सहायता प्राप्त विद्यालय भी अपनी आवर्ती सहायता के अनुपात में कम-से-कम 10% की सीमा तक निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराएगा।
3. RTE अधिनियम अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू नहीं होता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009:

- **छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु के** प्रत्येक **बालक** को उसकी प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी आस-पास के विद्यालय में **नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा** का अधिकार है तथा साथ ही 6 वर्ष से अधिक आयु के बालक, जिसने विद्यालय में प्रवेश नहीं लिया है, को उसकी आयु के अनुसार समुचित कक्षा में प्रवेश दिये जाने का प्रावधान किया गया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **सहायता प्राप्त विद्यालय** भी अपनी आवर्ती सहायता के अनुपात में **कम-से-कम 25% की सीमा तक** निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराएगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- वर्ष 2014 में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य** मामले में निर्णय सुनाया कि RTE अधिनियम अल्पसंख्यक विद्यालयों पर लागू नहीं होता है। **अत: कथन 3 सही है।**

16. भारत में भाषाओं से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में 22 भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है।
2. भारतीय संविधान का भाग XVII भारत की आधिकारिक भाषाओं से संबंधित है।
3. भारतीय संविधान देवनागरी लिपि वाली हिंदी को संघ की राष्ट्रीय भाषा घोषित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत में भाषा से संबंधित प्रमुख संवैधानिक प्रावधान:

- **आठवीं अनुसूची:**
  - भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में भारत की **आधिकारिक भाषाओं** की सूची है। इसमें **आधिकारिक भाषाओं के रूप में मान्यता प्राप्त 22 भाषाएँ** शामिल हैं।
    - असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी।
  - आठवीं अनुसूची में वर्तमान में **छह शास्त्रीय भाषाएँ** भी शामिल हैं:
    - तमिल (वर्ष 2004 में घोषित), संस्कृत (वर्ष 2005), कन्नड़ (वर्ष 2008), तेलुगु (वर्ष 2008), मलयालम (वर्ष 2013) और उड़िया (वर्ष 2014)। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - भारतीय संविधान का भाग XVII **अनुच्छेद 343 से 351 तक** भारत की आधिकारिक भाषाओं से संबंधित है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **संघ की भाषा:**
  - अनुच्छेद 120: संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा से संबंधित है।
  - अनुच्छेद 210: अनुच्छेद 120 के समान लेकिन राज्य विधानमंडल पर लागू होता है।
  - अनुच्छेद 343: देवनागरी लिपि में हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा घोषित करता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
  - अनुच्छेद 344: राजभाषा पर एक आयोग और संसद की समिति की स्थापना करता है।

17. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह वर्ष 2006 में भारत सरकार के एक वैधानिक संगठन के रूप में सामने आया।
2. यह आयोग शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
3. आयोग का अध्यक्ष केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार के अधिकारियों में से चुना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग:

- **28 दिसंबर, 1953 को** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय शिक्षा के मापदंडों के समन्वय, निर्धारण और अनुरक्षण हेतु वर्ष 1956 में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक स्वायत्त संगठन है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) **शिक्षा मंत्रालय** के तहत कार्य करता है, केंद्र सरकार UGC में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और दस अन्य सदस्यों की नियुक्ति करती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यूजीसी शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करता है, केंद्र सरकार यू.जी.सी. में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और दस अन्य सदस्यों की नियुक्ति करती है। **अत: कथन 2 सही है।**
- अध्यक्ष ऐसे लोगों में से चुना जाता है जो केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार के अधिकारी नहीं होते हैं। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

18. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का भाग VI भारत के सर्वोच्च न्यायालय के संगठन और प्रक्रियाओं से संबंधित है।
2. वर्तमान में भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सहित 32 न्यायाधीश हैं।
3. भारत के मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त किसी भी अन्य न्यायाधीश की नियुक्ति के लिये भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत के सर्वोच्च न्यायालय :

- **सांविधानिक उपबंध: संविधान के भाग V में अनुच्छेद 124 से 147** सर्वोच्च न्यायालय के **संगठन, स्वतंत्रता, क्षेत्राधिकार, शक्तियों, प्रक्रियाओं** आदि से संबंधित हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **वर्तमान संरचना:** भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भारत के **मुख्य न्यायाधीश सहित 34 अन्य न्यायाधीश** शामिल होते हैं जिनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। वर्ष 1950 के मूल संविधान में **एक मुख्य न्यायाधीश तथा 7 उप-न्यायाधीशों** के

साथ एक सर्वोच्च न्यायालय की परिकल्पना की गई थी तथा न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का कार्य संसद के क्षेत्राधिकार के तहत आता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- **नियुक्ति:** सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों से परामर्श करने के बाद **राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति** की जाती है। अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और अतिरिक्त न्यायाधीशों से परामर्श के बाद की जाती है।
  - भारत के मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त किसी भी अन्य न्यायाधीश की नियुक्ति के लिये **भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श अनिवार्य** है। **अत: कथन 3 सही है।**

19. रिपोर्ट 'पंचायती राज संस्थाओं का वित्त' हाल ही में निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रकाशित की गई थी:

A. भारतीय रिज़र्व बैंक
B. पंचायती राज मंत्रालय
C. नीति आयोग
D. वित्त आयोग

उत्तर: A

व्याख्या:

'पंचायती राज संस्थाओं का वित्त':

- हाल ही में **'पंचायती राज संस्थानों का वित्त'** शीर्षक से जारी रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** द्वारा भारत में पंचायती राज संस्थानों (PRIs) की वित्तीय गतिशीलता पर प्रकाश डालती है।
- अत: विकल्प A सही है।

20. भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. इसमें चार पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिये विशेष प्रावधान शामिल हैं।
2. इन राज्यों के आदिवासी क्षेत्रों को स्वायत्त ज़िलों के रूप में प्रशासित किया जाना है।
3. प्रत्येक स्वायत्त ज़िले के लिये एक ज़िला परिषद का गठन किया जाना है, जिसमें अधिकतम 50 सदस्य होंगे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

भारत के संविधान में छठी अनुसूची के बारे में:

- **परिचय:** छठी अनुसूची में **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244(2)** के तहत **चार पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम में जनजातीय क्षेत्रों** के **प्रशासन के लिये विशेष प्रावधान शामिल** हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य जनजातीय भूमि और संसाधनों की सुरक्षा करना तथा इनका **गैर-जनजातीय संस्थाओं को हस्तांतरण को रोकना** है। यह जनजातीय समुदायों को शोषण से भी सुरक्षा प्रदान करता है, यह उनकी सांस्कृतिक व सामाजिक अस्मिता को बरकरार रखने में तथा उनका प्रोत्साहन सुनिश्चित करता है।
- **स्वायत्त ज़िले और क्षेत्र:** इन राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन स्वायत्त ज़िलों के रूप में किया जाता है।
  - राज्यपाल के पास स्वायत्त ज़िलों को व्यवस्थित करने, पुनर्गठित करने और सीमाओं अथवा नामों में परिवर्तन करने की शक्ति है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **ज़िला और क्षेत्रीय परिषद:** इसके तहत प्रत्येक स्वायत्त ज़िले के लिये अधिकतम 30 सदस्यों वाले एक ज़िला परिषद का गठन किया जाना आवश्यक है।
  - **इनमें से राज्यपाल द्वारा नामित सदस्यों की अधिकतम संख्या 4 है,** जबकि शेष का चयन वयस्क मताधिकार के आधार पर किया जाता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

21. शून्यकाल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है और इसका उल्लेख संसदीय नियम पुस्तिका में नहीं किया गया है।
2. प्रश्नकाल और कार्यसूची के बीच के समय के अंतराल को शून्यकाल कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- **शून्यकाल** एक भारतीय **संसदीय नवाचार** है। **संसदीय प्रक्रिया की नियम पुस्तिका** में इसका उल्लेख नहीं है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसके तहत **सांसद बिना किसी पूर्व सूचना** के किसी भी मामले को उठा सकते हैं।
- **शून्यकाल, प्रश्नकाल** के तुरंत बाद शुरू होता है तथा **दिन के कार्यक्रम** की शुरुआत शुरू होने तक जारी रहता है।
- शून्यकाल, **प्रश्नकाल** और **दिन के कार्यक्रम** की शुरुआत के बीच के अंतराल को दर्शाता है। **अत: कथन 2 सही है।**

22. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन-I: नीति आयोग और दूतावास साम्राज्य ने 'मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में परिवहन ईंधन के रूप में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की।

कथन-II: प्राकृतिक गैस को लगभग -260°F तक ठंडा किया जाता है, जिससे एक स्पष्ट, रंगहीन और गैर-विषैला तरल बनता है, जिसे LNG एनजी के रूप में जाना जाता है, इसे लंबी दूरी तक आसानी से ले जाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या करता है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, एवं कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं करता है।
C. कथन-I सही है, किंतु कथन-II गलत है।
D. कथन-I गलत है, किंतु कथन-II सही है।

उत्तर: A

व्याख्या:

- **नीति आयोग और नीदरलैंड दूतावास** ने भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान **'मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में परिवहन ईंधन के रूप में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)' शीर्षक से एक रिपोर्ट** जारी की। **अत: कथन I सही है।**
- **प्राकृतिक गैस** को लगभग -260°F तक ठंडा किया जाता है, जिससे एक **स्पष्ट, रंगहीन और गैर-विषाक्त तरल** निर्मित होता है जिसे प्राकृतिक गैस की बड़ी आपूर्ति वाले क्षेत्रों से उन क्षेत्रों में ले जाया जा सकता है जहाँ प्राकृतिक गैस की मांग अधिक होती है।**अत: कथन II सही है।**
  - **विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण कमल पुरस्कार विजेताओं को अब 3 लाख रुपये तथा रजत कमल विजेताओं को 2 लाख रुपए प्रदान किये जाएंगे।**

इसलिये, विकल्प A सही है क्योंकि कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या है।

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कर्पूरी ठाकुर ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशों को लागू किया।
2. एम.एस.स्वामीनाथन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये जिनमें शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- कर्पूरी ठाकुर, जिन्हें **"जन नायक"** के नाम से जाना जाता है, **वर्ष 1970-71** और **वर्ष 1977-79** तक दो बार **बिहार के 11वें मुख्यमंत्री** रहे। उन्हें मरणोपरांत **भारत रत्न** से सम्मानित किया जाएगा।
  - कर्पूरी ठाकुर **अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)** को आरक्षण का लाभ प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाई क्योंकि उन्होंने वर्ष 1977 से वर्ष 1979 तक बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान **मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशों** को लागू किया था। **अत: कथन 1 सही है।**
- 'भारत की **हरित क्रांति के जनक' एम.एस. स्वामीनाथन** ने भारत को कृषि में आत्मनिर्भर के साथ आधुनिक बनाने में सहायता प्रदान की। उन्हें मरणोपरांत **भारत रत्न** से सम्मानित किया जायेगा।
  - एम.एस.स्वामीनाथन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये जिनमें **शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार** शामिल हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

24. चुनावी बॉण्ड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चुनावी बॉण्ड धन उपकरण हैं जो वचन पत्र या वाहक बॉण्ड के रूप में कार्य करते हैं जिन्हें भारत में व्यक्तियों या कंपनियों द्वारा खरीदा जा सकता है।
2. इन्हें राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिये विशेष रूप से जारी किया जाता है।
3. SBI चुनावी बॉण्ड जारी करने और भुनाने के लिये अधिकृत एकमात्र बैंक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** द्वारा **चुनावी बॉण्ड योजना,** जो राजनीतिक दलों को गुप्त तरीके से दान प्राप्त की अनुमति देती थी, को **असंवैधानिक बताते हुए रद्द** कर दिया।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह पुष्टि करते हुए कि यह योजना अनुच्छेद 19(1)(A) में निहित सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है, इस बात पर ज़ोर दिया कि सूचित चुनावी निर्णयों के लिये राजनीतिक दलों को प्राप्त फंडिंग के संबंध में पारदर्शिता महत्त्वपूर्ण है।

- **चुनावी बॉण्ड:**
  - **चुनावी बॉण्ड मुद्रा के साधन** हैं जो वचन-पत्र या वाहक बॉण्ड के रूप में कार्य करते हैं, इन्हें भारत में व्यक्तियों या कंपनियों द्वारा खरीदा जा सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
    - इन्हें विशेष रूप से **राजनीतिक दलों को धन के दान के लिये** जारी किया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
    - **SBI चुनावी बॉण्ड** जारी करने और भुनाने के लिये **अधिकृत एकमात्र बैंक** है। **अत: कथन 3 सही है।**
    - इस योजना के तहत किये गए दान पर **100% कर छूट का लाभ** मिलता है।

25. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. UGC शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और केंद्र सरकार UGC में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों की नियुक्ति करती है।
2. नई दिल्ली के साथ-साथ इसके अन्य छह क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC):

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को 28 दिसंबर, 1953 के दिन स्थापित किया गया जिसे विश्वविद्यालयों में शिक्षा के प्रचार, समन्वय और शिक्षण, परीक्षा तथा अनुसंधान के मानकों के निर्धारण एवं रख-रखाव के लिये **वर्ष 1956 में संसद के एक अधिनियम** द्वारा **भारत सरकार** का एक वैधानिक संगठन बनाया गया।
- UGC शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है तथा केंद्र सरकार द्वारा UGC में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और दस अन्य सदस्यों की नियुक्ति की जाती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- UGC का कार्यालय दिल्ली में स्थित है और साथ ही इसके क्षेत्रीय कार्यालय बैंगलोर, भोपाल, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता तथा पुणे में स्थित हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

26. निम्नलिखित में से कौन-सा संवैधानिक संशोधन अधिनियम वर्ष 1991 की जनगणना के स्थान पर वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का प्रावधान करता है?

A. वर्ष 1976 का 42वाँ संशोधन अधिनियम
B. वर्ष 2001 का 84वाँ संशोधन अधिनियम
C. वर्ष 2001 का 85वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम
D. वर्ष 2003 का 87वाँ संशोधन अधिनियम

उत्तर: D

व्याख्या:

- **42वें संशोधन अधिनियम, 1976** ने राज्यों में लोकसभा में सीटों के आवंटन और प्रत्येक राज्य के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन पर रोक लगा दी।
- **84वें संशोधन अधिनियम, 2001** ने सरकार को 1991 की जनगणना के जनसंख्या आँकड़ों के आधार पर राज्यों में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्समायोजन और युक्तिकरण का अधिकार दिया।
- **85वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2001** अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के सरकारी कर्मचारियों हेतु पदोन्नति में आरक्षण के लिये 'परिणामिक वरिष्ठता' का प्रावधान करता है, इसे वर्ष 1995 से पूर्व प्रभाव के साथ लागू किया गया था।
- **87वें संशोधन अधिनियम, 2003** में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का प्रावधान 2001 की जनगणना के आधार पर किया गया, न कि 1991 की जनगणना के आधार पर।
- अत: विकल्प D सही है।

27. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन-I: प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ, 2006 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के सभी राज्यों में पुलिस शिकायत प्राधिकरण स्थापित करने का निर्देश दिया।

कथन-II: भारत में राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) ने कार्यात्मक स्वायत्तता और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल देते हुए पुलिस सुधारों की सिफारिशें की।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II कथन-I के लिये सही स्पष्टीकरण है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II कथन-I के लिये सही स्पष्टीकरण नहीं है।
C. कथन-I सही है, लेकिन कथन-II सही नहीं है।
D. कथन-I सही नहीं है, लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: B

व्याख्या:

- **प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ, 2006 मामले** में सर्वोच्च न्यायालय ने **भारत के सभी राज्यों में पुलिस शिकायत प्राधिकरण स्थापित करने का निर्देश** दिया। **अत: कथन 1 सही है।**
  - पुलिस शिकायत प्राधिकरण के पास **पुलिस अधीक्षक से ऊपर, नीचे स्तर के पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार के कदाचार से संबंधित मामलों की जाँच करने का अधिकार** है।

- भारत में राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) ने **कार्यात्मक स्वायत्तता और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल देते हुए पुलिस सुधारों की सिफारिशें की। अत: कथन 2 सही है।**
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

28. 'स्टेट ऑफ द ज्यूडिशियरी' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सेंटर फॉर रिसर्च एंड प्लानिंग द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ द ज्यूडिशियरी' ने पीठों में लिंग-विशिष्ट मामलों के आवंटन में असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।
2. यह रिपोर्ट महिलाओं से संबंधित मामलों के लिये अलग बेंच के अपर्याप्त प्रावधान और लिंग-विशिष्ट सुविधाओं के अभाव में पारदर्शिता की कमी पर प्रकाश डालती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- भारत के **सर्वोच्च न्यायालय** के **सेंटर फॉर रिसर्च एंड प्लानिंग द्वारा 'स्टेट ऑफ द ज्यूडिशियरी'** शीर्षक से प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट ने देश भर के ज़िला न्यायालय परिसरों के भीतर **लिंग-विशिष्ट सुविधाओं** में असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- रिपोर्ट **महिलाओं के लिये अलग शौचालयों के अपर्याप्त प्रावधान, सैनिटरी नैपकिन** वेंडिंग मशीनों की कमी और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये शौचालयों की अनुपलब्धता पर प्रकाश डालती है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

29. सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति (SCLSC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 3A के तहत किया गया था।
2. इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) द्वारा नामित एक अध्यक्ष और पाँच सदस्य होते हैं।
3. CJI समिति में सचिव की नियुक्ति कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति (SCLSC):

- SCLSC का गठन शीर्ष न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले मामलों में "समाज के कमज़ोर वर्गों को नि:शुल्क और सक्षम कानूनी सेवाएँ" प्रदान करने के लिये **विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 3A** के तहत किया गया था। **अत: कथन 1 सही है।**
  - अधिनियम की धारा 3A में कहा गया है कि **राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (National Legal Services Authority - NALSA)** समिति का गठन करेगी।
- SCLSC में **एक अध्यक्ष और CJI द्वारा नामित नौ सदस्य** होते हैं। समिति, बदले में, **CJI** के परामर्श से केंद्र द्वारा निर्धारित अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकती है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- इसके अलावा, **CJI** समिति के सचिव की नियुक्ति कर सकते हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

30. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	भारतीय संविधान के अनुच्छेद	प्रावधान
1.	अनुच्छेद 25	धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता
2.	अनुच्छेद 26	अंत:करण की स्वतंत्रता
3.	अनुच्छेद 28	धार्मिक शिक्षा में भाग लेने की स्वतंत्रता

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति:

- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 25-28 मौलिक अधिकार के रूप में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी** देते हैं। संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है तथा किसी भी धर्म को देश का आधिकारिक धर्म घोषित नहीं किया गया है।
  - अनुच्छेद 25 (अंत:करण की स्वतंत्रता तथा धर्म का स्वतंत्र आचरण, अभ्यास एवं प्रचार)। अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
  - अनुच्छेद 26 (धार्मिक कार्यों के प्रबंधन की स्वतंत्रता)। अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।

- अनुच्छेद 27 (किसी धर्म विशेष के प्रचार के लिये करों के भुगतान की स्वतंत्रता)।
- अनुच्छेद 28 (कुछ शिक्षा संस्थानों में धार्मिक शिक्षा अथवा धार्मिक पूजा में उपस्थिति के संबंध में स्वतंत्रता)। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।

- इसके अतिरिक्त **संविधान के अनुच्छेद 29 तथा 30** अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित हैं।

31. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन-I: विशेषाधिकार का प्रश्न सभापति/अध्यक्ष की सहमति प्राप्त करने के बाद ही संसद में उठाया जा सकता है।

कथन-II: लोकसभा समिति में 15 सदस्य हैं, जबकि राज्यसभा समिति में 10 सदस्य हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
C. कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है।
D. कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: B

व्याख्या:

- संसद और उसकी समितियों के साथ-साथ उनके सदस्यों के पास कुशल कामकाज के लिये आवश्यक **अधिकार, विशेषाधिकार एवं प्रतिरक्षाएँ** हैं। हालाँकि ये अधिकार संसदीय कामकाज के लिये आवश्यक कार्यों तक ही सीमित हैं और सदस्यों को **सामान्य सामाजिक दायित्वों से मुक्त** नहीं करते हैं।
  - विशेषाधिकार का प्रश्न सभापति की सहमति प्राप्त करने के **बाद ही सदन में उठाया जा सकता** है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **लोकसभा समिति में 15 सदस्य** होते हैं, जबकि **राज्यसभा समिति में 10 सदस्य** होते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- **अत: कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I के लिये सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

32. विधान सभा सदस्य (MLA) की अयोग्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यदि निवारक निरोध कानून के तहत हिरासत में लिया जाता है तो इससे सदस्य को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
2. एक बार जब कोई विधायक अयोग्य घोषित हो जाता है, तो अदालत भी उस फैसले को वापस नहीं लिया जा सकता है।
3. किसी सदस्य की अयोग्यता पर राज्यपाल का निर्णय अंतिम होता है, लेकिन उन्हें कार्रवाई करने से पहले चुनाव आयोग की राय लेनी होगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या:

विधानसभा के सदस्य की अयोग्यता:

- **निवारक निरोध** कानून के तहत किसी व्यक्ति की हिरासत अयोग्यता नहीं है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यदि कोई **उच्च न्यायालय दोषसिद्धि पर रोक लगा** देता है या दोषी सदस्य के पक्ष में अपील का फैसला करता है तो अयोग्यता के निर्णय को वापस लिया जा सकता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- किसी सदस्य की अयोग्यता पर **राज्यपाल का निर्णय अंतिम होता** है, लेकिन उन्हें कार्रवाई करने से पहले चुनाव आयोग की राय लेनी होगी। **अत: कथन 3 सही है।**

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. न्यायाधिकरण मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे।
2. अनुच्छेद 323 B के तहत, संसद और राज्य विधानमंडल दोनों ही न्यायाधिकरणों की स्थापना का प्रावधान करने के लिये अधिकृत हैं।
3. अनुच्छेद 323A के तहत न्यायाधिकरणों का एक पदानुक्रम बनाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

न्यायाधिकरण:

- न्यायाधिकरण **एक अर्द्ध-न्यायिक संस्था है** जिसे **प्रशासनिक या कर-संबंधी विवादों को सुलझाने जैसी समस्याओं से निपटने के लिये स्थापित** किया गया है। यह कई कार्य करता है जैसे विवादों का निपटारा करना, चुनाव लड़ने वाले पक्षों के बीच अधिकारों का निर्धारण करना, प्रशासनिक निर्णय लेना, मौजूदा प्रशासनिक निर्णय की समीक्षा करना आदि।
- संवैधानिक प्रावधान:
  - न्यायाधिकरण **मूल संविधान का हिस्सा नहीं था,** इसे **42वें संशोधन अधिनियम, 1976** द्वारा भारतीय संविधान में शामिल किया गया था। **अत: कथन 1 सही है।**

- **अनुच्छेद 323-A** प्रशासनिक न्यायाधिकरणों से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 323** अन्य मामलों के लिये न्यायाधिकरण से संबंधित है।

◆ **अनुच्छेद 323 B** के तहत **संसद और राज्य विधानमंडल** निम्नलिखित मामलों से संबंधित विवादों के निपटारे के लिये **न्यायाधिकरण की स्थापना हेतु अधिकृत** हैं:

- कराधान
- विदेशी मुद्रा, आयात और निर्यात
- औद्योगिक और श्रम
- भूमि सुधार
- शहरी संपत्ति पर सीमा
- संसद और राज्य विधानमंडलों के लिये चुनाव
- खाद्य सामग्री
- किराया और किरायेदारी अधिकार

◆ **अत: कथन 2 सही है।**

◆ **अनुच्छेद 323A और 323B में अंतर:**

- अनुच्छेद 323 A केवल सार्वजनिक सेवा मामलों के लिये न्यायाधिकरणों की स्थापना पर विचार करता है, अनुच्छेद 323 B कुछ अन्य मामलों (ऊपरोक्त) के लिये न्यायाधिकरणों की स्थापना पर विचार करता है।
- अनुच्छेद 323 A के तहत अधिकरण केवल संसद द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं, अनुच्छेद 323 B के तहत अधिकरण उनकी विधायी क्षमता के अंतर्गत आने वाले मामलों के संबंध में संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं।
- **अनुच्छेद 323 A के तहत**, केंद्र के लिये केवल एक तथा प्रत्येक राज्य के लिये एक अथवा दो अथवा दो से अधिक राज्यों के लिये एक अधिकरण स्थापित किया जा सकता है। इसके तहत **अधिकरणों के पदानुक्रम की कोई प्रावधान नहीं है**, जबकि अनुच्छेद 323 B के तहत अधिकरणों का एक पदानुक्रम बनाया जा सकता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

34. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय (FTSC) विशेष न्यायालय हैं जिनकी स्थापना यौन अपराधों से संबंधित मामलों की सुनवाई प्रक्रिया में तेज़ी लाने के प्राथमिक उद्देश्य से की गई है।
2. ज़िला और अधीनस्थ अदालतों में लंबित मामलों को काफी हद तक कम करने के लिये वर्ष 2000 में ग्यारहवें वित्त आयोग द्वारा पहली बार फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय (FTSC) की सिफारिश की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न ही 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय (FTSC)

- FTSCs भारत में स्थापित विशेष न्यायालय हैं जिनका प्राथमिक उद्देश्य यौन अपराधों से संबंधित मामलों की सुनवाई प्रक्रिया में तेज़ी लाना है, विशेष रूप से **यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (POCSO अधिनियम)** के तहत **बलात्कार और उल्लंघन से संबंधित मामलों की सुनवाई में तेज़ी** लाना है। **अत: कथन 1 सही है।**
- FTSCs की स्थापना सरकार द्वारा यौन अपराधों की **चिंताजनक आवृत्ति** और नियमित न्यायालयों में लंबित मुकदमों की लंबी अवधि के चलते की गई, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ितों को न्याय प्राप्ति में देरी हुई।
- ज़िला और अधीनस्थ अदालतों में लंबित मामलों को काफी हद तक कम करने के लिये वर्ष 2000 में ग्यारहवें वित्त आयोग द्वारा पहली बार फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय (FTSC) की सिफारिश की गई थी। **अत: कथन 2 सही है।**

35. 15वें वित्त आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 15वें वित्त आयोग ने 2021-26 की अवधि के लिये केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 42% बनाए रखने का प्रस्ताव रखा।
2. जनसंख्या (2011) और 'कर एवं राजकोषीय प्रयास' 15वें वित्त आयोग द्वारा पेश किये गए थे।
3. आयोग ने अनुशंसा की कि केंद्र का लक्ष्य 2025-26 तक अपने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4% तक सीमित करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत में वित्त आयोग **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280** के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है। **पंद्रहवें वित्त आयोग** का गठन

27 नवंबर, 2017 को किया गया था। इसने अपनी अंतरिम और अंतिम रिपोर्ट के माध्यम से **1 अप्रैल, 2020 से शुरू होने वाली छह वर्षों की अवधि** को कवर करते हुए सिफारिशें कीं।

- आयोग ने **2021-26 की अवधि के लिये केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 41%** बनाए रखने का प्रस्ताव रखा, जो 14वें वित्त आयोग द्वारा 2015-20 के दौरान आवंटित 42% से मामूली कम है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **जनसंख्या (1971)'** पर केवल 14वें वित्त आयोग के लिये विचार किया गया था, जबकि **'जनसंख्या (2011)'** और **'कर एवं राजकोषीय प्रयास'** 15वें वित्त आयोग द्वारा पेश किये गए थे। **अत: कथन 2 सही है।**
- आयोग ने सिफारिश की कि केंद्र का लक्ष्य 2025-26 तक अपने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4% तक सीमित करना है। **अत: कथन 3 सही है।**

36. अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (AIJS) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का अनुच्छेद 310 AIJS की स्थापना का प्रावधान करता है।
2. इसका लक्ष्य संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) मॉडल के समान न्यायाधीशों की भर्ती को केंद्रीकृत करना तथा सफल उम्मीदवारों को राज्यों का कार्यभार सौंपना है।
3. AIJS देश की सामाजिक संरचना को दर्शाते हुए विभिन्न क्षेत्रों, लिंग, जातियों और समुदायों के न्यायाधीशों के प्रतिनिधित्व एवं विविधता को बढ़ाएगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2 और 3
C. 1, 2 और 3
D. कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (AIJS):

- **संविधान का अनुच्छेद 312** केंद्रीय सिविल सेवाओं के समान ही **राज्यसभा के कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित** एक प्रस्ताव पर AIJS की स्थापना का प्रावधान करता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- इसका लक्ष्य **संघ लोक सेवा आयोग** (UPSC) मॉडल के समान न्यायाधीशों की भर्ती को केंद्रीकृत करना तथा सफल उम्मीदवारों को राज्यों का कार्यभार सौंपना है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **वर्ष 1958 और 1978 की विधि आयोग की रिपोर्टों** की सिफारिशों के अनुसार, AIJS का उद्देश्य अलग-अलग वेतन, रिक्तियों पर भर्ती और मानकीकृत राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण जैसे संरचनात्मक मुद्दों का समाधान करना है।
- AIJS **देश की सामाजिक संरचना** को दर्शाते हुए विभिन्न क्षेत्रों, लिंग, जातियों और समुदायों के न्यायाधीशों के प्रतिनिधित्व एवं विविधता को बढ़ाएगा। **अत: कथन 3 सही है।**

37. सहकारिता मंत्रालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी स्थापना 110वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा की गई थी।
2. यह मंत्रालय देश में सहकारी आंदोलन को मज़बूत करने के लिये एक अलग प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत ढाँचा प्रदान करने के लिये ज़िम्मेदार है।
3. हाल ही में इसने "सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना" लॉन्च की है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

सहकारिता मंत्रालय:

- **मंत्रिमंडलीय सचिवालय की राजपत्र अधिसूचना 6 जुलाई, 2021 के माध्यम** से पूर्ववर्ती कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय के व्यवसाय में सहयोग तथा सहकारिता से संबंधित मौजूदा प्रविष्टियों को स्थानांतरित करके सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई थी। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- मंत्रालय देश में सहकारी आंदोलन को मज़बूत करने हेतु एक अलग **प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत फ्रेमवर्क प्रदान करने के लिये** ज़िम्मेदार है। इसका उद्देश्य सहकारिता को ज़मीनी स्तर तक **जन-आधारित आंदोलन के रूप में सुदृढ़ करना** और एक सहकारिता आधारित आर्थिक मॉडल विकसित करना है, जहाँ प्रत्येक सदस्य ज़िम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **मंत्रालय की प्रमुख गतिविधियों** में **सहकारी समितियों के लिये 'इज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस'** हेतु प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और बहु-राज्य सहकारी समितियों का विकास सुनिश्चित करना शामिल है।
- हाल ही में **सहकारिता मंत्रालय ने "सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना" पर प्रकाश डाला** है। इस पहल का उद्देश्य देश में **खाद्यान्न भंडारण क्षमता की लगातार कमी** को दूर करना है। **अत: कथन 3 सही है।**

38. भारत में एक साथ चुनाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में शुरुआती पाँच आम चुनावों में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ हुए।
2. वर्तमान में लोकसभा चुनाव आंध्र प्रदेश और बिहार में विधानसभा चुनावों के साथ संरेखित हैं।
3. अंततः एक साथ चुनाव से सरकार का खर्च बढ़ेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: D

व्याख्या:

एक साथ चुनाव, **पूरे देश में एक ही समय में लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्य विधानसभाओं और नगर पालिकाओं एवं पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के विचार** को संदर्भित करता है।

- भारत में शुरुआती **चार** आम चुनावों में **लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ हुए। अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- वर्तमान में लोकसभा चुनाव **आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम** में विधानसभा चुनावों के साथ संरेखित हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- विभिन्न स्तरों पर चुनाव कराने के लिये महत्त्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। चुनावों को एक साथ कराने से ये खर्च समेकित हो जाएंगे, जिससे सरकार की लागत में काफी बचत होगी। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 में पहले "अन्य पिछड़ा वर्ग" कहे जाने वाले समूह का नाम बदलकर "सामाजिक जातियाँ" करने का प्रस्ताव है।
2. जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 में कश्मीरी प्रवासी समुदाय से दस सदस्यों को नामित करने का प्रावधान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- **जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023:**
  - इसकी मदद से **जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 2** में संशोधन किया जाएगा।
  - संशोधन विधेयक के अनुसार व्यक्तियों के एक वर्ग जिन्हें पहले **"कमज़ोर और वंचित वर्ग (सामाजिक जाति)"** के रूप में जाना जता था, को अब **"अन्य पिछड़ा वर्ग"** के रूप में वर्णित किया जा सकता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- **जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023:**
  - यह विधेयक **2019 के अधिनियम में संशोधन करने तथा कश्मीरी प्रवासियों एवं PoK से विस्थापित व्यक्तियों को विधानसभा में प्रतिनिधित्व** प्रदान करने का प्रयास करता है।
  - इसमें **कश्मीरी प्रवासी समुदाय से दो सदस्यों को नामित** करने का प्रावधान है।**अतः कथन 2 सही नहीं है।**
  - यह विधेयक **2019 के अधिनियम में संशोधन करने तथा कश्मीरी प्रवासियों एवं PoK से विस्थापित व्यक्तियों को विधानसभा में प्रतिनिधित्व** प्रदान करने का प्रयास करता है।
  - इस विधेयक में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सीटों की कुल संख्या 107 से बढ़ाकर 114 करने का प्रस्ताव है।

40. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुच्छेद 370 को भारतीय संविधान में एक 'अस्थायी प्रावधान' के रूप में जोड़ा गया था।
2. इसे एन गोपालस्वामी अय्यंगर द्वारा संविधान के प्रारूप में पेश किया गया था।
3. अनुच्छेद 35A अनुच्छेद 370 से प्रतिस्थापित कर दया गया है और इसे वर्ष 1954 में राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से पेश किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **संविधान के अनुच्छेद 370 में संशोधन** करने के केंद्र सरकार के **वर्ष 2019 के कदम** पर अपना निर्णय सुनाया। इस निरसन ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को प्रदत्त विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था। **न्यायालय ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने वाले संवैधानिक आदेश को वैध माना।**

- जम्मू-कश्मीर को छूट प्रदान करते हुए **17 अक्तूबर, 1949** को एक **'अस्थायी प्रावधान'** के रूप में **अनुच्छेद 370** को भारतीय संविधान में शामिल किया गया, इससे जम्मू-कश्मीर को अपना संविधान बनाने की अनुमति प्राप्त हुई और राज्य में भारतीय संसद की विधायी शक्तियों के प्रयोग पर प्रतिबंधित लगा दिया गया। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसे एन. गोपालस्वामी अय्यंगर ने संविधान के मसौदे में अनुच्छेद 306A के रूप में पेश किया था। **अत: कथन 2 सही है।**
- **वर्ष 1954 के राष्ट्रपति आदेश** को **संविधान (जम्मू-कश्मीर पर लागू) आदेश, 2019** द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - अनुच्छेद 35A जम्मू-कश्मीर विधानसभा को **राज्य के स्थायी निवासियों और उनके विशेष अधिकारों** को परिभाषित करने का अधिकार देता है।

41. राज्य के महाधिवक्ता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. महाधिवक्ता राज्य का सर्वोच्च कानूनी अधिकारी होता है।
2. उसे राज्य विधानमंडल की कार्यवाही में मतदान का विशेषाधिकार प्राप्त है।
3. उसके पास बोलने और राज्य विधानमंडल की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार बरकरार है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- **महाधिवक्ता के विषय में:**
  - भारत के **संविधान के अनुच्छेद 165 के तहत** प्रत्येक **राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिये अर्हित किसी व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करेगा।**
  - भारत में **महाधिवक्ता राज्य का उच्च विधि अधिकारी** होता है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - उसके पास राज्य के भीतर किसी भी न्यायालय में खुद को पेश करने का **पूर्ण अधिकार** है।
  - उसके पास राज्य विधानमंडल अथवा राज्य विधानमंडल द्वारा शुरू की गई किसी भी समिति की कार्यवाही में **मतदान के विशेषाधिकार का अभाव** है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - हालाँकि उसके पास **बोलने तथा इन कार्यवाहियों में भाग लेने का अधिकार** बरकरार है। **अत: कथन 3 सही है।**

42. जून 1995 से प्रभावी किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को सरकारी नौकरियों में "परिणामी वरिष्ठता" तथा पदोन्नति में आरक्षण की अनुमति प्रदान की गई ?

A. 77वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1995
B. 81वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2000
C. 85वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2001
D. 103वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2019

52. उत्तर: C

व्याख्या:

- **77वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1995:** इंदिरा साहनी मामले में कहा गया था कि आरक्षण केवल प्रारंभिक नियुक्तियों में होगा, पदोन्नति में नहीं।
- हालाँकि संविधान में अनुच्छेद 16(4A) को जोड़ने से राज्य को SC/ST कर्मचारियों के लिये पदोन्नति के मामलों में आरक्षण के प्रावधान करने का अधिकार मिल गया, अगर राज्य को लगता है कि उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।
- **81वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2000:** इसमें अनुच्छेद 16(4B) पेश किया गया, जिसके अनुसार किसी विशेष वर्ष का रिक्त SC/ST कोटा, जब अगले वर्ष के लिये आगे बढ़ाया जाएगा, तो उसे अलग से माना जाएगा एवं उस वर्ष की नियमित रिक्तियों के साथ नहीं जोड़ा जाएगा।
- **85वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2001:** इसमें पदोन्नति में आरक्षण का प्रावधान किया गया है जिसे जून 1995 से पूर्वव्यापी प्रभाव से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के सरकारी कर्मचारियों के लिये 'पारिणामिक वरिष्ठता' के साथ लागू किया जा सकता है।
- **संविधान में 103वाँ संशोधन (2019): EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) के लिये 10% आरक्षण।**
- अत: विकल्प C सही है।

43. CEC और अन्य EC (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. CEC और EC की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर प्रधानमंत्री द्वारा की जाएगी।
2. चयन समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता/सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता शामिल होंगे।

3. CEC और EC का वेतन और सेवा शर्तें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर होंगी।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **राज्यसभा** ने हाल ही में **मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें एवं कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023** को मंज़ूरी दे दी, जो **मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) तथा चुनाव आयुक्तों (EC)** की नियुक्ति की प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- यह **विधेयक चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तें और व्यवसाय का संचालन) अधिनियम, 1991 का स्थान लेता** है।
- यह CEC और ECs की नियुक्ति, वेतन एवं निष्कासन से संबंधित है।
  - **नियुक्ति प्रक्रिया:**
    - CEC और EC की **नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति** द्वारा की जाएगी। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
    - चयन समिति में **प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता/सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता शामिल होंगे। अत: कथन 2 सही है।**
    - इस **समिति में कोई पद रिक्त होने पर भी चयन समिति** की सिफारिशें मान्य होंगी।
- **वेतन एवं शर्तों में परिवर्तन:**
  - CEC और ECs का वेतन एवं सेवा शर्तें **कैबिनेट सचिव** के सामान होंगी।
    - वर्ष 1991 के अधिनियम के तहत इनका वेतन **सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश** के वेतन के बराबर था। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

44. भारत में तस्करी से संबंधित संवैधानिक एवं विधायी प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 मानव तस्करी और बेगार पर रोक लगाता है।
2. अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम, 1956 प्राथमिक कानून के रूप में कार्य करता है जिसका उद्देश्य विशेष रूप से व्यावसायिक यौन शोषण के लिये तस्करी को रोकना है।
3. यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 यौन उत्पीड़न की स्पष्ट परिभाषा प्रदान नहीं करता है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **भारत में तस्करी से संबंधित संवैधानिक एवं विधायी प्रावधान:**
  - **संवैधानिक निषेध:** भारतीय संविधान का **अनुच्छेद 23 मानव तस्करी और बेगार (बिना भुगतान के जबरन श्रम) पर प्रतिबंध** लगाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - **अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम, 1956 [Immoral Traffic (Prevention) Act-ITPA]:** यह कानून विशेष रूप से **व्यावसायिक यौन शोषण के लिये तस्करी को रोकने के उद्देश्य से प्राथमिक कानून के रूप में कार्य** करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - **यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012:** 14 नवंबर, 2012 को अधिनियमित **यह अधिनियम बच्चों को यौन दुर्व्यवहार व शोषण से सुरक्षित करने** हेतु समर्पित है।
    - इसमें यौन शोषण के विभिन्न रूपों को स्पष्ट तौर पर परिभाषित किया गया है, जिसमें पेनीट्रेटिव और नॉन-पेनीट्रेटिव मामलों के साथ-साथ यौन उत्पीड़न भी शामिल है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

45. भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दस्तावेज़ों की परिभाषा में पारंपरिक लेखन के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी शामिल हैं।
2. दस्तावेज़ों की जाँच करने वाले योग्य व्यक्ति की गवाही को अब द्वितीयक साक्ष्य माना जाता है।
3. यह मौखिक साक्ष्य के इलेक्ट्रॉनिक प्रावधान की भी अनुमति देता है, जिससे गवाहों, आरोपी व्यक्तियों और पीड़ितों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से गवाही देने में मदद मिलती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर : C

व्याख्या:

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (BSB2) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (IEA) का स्थान लेता है। यह IEA के अधिकांश प्रावधान- स्वीकारोक्ति, तथ्यों की प्रासंगिकता और साक्ष्य को बरकरार रखता है। हालाँकि इसमें महत्त्वपूर्ण परिवर्तन शामिल हैं:

- **दस्तावेज़ी साक्ष्य:**
  - **परिभाषा विस्तार:** BSB2 पारंपरिक लेखन, मानचित्र और कैरिकेचर के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को शामिल करने के लिये दस्तावेज़ों की परिभाषा को विस्तृत करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - **प्राथमिक एवं द्वितीयक साक्ष्य:** प्राथमिक साक्ष्य अपनी स्थिति बरकरार रखता है, जिसमें मूल दस्तावेज़, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और वीडियो रिकॉर्डिंग शामिल हैं।
    - दस्तावेज़ों की जाँच करने वाले योग्य व्यक्ति की गवाही के साथ-साथ मौखिक और लिखित स्वीकारोक्ति को अब द्वितीयक साक्ष्य माना जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **मौखिक साक्ष्य:** BSB2 **मौखिक साक्ष्य के इलेक्ट्रॉनिक प्रावधान की अनुमति** देता है, जिससे गवाहों, आरोपी व्यक्तियों और पीड़ितों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से गवाही देने में मदद मिलती है। **अत: कथन 3 सही है।**

46. संसद सदस्यों के निलंबन के संवैधानिक उपबंधों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यदि अध्यक्ष को किसी सदस्य का आचरण अव्यवस्थित लगता है तो वह उस सदस्य को तुरंत सदन से बाहर जाने का निर्देश दे सकता है।
2. अध्यक्ष उस सदस्य को नामित कर सकता है जो अध्यक्ष के अधिकार की अवहेलना करता है तथा उसे सत्र के शेष समय से अधिक अवधि के लिये सदन से निलंबित किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

नियम जिसके तहत पीठासीन अधिकारी सांसदों को निलंबित कर सकता है:

- **लोकसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम:**
  - **नियम 373: यदि अध्यक्ष को किसी सदस्य का आचरण अव्यवस्थित लगता है तो वह उस सदस्य को तुरंत सदन से बाहर जाने का निर्देश दे सकता है।**
    - जिन सदस्यों को निलंबित करने का आदेश दिया जाएगा वे तुरंत ऐसा करेंगे और शेष दिनों की बैठक के दौरान अनुपस्थित रहेंगे।
  - **नियम 374:** अध्यक्ष ऐसे **सदस्य का नाम ले सकता है जो अध्यक्ष के अधिकार की अवहेलना करता है** या लगातार और जान-बूझकर सदन के कामकाज में बाधा डालकर सदन के नियमों का उल्लंघन करता है।
    - **नामित सदस्य को सत्र** की शेष अवधि से अधिक के लिये सदन **से निलंबित कर दिया जाएगा।**
    - इस नियम के तहत निलंबित सदस्य को तुरंत सदन के परिसर से हट जाना होगा।
- यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि **ये नियम संवैधानिक उपबंध नहीं** हैं तथा लोकसभा की प्रक्रिया के नियमों के तहत उल्लिखित हैं।

अत: कथन 1 और 2 सही नहीं हैं।

47. निर्वाचन आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मुख्य चुनाव आयुक्त और/या दो अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की स्थिति में मामले का निर्णय मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा किया जाता है।
2. संविधान ने निर्वाचन आयोग के सदस्यों की विधिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक और न्यायिक अर्हताएँ निर्धारित की गई हैं।
3. संविधान सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्तों को सरकार द्वारा आगे किसी भी नियुक्ति से प्रतिबंधित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

निर्वाचन आयोग:

- **मुख्य चुनाव आयुक्त** तथा **दो अन्य चुनाव आयुक्तों** के पास **समान शक्तियाँ** होती हैं एवं उन्हें **समान वेतन, भत्ते व अन्य सुविधाएँ** मिलती हैं, जो **सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान** हैं।
- **मुख्य चुनाव आयुक्त** और/अथवा दो अन्य चुनाव आयुक्तों **के बीच मतभेद** की स्थिति में मामले का निर्णय **आयोग द्वारा बहुमत से किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यद्यपि संविधान ने निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है किंतु **कुछ दोषों** पर ध्यान दिया जा सकता है, जैसे,

- संविधान ने निर्वाचन आयोग के सदस्यों की **अर्हता** (विधिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक अथवा न्यायिक) **निर्धारित नहीं** की है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- संविधान में निर्वाचन आयोग के **सदस्यों का कार्यकाल निर्दिष्ट नहीं** किया गया है।
- संविधान ने सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्तों को सरकार द्वारा किसी भी आगे की नियुक्ति से नहीं रोका है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

48. एग्जिट पोल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एग्जिट पोल मतदाताओं के साथ किया जाने वाला सर्वेक्षण है, जब वे निर्वाचन के दौरान मतदान केंद्र से बाहर निकलते हैं।
2. पहला एग्जिट पोल वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन द्वारा आयोजित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

एग्जिट पोल:

- एग्जिट पोल मतदाताओं के साथ किया जाने वाला सर्वेक्षण है, जब वे निर्वाचन के दौरान मतदान केंद्र से बाहर निकलते हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसका उद्देश्य मतदाताओं ने कैसे मतदान किया तथा उनकी जनसांख्यिकीय विशेषताओं से संबंधित जानकारी एकत्रित करना है।
- ये सर्वेक्षण आधिकारिक परिणाम घोषित होने से पूर्व चुनाव परिणामों के प्रारंभिक पूर्वानुमान प्रदान करते हैं।
- भारत में पहला एग्जिट पोल वर्ष 1957 में दूसरे लोकसभा चुनाव के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन द्वारा आयोजित किया गया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

49. केंद्र-राज्य संबंधों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान केंद्र तथा राज्यों के बीच विधायी अधिकारों को तीन हिस्सों में बाँटने का प्रावधान करता है।
2. संसद एवं राज्य विधानमंडल दोनों समवर्ती सूची में शामिल किसी भी मामले के संबंध में कानून बना सकते हैं।
3. 'बाकी बचे' (Residuary) विषयों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति राज्यों के अंतर्गत आती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

19. उत्तर: B

व्याख्या:

केंद्र-राज्य संबंध:

- भारतीय संविधान केंद्र तथा राज्यों के बीच **सातवीं अनुसूची** में विधायी अधिकारों को **तीन हिस्सों में बाँटने का प्रावधान** करता है, अर्थात **सूची- I (संघ सूची), सूची- II (राज्य सूची) एवं सूची- III (समवर्ती सूची)**। **अतः कथन 1 सही है।**
- **संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों समवर्ती सूची में शामिल किसी भी मामले में कानून बना सकते हैं।** इस सूची में **वर्तमान में 52 विषय** (मूल रूप से 473 विषय) हैं जैसे- आपराधिक कानून एवं प्रक्रिया, नागरिक प्रक्रिया, विवाह एवं तलाक, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, बिजली, श्रम कल्याण, आर्थिक तथा सामाजिक नियोजन, औषधि, समाचार पत्र, किताबें और प्रिंटिंग प्रेस इत्यादि। **अतः कथन 2 सही है।**
- **'बाकी बचे' विषयों** (अर्थात वे मामले जो तीन सूचियों में से किसी में भी शामिल नहीं हैं) के संबंध में कानून बनाने की शक्ति संसद की अधिकारिता में निहित है। कानून की इस संबद्ध शक्ति में **अवशिष्ट कर लगाने की शक्ति** भी शामिल है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ई.वी. चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और अन्य, 2004 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केवल प्रधानमंत्री के पास SC और ST सूची बनाने एवं अधिसूचित करने का अधिकार है।
2. अनुच्छेद 16 (4) यह अधिकार देता है कि राज्य SC और ST के पक्ष में पदोन्नति के मामलों में आरक्षण के लिये कोई भी प्रावधान कर सकता है यदि उनका राज्य के तहत सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण

- **परिचय:**
  - जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण आरक्षण तथा सकारात्मक कार्रवाई के लिये **अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) की मौजूदा श्रेणियों के भीतर उप-समूह बनाने की प्रक्रिया** को संदर्भित करता है।
  - उप-वर्गीकरण का उद्देश्य **अंतर-श्रेणी असमानताओं** का समाधान करना तथा समाज के सबसे वंचित एवं हाशिये पर रहने वाले वर्गों के बीच **लाभ** व अवसरों **का अधिक न्यायसंगत वितरण** सुनिश्चित करना है।
- **उप-वर्गीकरण की वैधता:**
  - ऐतिहासिक प्रयास:
    - सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचे इस मामले में कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे पंजाब, बिहार तथा तमिलनाडु जैसे राज्यों ने उप-वर्गीकरण का प्रयास किया है।
  - **संवैधानिक दुविधा:**
    - भारत के **सर्वोच्च न्यायालय** ने ***ई.वी. चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और अन्य, 2004*** के मामले में कहा कि केवल संसद के पास SC तथा अनुसूचित जनजातियों (ST) की सूची बनाने एवं अधिसूचित करने का अधिकार है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
    - हालाँकि ***पंजाब राज्य और अन्य बनाम दविंदर सिंह एवं अन्य, 2020*** के एक अन्य मामले में पाँच-न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया कि **राज्य** पहले से ही **अधिसूचित SC/ST की सूचियों में** "छेड़छाड़" किये बिना **लाभ की मात्रा पर निर्णय ले सकते हैं।**
- वर्ष 2004 और 2020 के फैसलों के बीच विरोधाभास के कारण वर्ष 2020 के फैसले को बड़ी बेंच को भेजा गया है।
  - **संविधान के अनुच्छेद 16(4)** में यह अधिकार दिया गया है कि राज्य **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये पदोन्नति के मामलों में आरक्षण** के लिये **कोई** प्रावधान कर सकता है, यदि वे राज्य के तहत सेवाओं में पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

51. आधार तथा आधार प्रमाणीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आधार भारत सरकार की ओर से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी की गई 12 अंकों की व्यक्तिगत पहचान संख्या है। यह नंबर भारत में कहीं भी पहचान और पते के प्रमाण के रूप में कार्य करता है।
2. आधार नंबर प्रत्येक व्यक्ति के लिये अद्वितीय होता है और जीवन भर वैध रहेगा।
3. आधार प्रमाणीकरण एक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा आधार संख्या के साथ जनसांख्यिकीय अथवा व्यक्ति की बायोमीट्रिक सूचना की जानकारी सत्यापन के लिये UIDAI के सेंट्रल आइडेंटिटीज़ डेटा रिपॉज़िटरी (CIDR) भेजी जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: D

व्याख्या:

- आधार भारत सरकार की ओर से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी की गई **12 अंकों की व्यक्तिगत पहचान संख्या है।** यह नंबर भारत में कहीं भी पहचान और पते के प्रमाण के रूप में कार्य करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- आधार नंबर प्रत्येक व्यक्ति के लिये अद्वितीय होता है और जीवन भर वैध रहेगा। **अत: कथन 2 सही है।**
- आधार नंबर निवासियों को उचित समय पर बैंकिंग, मोबाइल फोन कनेक्शन और अन्य सरकारी और गैर-सरकारी सेवाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करेगा।
- यह जनसांख्यिकीय और बायोमेट्रिक जानकारी के आधार पर व्यक्तियों की पहचान स्थापित करता है।
- यह एक स्वैच्छिक सेवा है **जिसका लाभ प्रत्येक निवासी वर्तमान दस्तावेज़ के बावजूद उठा सकता है।**
- आधार प्रमाणीकरण एक प्रक्रिया है, **जिसके द्वारा आधार संख्या के साथ जनसांख्यिकीय** (जैसे- नाम, जन्म तिथि , लिंग आदि) अथवा व्यक्ति की बायोमीट्रिक **सूचना** (फिंगरप्रिंट अथवा आइरिस) की जानकारी तथा इसके सत्यापन के लिये UIDAI के सेंट्रल आइडेंटिटीज़ डेटा रिपॉज़िटरी (CIDR) भेजी जाती है, UIDAI आधार संख्या के लिये प्रस्तुत उपलब्ध सूचना के आधार पर विवरण की शुद्धता या इसमें कमी आदि का पुष्टिकर्त्ता है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - आधार प्रमाणीकरण सेवाओं तक पहुँच प्राप्त करने के लिये आवश्यक है, जिससे व्यक्तियों को राशन अथवा सरकारी सेवाओं तक पहुँचने जैसे कार्यों के लिये अपनी **पहचान सत्यापित करने हेतु फिंगरप्रिंट अथवा SMS पासकोड का उपयोग** करने की आवश्यकता होती है।

52. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 29 भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है।
2. अनुच्छेद 346 के तहत, आधिकारिक संचार में कई भाषाओं का उपयोग किया जा सकता है।
3. अनुच्छेद 351 राष्ट्रपति को हिंदी भाषा के विकास के लिये निर्देश जारी करने की शक्ति देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमे से कोई भी नहीं

4. उत्तर: A

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 29:**
  - यह **अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा** करता है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी नागरिकों को अपनी विशिष्ट **भाषा**, लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - यह नस्ल, जाति, पंथ, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव पर भी रोक लगाता है।
- **अनुच्छेद 346:**
  - यह **आधिकारिक संचार में कई भाषाओं के उपयोग की अनुमति** देकर भारत की भाषाई विविधता को मान्यता देता है। यह राज्यों के बीच तथा राज्य और संघ के बीच प्रभावी संचार सुनिश्चित करने के लिये एक तंत्र भी प्रदान करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **अनुच्छेद 351:**
  - यह **केंद्र सरकार** को हिंदी भाषा के विकास हेतु निर्देश जारी करने की **शक्ति** प्रदान करता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

53. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान के अनुच्छेद 310 के अनुसार, संविधान द्वारा प्रदत्त प्रावधानों के अतिरिक्त संघ का एक सिविल सेवक राष्ट्रपति की इच्छा पर कार्य करता है।
2. संविधान का अनुच्छेद 309 संसद और राज्य विधानमंडलों को सार्वजनिक सेवाओं में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती एवं सेवा शर्तों को विनियमित करने का अधिकार देता है।
3. संविधान के अनुच्छेद 310 के तहत भारत सरकार की शक्ति स्वयं में पूर्ण/अंतिम है और सिविल सेवकों के लिये कोई अन्य उपाय उपलब्ध नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. सिर्फ दो
C. सभी तीन
D. इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत के संविधान का **भाग XIV** संघ और राज्य के अधीन सेवाओं से संबंधित है।
  - अनुच्छेद 309 संसद और राज्य विधायिका को क्रमश: **संघ या किसी राज्य के मामलों के संबंध में सार्वजनिक सेवाओं तथा पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती** एवं सेवा की शर्तों को विनियमित करने का अधिकार देता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - **अनुच्छेद 310** के अनुसार, संविधान द्वारा प्रदान किये गए प्रावधानों को छोड़कर **संघ में एक सिविल सेवक राष्ट्रपति की इच्छा से कार्य करता है** और राज्य के अधीन एक सिविल सेवक उस राज्य के राज्यपाल की इच्छा से कार्य करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- किंतु अनुच्छेद 310 के तहत **भारत सरकार की यह शक्ति अंतिम/पूर्ण नहीं है तथा सिविल सेवकों के पास केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने जैसे कई अन्य विकल्प उपलब्ध हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।**

54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में कोई निश्चित संसदीय कैलेंडर नहीं है।
2. बजट सत्र संसद का सबसे लंबा सत्र होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- केंद्र सरकार की घोषणा के अनुसार, संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर 2023 से शुरू होगा।
  - यह नए संसद भवन में आयोजित होने वाला पहला पूर्ण सत्र भी होगा।
- भारत में कोई निश्चित संसदीय कैलेंडर नहीं है। परंपरा के अनुसार (अर्थात् संविधान द्वारा प्रदत्त नहीं), **संसद की बैठक एक वर्ष में तीन सत्रों के लिये होती है। अत: कथन 1 सही है।**

- सबसे लंबा, **बजट सत्र (पहला सत्र) जनवरी** के अंत में शुरू होता है और अप्रैल के अंत या मई के पहले सप्ताह तक समाप्त होता है। सत्र में अवकाश का प्रावधान है ताकि संसदीय समितियाँ बजटीय प्रस्तावों पर चर्चा कर सकें। **अत: कथन 2 सही है।**
- दूसरा सत्र तीन सप्ताह का **मानसून सत्र** है, जो आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है और अगस्त में समाप्त होता है।
- तीसरा सत्र शीतकालीन सत्र है।

55. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) विनियमन विश्व के शीर्ष 500 में शुमार विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में शाखा परिसर स्थापित करने की अनुमति देता है।
2. विदेशी विश्वविद्यालयों को अपनी प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना और अपने मूल परिसरों में प्रत्यावर्तन निधि तय करने के लिये केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत में विदेशी विश्वविद्यालय की शाखा स्थापित करने हेतु UGC विनियम:

- हाल ही में **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग** (UGC) ने दुनिया के **शीर्ष 500 में शामिल विदेशी विश्वविद्यालयों के लिये भारत में शाखा स्थापित** करने हेतु विनियम जारी किये हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- UGC का यह कदम **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** के अनुरूप है, यह भारत में शीर्ष वैश्विक विश्वविद्यालयों के लिये एक विधायी ढाँचा परिकल्पित करता है।
- ये दिशानिर्देश UGC द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों के लिये घोषित मसौदा मानदंडों को फीडबैक के लिये सार्वजनिक किये जाने के बाद अधिसूचित किये गए हैं।

इन विनियमों के मुख्य पहलू:

- **सहयोगात्मक पहल:**
  - **दो अथवा दो से अधिक** विदेशी विश्वविद्यालय भारत में परिसर स्थापित करने के लिये **सहयोग** कर सकते हैं।
    - प्रत्येक भाग लेने वाले संस्थान को व्यक्तिगत पात्रता मानदंडों को पूर्ण करना होगा।
    - प्रत्येक विदेशी विश्वविद्यालय के पास देश में **एक से अधिक** परिसर स्थापित करने का अवसर है।
- **संकाय सहभागिता आवश्यकताएँ:**
  - भारतीय परिसरों के लिये नियुक्त अंतर्राष्ट्रीय संकाय को **कम से कम एक सेमेस्टर** के लिये देश में कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध रहना होगा।
    - यह शिक्षा के माहौल में निरंतर एवं सार्थक योगदान सुनिश्चित करता है।
- **स्वायत्तता:**
  - विदेशी विश्वविद्यालयों को अपनी प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित करने, शुल्क संरचना तय करने तथा विदेशों में स्थित अपने मूल परिसरों में धन वापस भेजने की अनुमति भी प्राप्त है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

56. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 19 नवंबर, 2015 में 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने के भारत सरकार के निर्णय को अधिसूचित किया।
2. भारत का संविधान नंदलाल बोस के मार्गदर्शन में शांतिनिकेतन के कलाकारों द्वारा हस्तलिखित था।
3. भारत के संविधान का मसौदा डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में सात सदस्यों की एक समिति द्वारा तैयार किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- **संविधान दिवस**, जिसे **राष्ट्रीय विधि दिवस (National Law Day)** के रूप में भी जाना जाता है, भारत के संविधान को ग्रहण करने के उपलक्ष्य में **प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर** को भारत में मनाया जाता है।
- **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** ने 19 नवंबर, 2015 में **26 नवंबर को 'संविधान दिवस'** के रूप में मनाने के भारत सरकार के निर्णय को अधिसूचित किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- भारत का संविधान विश्व के किसी भी संप्रभु देश का **सबसे लंबा लिखित संविधान है**।
  - भारत का संविधान मूल रूप से **अंग्रेज़ी और हिंदी** में लिखा गया था।
- भारत का संविधान **प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा** द्वारा सुलेख फॉन्ट में हस्तलिखित था और प्रत्येक पृष्ठ को नंदलाल बोस के मार्गदर्शन में शांतिनिकेतन के कलाकारों द्वारा अलंकृत किया गया था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - संविधान के निर्माण में 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे।

- भारतीय संविधान की मूल संरचना **भारत सरकार अधिनियम, 1935** पर आधारित है।
- भारत का संविधान भारत को एक **संप्रभु**, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है जो अपने नागरिकों को न्याय, समानता एवं स्वतंत्रता का आश्वासन देता है तथा बंधुत्व को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।
- भारत के संविधान का प्रारूप **सात सदस्यों की एक समिति** द्वारा तैयार किया गया था, जिसके **अध्यक्ष डॉ. बी.आर. अंबेडकर थे**, जिन्हें **भारतीय संविधान का जनक माना जाता है। अत: कथन 3 सही है।**
- भारत का संविधान **कई अन्य संविधानों से प्रेरित था**, जैसे कि अमेरिकी संविधान, यूके के संविधान, आयरिश संविधान, फ्राँसीसी संविधान, कनाडाई संविधान, ऑस्ट्रेलियाई संविधान और जापानी संविधान।

57. राष्ट्रपति के विचार हेतु विधेयक को सुरक्षित रखने की राज्यपाल की शक्ति के संदर्भ में निम्नलिखित शर्तों पर विचार कीजिये:

1. यह विधेयक संविधान के प्रावधानों के विपरीत है।
2. यह विधेयक राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों का विरोध करता है।
3. यह विधेयक देश के व्यापक हित का विरोधी है।
4. यह विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता है।

उपर्युक्त में से कितनी परिस्थितियों में राज्यपाल के लिये विधेयक को राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित रखना अनिवार्य हो जाता है?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- राज्यपाल विधेयक को **राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित** कर सकता है। **आरक्षण वहाँ अनिवार्य है जहाँ राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में** डालता है। हालाँकि यदि **विधेयक निम्नलिखित प्रकृति का हो (अनिवार्य नहीं) तो राज्यपाल उसे आरक्षित भी** कर सकता है:
  - संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध।
  - राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (DPSP) का विरोध।
  - देश के व्यापक हित के विरुद्ध।
  - गंभीर राष्ट्रीय महत्त्व का।
  - संविधान के अनुच्छेद 31A के अंतर्गत संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित।
- **अत: विकल्प A सही है।**

58. संविधान के अनुच्छेद 311 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुच्छेद 311(2) के अनुसार, किसी भी सिविल सेवक को ऐसी जाँच के बाद ही पदच्युत किया जाएगा या पद से हटाया जाएगा अथवा रैंक में अवनत किया जाएगा जिसमें अधिकारी को उसके विरुद्ध आरोपों की सूचना दी गई है तथा उन आरोपों के संबंध में सुनवाई का युक्तिसंगत अवसर प्रदान किया गया है।
2. अनुच्छेद 311 के प्रावधान किसी भी परिस्थिति में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं होते हैं।
3. संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत दंडित होने से पूर्व सिविल सेवकों को बिना किसी अपवाद के सुनवाई के उचित अवसर प्रदान किये जाने चाहिये।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 311(2)** के अनुसार, **किसी भी सिविल सेवक को ऐसी जाँच के बाद ही पदच्युत किया** जाएगा या पद से हटाया जाएगा अथवा रैंक में अवनत किया जाएगा जिसमें अधिकारी को उसके विरुद्ध आरोपों की सूचना दी गई है तथा उन **आरोपों के संबंध में सुनवाई का युक्तिसंगत अवसर प्रदान किया गया** है। **अत: कथन 1 सही है।**
- हाल ही में **जम्मू-कश्मीर सरकार ने "राज्य की सुरक्षा के लिये खतरा" बने चार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल** दिया।

यह कार्य संविधान के अनुच्छेद 311(2)(C) के तहत किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- **अनुच्छेद 311 (2) के अपवाद:**
  - **2 (A)** - जहाँ एक व्यक्ति की उसके आचरण के आधार पर बर्खास्तगी या हटाना या रैंक में कमी की जाती है जिसके कारण उसे **आपराधिक आरोप में दोषी ठहराया गया है; या**
  - **2 (B)** - जहाँ किसी व्यक्ति को बर्खास्त करने या हटाने या उसके रैंक को कम करने के लिये अधिकृत प्राधिकारी संतुष्ट है कि किसी कारण से उस प्राधिकारी द्वारा लिखित रूप में दर्ज किया जाना है, ऐसी जाँच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है; या

- **2 (C)** - जहाँ राष्ट्रपति या राज्यपाल, जैसा भी मामला हो, **संतुष्ट हो जाता है कि राज्य की सुरक्षा के हित में ऐसी जाँच करना उचित नहीं है। अत: कथन 3 सही नहीं है।**

59. पंचायती राज संस्था (PRI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. PRI को 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से संवैधानिक बनाया गया था।
2. इस अधिनियम ने भारत के संविधान में एक नया भाग-IX जोड़ा है।
3. इस अधिनियम ने संविधान में एक नई बारहवीं अनुसूची भी जोड़ी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या:

पंचायती राज संस्था (PRI):

- पंचायती राज संस्था (PRI) भारत में ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की एक प्रणाली है।
- ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र का निर्माण करने के लिये **73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992** के माध्यम से PRI को संवैधानिक बनाया गया और देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौंपा गया। **अत: कथन 1 सही है।**
- इस अधिनियम ने भारत के संविधान में एक नया भाग-IX जोड़ा है। इस भाग का शीर्षक 'पंचायतें' है और इसमें **अनुच्छेद 243 से 243 O** तक प्रावधान शामिल हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- इसके अतिरिक्त इस अधिनियम ने संविधान में एक नई ग्यारहवीं अनुसूची भी जोड़ी है। इस अनुसूची में पंचायतों से संबंधित 29 कार्यात्मक प्रावधान शामिल हैं। यह अनुच्छेद 243-G से संबंधित है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

60. केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक संवैधानिक संस्था है।
2. वर्ष 2019 में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में किये गए संशोधन के अनुसार, सदस्य पुनर्नियुक्ति के लिये पात्र नहीं हैं।
3. आयोग के पास पूछताछ करने हेतु सम्मन भेजने, दस्तावेज़ों की आवश्यकता आदि के संबंध में सिविल कोर्ट की शक्तियाँ होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

केंद्रीय सूचना आयोग (Central Information Commission- CIC):

- **स्थापना:** CIC की स्थापना **सूचना का अधिकार अधिनियम (2005)** के प्रावधानों के तहत वर्ष 2005 में केंद्र सरकार द्वारा की गई थी। **यह कोई संवैधानिक निकाय नहीं है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **सदस्य:** इस आयोग में **एक मुख्य सूचना आयुक्त और अधिकतम दस सूचना आयुक्त होते हैं।**
- **नियुक्ति:** उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।
- **कार्यकाल:** मुख्य सूचना आयुक्त और एक सूचना आयुक्त **केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिये या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) पद पर बने रहेंगे। वे पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं हैं (वर्ष 2019 में RTI अधिनियम, 2005 में किये गए संशोधन के अनुसार)। अत: कथन 2 सही है।**
- **CIC की शक्तियाँ और कार्य:**
  - आयोग का कर्तव्य है कि वह सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत किसी विषय पर प्राप्त शिकायतों के मामले में संबंधित व्यक्ति से पूछताछ करे।
  - आयोग उचित आधार होने पर किसी भी मामले में स्वत: संज्ञान **(Suo-Moto Power)** लेते हुए जाँच का आदेश दे सकता है।
  - आयोग के पास पूछताछ करने हेतु सम्मन भेजने, दस्तावेज़ों की आवश्यकता आदि के संबंध में **सिविल कोर्ट की शक्तियाँ** होती हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

61. धन विधेयक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. धन विधेयक को लोकसभा में पेश किया जाना चाहिये लेकिन यह राज्यसभा (उच्च सदन) में पेश नहीं किया जा सकता है।
2. राष्ट्रपति किसी धन विधेयक को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है लेकिन उसे पुनर्विचार के लिये वापस नहीं कर सकता।

3. धन विधेयक से संबंधित प्रक्रिया के अंतर्गत संयुक्त बैठक का प्रावधान शामिल है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

11. उत्तर: B

व्याख्या:

धन विधेयक:

- **परिभाषा:**
  - धन विधेयक एक वित्तीय कानून है जिसमें विशेष रूप से राजस्व, कराधान, सरकारी व्यय और उधार से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।
- **संवैधानिक आधार:**
  - अनुच्छेद 110 (1) के तहत किसी विधेयक को धन विधेयक समझा जाता है यदि वह अनुच्छेद 110 (1) (A) से (g) में निर्दिष्ट मामलों, विशेषकर कराधान, सरकार द्वारा उधार लेना और भारत की संचित निधि से धन के विनियोग से संबंधित है।
    - अनुच्छेद 110(1)(g) के अनुसार, **"अनुच्छेद 110(1) (a)(f) में निर्दिष्ट किसी भी गतिविधि से जुड़ा कोई भी मामला" धन विधेयक हो सकता है।**
  - संविधान के अनुच्छेद 110 (3) के अनुसार, "यदि कोई प्रश्न उठता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं", **तो उस पर लोकसभा के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।**
- **प्रक्रिया:**
  - धन विधेयक को लोकसभा में प्रस्तुत किया जाना चाहिये किंतु राज्यसभा (उच्च सदन) में यह प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - राज्यसभा किसी धन विधेयक पर केवल सिफारिशें कर सकती है लेकिन उसमें संशोधन करने या उसे अस्वीकार करने की शक्ति उसके पास नहीं है।
  - राष्ट्रपति किसी धन विधेयक को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है **लेकिन उसे पुनर्विचार के लिये वापस नहीं कर सकता। अत: कथन 2 सही है।**
  - इसमें संयुक्त बैठक का कोई प्रावधान नहीं है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के अनुसार किसी पार्टी के कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों को कानून की दृष्टि में वैधता प्राप्त करने के लिये "विलय" के पक्ष में होना अनिवार्य है।
2. दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित सदस्य किसी भी राजनीतिक दल से उसी सदन की एक सीट के लिये चुनाव लड़ सकता है।
3. दलबदल विरोधी कानून ऐसी कोई समय-सीमा नहीं निर्धारित करता है जिसके भीतर पीठासीन अधिकारी को दल-बदल मामले का फैसला करना अनिवार्य होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- दल-बदल विरोधी कानून एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाने पर **संसद** सदस्यों **(सांसदों)/विधानसभा सदस्यों (विधायकों)** को दंडित करता है।
- **विधायकों को दल बदलने से हतोत्साहित करके सरकारों में स्थिरता** लाने के लिये संसद ने वर्ष 1985 में इसे संविधान की **दसवीं अनुसूची** के रूप में जोड़ा।
  - दसवीं अनुसूची - जिसे **दल-बदल विरोधी अधिनियम** के नाम से जाना जाता है, को 52वें संशोधन अधिनियम, 1985 के माध्यम से संविधान में शामिल किया गया था।
- यह किसी अन्य राजनीतिक दल में दल-बदल के आधार पर **निर्वाचित सदस्यों की अयोग्यता** के प्रावधान निर्धारित करता है।
  - हालाँकि, यह सांसदों/विधायकों को दल-बदल के लिये दंड के बिना किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने (विलय) की अनुमति देता है। साथ ही दल-बदल करने वाले सांसदों का समर्थन या उन्हें स्वीकार करने के लिये राजनीतिक दलों को दंडित नहीं किया जाता है।
- **वर्ष 1985 के अधिनियम** के अनुसार, **किसी राजनीतिक दल के एक-तिहाई निर्वाचित सदस्यों द्वारा 'दल-बदल'** को **'विलय'** माना जाता था।
  - लेकिन **91वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2003** द्वारा इसमें बदलाव कर दिया गया और अब कानून की नज़र में वैधता के लिये किसी पार्टी के कम-से-**कम दो-तिहाई सदस्यों को "विलय"** के पक्ष में होना अनिवार्य है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- कानून के तहत अयोग्य घोषित **सदस्य किसी भी राजनीतिक दल से उसी सदन की एक सीट के लिये चुनाव लड़ सकता है। अत: कथन 2 सही है।**
- दल-बदल के आधार पर अयोग्यता से संबंधित मामलों पर निर्णय ऐसे सदन के **सभापति** अथवा **अध्यक्ष** को प्रेषित किया जाता है, यह प्रक्रिया **'न्यायिक समीक्षा'** के अधीन है।
  - हालाँकि कानून ऐसी कोई समय-सीमा नहीं निर्धारित करता है जिसके भीतर पीठासीन अधिकारी को दल-बदल मामले का फैसला करना अनिवार्य होता है। **अत: कथन 3 सही है।**

63. संसद में प्रश्न उठाने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सांसद एक दिन में प्रश्नों की अधिकतम 5 सूचनाएँ (मौखिक और लिखित दोनों) जमा कर सकते हैं।
2. आमतौर पर किसी प्रश्न के लिये नोटिस की अवधि कम से कम 17 दिन होती है, लेकिन अल्प सूचना प्रश्न के मामले में 8 दिन से कम का नोटिस न्यूनतम अवधि के रूप में निर्धारित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- प्रश्न उठाने की प्रक्रिया **"लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों"** के **नियम 32-54** तथा **लोकसभा अध्यक्ष के निर्देशों के निर्देश 10-18** द्वारा शासित होती है।
  - प्रश्न पूछने के लिये एक सांसद को पहले **निचले सदन के महासचिव को संबोधित करते हुए एक नोटिस देना** होता है, जिसमें प्रश्न पूछने के अपने उद्देश्य की जानकारी देनी होती है।
- सांसद **एक दिन में प्रश्नों की अधिकतम 5 सूचनाएँ (मौखिक और लिखित दोनों) जमा कर सकते** हैं। इस सीमा से अधिक नोटिस पर उसी सत्र के अगले दिनों के लिये विचार किया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- आमतौर पर किसी प्रश्न के लिये नोटिस अवधि **15 दिनों से कम नहीं** होती है।
  - हालाँकि अल्प सूचना प्रश्न के लिये, **10 दिन से कम** का नोटिस न्यूनतम अवधि के रूप में निर्धारित है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

64. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन I: ICJ के पास दो प्रकार के क्षेत्राधिकार हैं अर्थात् राज्यों के बीच उनके द्वारा प्रस्तुत किये गए कानूनी विवाद (विवादास्पद मामले) और संयुक्त राष्ट्र के अंगों तथा विशेष एजेंसियों (सलाहकार कार्यवाही) के साथ संदर्भित कानूनी प्रश्नों पर सलाहकारी राय के लिये अनुरोध।

कथन II: ICJ अंतर्राष्ट्रीय कानून पर के आधार पर विवादों का समाधान करता है और मार्गदर्शन प्रदान करता है, जिसमें संधियाँ, रीति-रिवाज, मूल विधि सिद्धांत, न्यायालय के फैसले और विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, तथा कथन-II , कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
C. कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है।
D. कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: A

व्याख्या:

- ICJ एक विश्व न्यायालय के रूप में कार्य करता है जिसके पास दो प्रकार के क्षेत्राधिकार हैं अर्थात् राज्यों के बीच उनके द्वारा प्रस्तुत किये गए कानूनी विवाद (विवादास्पद मामले) और संयुक्त राष्ट्र के अंगों तथा विशेष एजेंसियों (सलाहकार कार्यवाही) द्वारा इसे संदर्भित कानूनी प्रश्नों पर सलाहकारी राय के लिये अनुरोध। **अत: कथन 1 सही है।**
- ICJ **अंतर्राष्ट्रीय कानून पर के आधार पर विवादों का समाधान** करता है और मार्गदर्शन प्रदान करता है, जैसा कि **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, अंतर्राष्ट्रीय रीति-रिवाजों, सभ्य राष्ट्रों** द्वारा मान्यता प्राप्त कानूनों के सामान्य सिद्धांतों, न्यायिक निर्णयों और अंतर्राष्ट्रीय कानून पर सबसे उच्च योग्य विशेषज्ञों के लेखन में परिलक्षित होता है। अत: **कथन 2 सही है।**
- कथन I ICJ के **कर्तव्यों, भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों** को दर्शाता है और कथन II उन सिद्धांतों के बारे में बात करता है जिनके आधार पर ICJ अपनी भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों को पूरा करता है।

अत: विकल्प A सही है।

65. कॉलेजियम प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम का नेतृत्व CJI (भारत के मुख्य न्यायाधीश) करते हैं और इसमें सर्वोच्च न्यायलय के दो अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं।

2. एक उच्च न्यायालय कॉलेजियम का नेतृत्व मौजूदा मुख्य न्यायाधीश और उस न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

कॉलेजियम प्रणाली:

- सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम का नेतृत्व **CJI** (भारत के मुख्य न्यायाधीश) करते हैं और इसमें **न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश** शामिल होते हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- एक उच्च न्यायालय कॉलेजियम का नेतृत्व मौजूदा **मुख्य न्यायाधीश और उस न्यायालय के दो अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश** करते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

66. राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (NCLAT) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. NCLAT का गठन कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत किया गया था।
2. NCLAT के किसी भी आदेश से असंतोष की स्थिति में कोई भी व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (National Company Law Appellate Tribunal-NCLAT):

- NCLAT का गठन **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण** (NCLT) के आदेशों के विरुद्ध अपील सुनने के लिये **कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 410 के तहत** किया गया था। **अत: कथन 1 सही है।**
- NCLAT एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय है जो **कंपनियों से संबंधित मुद्दों पर फैसला** करता है।
- यह दिवाला और दिवालियापन संहिता (IBC), 2016 की धारा 61 के तहत NCLAT द्वारा पारित आदेशों के लिये तथा भारतीय दिवाला और दिवालियापन बोर्ड (IBBI) के अंतर्गत IBC धारा 202 तथा 211 के तहत पारित आदेशों के लिये अपीलीय न्यायाधिकरण भी है।
- NCLAT के किसी भी आदेश से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर कर सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये

1. संविधान नफरत फैलाने वाले भाषण को मुख्य रूप से व्यक्तियों के एक समूह के खिलाफ नफरत भड़काने के रूप में परिभाषित करता है।
2. IPC की धारा 295A उन दंडात्मक कृत्यों से संबंधित है जो जानबूझकर अथवा दुर्भावनापूर्ण इरादे से व्यक्तियों के एक वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

हेट स्पीच

- **परिचय:**
  - भारत के विधि आयोग की **267वीं रिपोर्ट** में घृणास्पद भाषण को मुख्य रूप से नस्ल, जातीयता, लिंग, यौन अभिविन्यास, धार्मिक विश्वास और **इसी तरह के संदर्भ में परिभाषित व्यक्तियों के एक समूह के खिलाफ नफरत को उकसाने वाला** बताया गया है। **अत: कथन 1 सही नही है।**
    - भाषण का संदर्भ यह निर्धारित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है कि यह नफरत फैलाने वाला भाषण है या नहीं।
- **भारत में हेट स्पीच की कानूनी स्थिति:**
  - **भाषण की स्वतंत्रता और हेट स्पीच:**
    - अनुच्छेद 19(2) इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध लगाता है, इसके **उपयोग और दुरुपयोग को संतुलित** करता है।
      - संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, गरिमा, नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि अथवा किसी अपराध को भड़काने के हित में प्रतिबंधों की अनुमति है।
  - **भारतीय दंड संहिता:**
    - **IPC की धारा 153A तथा 153 B:**
      - समूहों के बीच शत्रुता और घृणा उत्पन्न करने वालों को दंडित करना।

- **IPC की धारा 295A:**
  - दंडात्मक कृत्यों से संबंधित है जो जानबूझकर अथवा दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से **एक वर्ग के व्यक्तियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस** पहुँचाते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- **धारा 505(1) तथा 505(2):**
  - ऐसी **सामग्री के प्रकाशन और प्रसार को अपराध** मानना जो विभिन्न समूहों के बीच दुर्भावना या घृणा उत्पन्न कर सकती है।

68. लोकसभा की आचार समिति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. समिति के सदस्यों की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिये की जाती है।
2. कोई भी व्यक्ति कथित कदाचार के साक्ष्य के आधार पर किसी अन्य लोकसभा सांसद के माध्यम से किसी सदस्य के खिलाफ शिकायत कर सकता है।
3. शिकायत को लेकर समिति द्वारा अध्यक्ष को सौंपी गई रिपोर्ट पर आधे घंटे तक चर्चा का प्रावधान है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

लोकसभा की आचार समिति (Lok Sabha's Ethics Committee):

- **परिचय:**
  - आचार समिति के सदस्यों की नियुक्ति **लोकसभा अध्यक्ष द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिये की जाती है। अत: कथन 1 सही है।**
- **शिकायतों की प्रक्रिया:**
  - कोई भी व्यक्ति **किसी सदस्य के खिलाफ** किसी अन्य लोकसभा सांसद के माध्यम से **कथित कदाचार के सबूत** और एक शपथ-पत्र के साथ **शिकायत कर सकता है** कि शिकायत "झूठी, तुच्छ या परेशान करने वाली" नहीं है। **अत: कथन 2 सही है।**
    - यदि सदस्य स्वयं शिकायत करता है तो शपथ-पत्र की आवश्यकता नहीं होती है।
  - अध्यक्ष **किसी सांसद के खिलाफ कोई भी शिकायत समिति** को भेज सकता है।
  - यह समिति केवल मीडिया रिपोर्टों या विचाराधीन मामलों पर आधारित शिकायतों पर विचार नहीं करती है। किसी शिकायत की **जाँच करने का निर्णय लेने से पहले** समिति **प्रथम दृष्टया (Prima Facie) जाँच** करती है। शिकायत का मूल्यांकन करने के बाद अपनी सिफारिशें करती है।
  - यह समिति अपनी रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत करती है, जो रिपोर्ट पर विचार हेतु सदन की राय लेता है।
    - रिपोर्ट पर **आधे घंटे की चर्चा का भी प्रावधान** है। **अत: कथन 3 सही है।**

69. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन-I: तारांकित प्रश्न एक सांसद द्वारा पूछा जाता है जिसका उत्तर प्रभारी मंत्री द्वारा मौखिक रूप से दिया जाता है।

कथन-II: प्रत्येक सांसद को प्रतिदिन एक तारांकित प्रश्न पूछने की अनुमति है। जब प्रश्न का उत्तर मौखिक होता है तो उस पर अनुपूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: A

व्याख्या:

- **तारांकित प्रश्न (Starred Question)** एक **सांसद** द्वारा पूछा जाता है जिसका उत्तर **प्रभारी मंत्री** द्वारा मौखिक रूप से दिया जाता है। **अत: कथन- I सही है।**
- प्रत्येक **सांसद** को प्रतिदिन एक तारांकित प्रश्न पूछने की अनुमति है। जब प्रश्न का उत्तर मौखिक होता है तो उस पर अनुपूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं। **अत: कथन- II सही है।**

अत: कथन- II, कथन- I की सही व्याख्या है।

70. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

A. तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में पाँचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्र के रूप में नामित क्षेत्र हैं।
B. भूरिया समिति, 1991 ने 40% या अधिक आदिवासी आबादी (1951 की जनगणना के अनुसार) वाले क्षेत्रों को अनुसूचित क्षेत्र मानने की सिफारिश की।
C. अनुसूचित राज्यों में जनजातीय सलाहकार परिषद एसटी कल्याण से संबंधित मामलों पर राज्यपाल को सलाह देती है।
D. इनमें से कोई भी नहीं।

उत्तर: B

व्याख्या:

- अनुसूचित क्षेत्र भारत के 11.3% भूमि क्षेत्र को कवर करने वाले क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें विभिन्न एसटी समुदाय रहते हैं, इसमें देश की आबादी का 8.6% शामिल है।
- वे इस प्रकार निर्दिष्ट हैं:
  - पाँचवीं अनुसूची के अंतर्गत 10 राज्य हैं: आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश। **अत: कथन A सही है।**
  - छठी अनुसूची के अंतर्गत 4 राज्य हैं: असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम।
- किसी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने के लिये मार्गदर्शक मानदंडों में महत्त्वपूर्ण जनजातीय आबादी, सघनता, उचित आकार, एक प्रशासनिक इकाई के रूप में व्यवहार्यता और पड़ोसी क्षेत्रों की तुलना में आर्थिक पिछड़ापन शामिल है।
  - वर्ष 2002 के अनुसूचित क्षेत्र और अनुसूचित जनजाति आयोग या भूरिया आयोग ने 1951 की जनगणना के अनुसार 40% या अधिक आदिवासी आबादी वाले क्षेत्रों को अनुसूचित क्षेत्र मानने की सिफारिश की थी।
    - भूरिया समिति (1991), भूरिया आयोग से भिन्न है; इसकी सिफारिशों ने पेसा अधिनियम, 1996 के अधिनियमन का मार्ग प्रशस्त किया। **अत: कथन B सही नहीं है।**
- भारत का राष्ट्रपति भारत के अनुसूचित क्षेत्रों को अधिसूचित करता है। अनुसूचित क्षेत्रों वाले राज्यों को 20 एसटी सदस्यों तक एक जनजातीय सलाहकार परिषद का गठन करने की आवश्यकता होती है।
  - वे एसटी के कल्याण से संबंधित मामलों पर राज्यपाल को सलाह देती हैं। इसके बाद राज्यपाल अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में हर साल राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट सौंपेंगा। **अत: कथन C सही है।**
- अत: विकल्प B सही उत्तर है।

71. परिसीमन आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वर्ष 1952, 1962, 1972 और 2002 के अधिनियमों के आधार पर चार बार वर्ष 1952, 1963, 1973 व 2002 में परिसीमन आयोगों का गठन किया गया है।
2. परिसीमन आयोग का गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है तथा यह भारत निर्वाचन आयोग के सहयोग से कार्य करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न ही 1 न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

परिसीमन आयोग:

- **वर्ष 1952, 1962, 1972 और 2002 के अधिनियमों** के आधार पर चार बार **वर्ष 1952, 1963, 1973 और 2002** में परिसीमन आयोगों का गठन किया गया है। **अत: कथन 1 सही है।**
- परिसीमन आयोग का गठन **भारत के राष्ट्रपति द्वारा** किया जाता है तथा यह **भारत निर्वाचन आयोग** के **सहयोग** से कार्य करता है। आयोग का **मुख्य कार्य हाल की जनगणना के आधार पर** सीमाओं को फिर से तैयार करना है। **अत: कथन 2 सही है।**

72. भारतीय संविधान में प्रदत्त संसदीय विशेषाधिकारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 71 में संसदीय विशेषाधिकारों को परिभाषित किया गया है।
2. संसदीय विशेषाधिकार संसद के दोनों सदनों, उनकी समितियों और उनके सदस्यों को प्राप्त विशेष अधिकार, उन्मुक्तियाँ और छूट हैं।
3. इन विशेषाधिकारों के तहत संसद सदस्यों को अपने कर्त्तव्यों के दौरान दिये गए किसी भी बयान या किये गए कार्य के लिये किसी भी नागरिक दायित्व (लेकिन आपराधिक दायित्व नहीं) से छूट दी गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

संसदीय विशेषाधिकार:

- संसदीय विशेषाधिकार वे विशेष अधिकार, उन्मुक्तियाँ एवं छूट हैं जो संसद के दोनों सदनों, उनकी समितियों और उनके सदस्यों को प्राप्त हैं।**अत:कथन 1 सही है।**
- ये विशेषाधिकार भारतीय **संविधान के अनुच्छेद 105 में परिभाषित हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- इन विशेषाधिकारों के तहत संसद सदस्यों को अपने कर्त्तव्यों के दौरान दिये गए किसी भी बयान या किये गए कार्य के लिये किसी भी नागरिक दायित्व (लेकिन आपराधिक दायित्व नहीं) से छूट दी गई है। **अत:कथन 3 सही है।**

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 2018 के 102वें संशोधन अधिनियम ने संविधान में अनुच्छेद 338B और 342A पेश किए।

2. अनुच्छेद 338B नव स्थापित राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से संबंधित है।
3. अनुच्छेद 342A प्रधानमंत्री को किसी राज्य में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को निर्दिष्ट करने का अधिकार देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

2018 का 102वाँ संशोधन अधिनियम:

- इसने संविधान में **अनुच्छेद 338B** और **342A** प्रस्तुत किया।**अत: कथन 1 सही है।**
- अनुच्छेद 338B **नव स्थापित राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से संबंधित** है।**अत: कथन 2 सही है।**
- अनुच्छेद 342A **राष्ट्रपति को** किसी राज्य में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को निर्दिष्ट करने का **अधिकार देता है।अत: कथन 3 सही नहीं है।**
  - इसमें कहा गया है कि आरक्षण का लाभ देने हेतु सामाजिक और पिछड़े वर्गों के लिये किसी समुदाय को केंद्रीय सूची में शामिल करना संसद का कार्य है।

74. भारत में OBC आरक्षण के विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कालेलकर आयोग (1953) राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों की पहचान करने वाला पहला आयोग था।
2. मंडल आयोग (1980) की सिफारिशों के बाद केंद्र सरकार ने आरक्षण नीति लागू की जिसमें केंद्रीय नागरिक पदों और सेवाओं में OBC के लिये सीटें आरक्षित की गईं।
3. सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण का लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुँचाने के लिये OBC के बीच "क्रीमी लेयर" को बाहर करने का निर्देश दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत में OBC आरक्षण का ऐतिहासिक विकास:

- **कालेलकर आयोग (1953):** यह यात्रा वर्ष **1953 में कालेलकर आयोग की स्थापना** के साथ शुरू हुई, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति (Scheduled Castes- SC) और अनुसूचित जनजाति (Scheduled Tribes- ST) से परे पिछड़े वर्गों को मान्यता देने का पहला उदाहरण पेश किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- **मंडल आयोग (1980):** वर्ष 1980 में **मंडल आयोग ने अपनी रिपोर्ट** में OBC आबादी 52% होने का अनुमान लगाया गया था और देश भर में 1,257 समुदायों को पिछड़े वर्ग के रूप में पहचाना गया। इसने मौजूदा कोटा (जो पहले केवल SC/ST के लिये लागू था) को **22.5% से बढ़ाकर 49.5% करने का सुझाव** दिया।
  - इन सुझावों के बाद **केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 16(4) के तहत OBC के लिये केंद्रीय सिविल सेवा में 27% सीटें आरक्षित करते हुए आरक्षण** नीति लागू की। **अत: कथन 2 सही है।**
  - यह नीति **अनुच्छेद 15(4)** के तहत केंद्र सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में भी लागू की गई थी।
- **"क्रीमी लेयर" बहिष्करण (2008):** आरक्षण का लाभ सबसे वंचित व्यक्तियों तक पहुँचे यह सुनिश्चित करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने **OBC समुदाय में से "क्रीमी लेयर" को आरक्षण से बाहर** करने का निर्देश दिया। **अत: कथन 3 सही है।**
- **न्यायमूर्ति जी. रोहिणी आयोग:** संविधान के **अनुच्छेद 340 के अनुसार, 2 अक्तूबर, 2017 को इसका गठन किया** गया और **न्यायमूर्ति जी. रोहिणी की अध्यक्षता** वाले आयोग ने लगभग छह वर्ष बाद अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) की जातियों के उप-वर्गीकरण के लिये लंबे समय से प्रतीक्षित रिपोर्ट सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता मंत्रालय को सौंपी।
  - रिपोर्ट OBC के बीच उप-वर्गीकरण की अनिवार्यता को रेखांकित करती है।
  - इस उप-वर्गीकरण का उद्देश्य **ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले OBC समुदायों के लिये अवसरों को बढ़ाने हेतु मौजूदा 27% आरक्षण सीमा के अंतर्गत आरक्षण आवंटित** करना है।

75. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रत्येक वर्ष 10 जून को हिंदी दिवस मनाया जाता है।
2. हिंदी भारत की शास्त्रीय भाषाओं में से एक है।
3. अनुच्छेद 351 केंद्र सरकार को हिंदी भाषा के विकास के लिये निर्देश जारी करने की शक्ति देता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- प्रत्येक वर्ष **14 सितंबर** को मनाया जाने वाला **हिंदी दिवस** अत्यधिक **ऐतिहासिक महत्त्व** रखता है क्योंकि यह भारत की **आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की प्रेरणा देता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - **विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी** को मनाया जाता है। **यह 10 जनवरी, 1975 को** नागपुर में आयोजित प्रथम **विश्व हिंदी सम्मेलन** की वर्षगांठ का उत्सव मनाता है।
- यह भारत के **स्वतंत्रता संग्राम के शुरुआती दिनों से जुड़ा हुआ हैं**, जब प्रतिबद्ध हिंदी विद्वानों और कार्यकर्ताओं के एक समूह ने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिये **वर्ष 1918 में हिंदी साहित्य सम्मेलन** का गठन किया था।
- **14 सितंबर, 1949** को निर्णायक मोड़ आया, जब भारत की संविधान सभा ने आधिकारिक तौर पर **हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में** स्वीकार कर लिया, और इसे भारत के विविध भाषाई एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों के बीच एक एकीकृत तत्व के रूप में देखा गया।
  - आज हिंदी **अंग्रेज़ी के साथ केंद्र सरकार की दो आधिकारिक भाषाओं और भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं** में से एक है।
  - **अनुच्छेद 351 'हिन्दी भाषा के विकास हेतु निर्देश' से** संबंधित है। **अत:कथन 3 सही है।**
  - हिंदी कोई शास्त्रीय भाषा नहीं है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

76. निम्नलिखित में से कौन-सा संवैधानिक प्रावधान कानून बनाकर पंचायत में पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण की अनुमति देता है?

A. अनुच्छेद 234D
B. अनुच्छेद 243D
C. अनुच्छेद 234T
D. अनुच्छेद 243T

उत्तर: B

व्याख्या:

- **के. कृष्णमूर्ति (डॉ.) बनाम भारत संघ (2010)** में पाँच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा क्रमश: पंचायत और नगर निकायों में **अनुच्छेद 243D(6) तथा अनुच्छेद 243T(6) की व्याख्या की, जो पिछड़े वर्गों के लिये कानून बनाकर आरक्षण** की अनुमति देता है।
- **अत: विकल्प B सही है।**

77. संसद की प्रवर समिति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रवर समितियों को नियंत्रित करने वाली प्रक्रियाएँ और नियम, संसद के प्रक्रिया नियमों के अंतर्गत परिभाषित किये गए हैं।
2. प्रवर समिति का गठन विधेयक के प्रभारी मंत्री या संसद के किसी सदस्य द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव के माध्यम से शुरू किया जा सकता है।
3. यह कुल सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई के कोरम के साथ संचालित होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

प्रवर समिति:

- प्रवर समितियाँ विशेष विधेयकों की जाँच और निरिक्षण करने के विशिष्ट उद्देश्य से स्थापित **तदर्थ या अस्थायी समितियों** की एक श्रेणी है।
  - इसकी सदस्यता **एक सदन के सांसदों तक सीमित है।**
  - ये समितियाँ **अपना निर्धारित कार्य पूर्ण होने पर भंग** कर दी जाती हैं।
- हालाँकि अस्थायी, प्रवर समितियों को नियंत्रित करने वाली प्रक्रियाएँ और **नियम संसद की प्रक्रिया के नियमों में अच्छी तरह से परिभाषित** हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

- **प्रवर समिति का गठन:**
  - इस समिति का गठन **विधेयक के प्रभारी मंत्री** या संसद के किसी सदस्य द्वारा **प्रस्तावित प्रस्ताव** के माध्यम से किया जा सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - इस प्रस्ताव को अपनाने के लिये सदन में प्रस्तुत किया जाता है। यदि इसे अपनाया जाता है, तो **संदर्भित विधेयक पर विचार करने और रिपोर्ट देने के लिये समिति का गठन** किया जाता है।
- **कोरम:**
  - प्रवर समिति की संरचना उसके उद्देश्य के आधार पर भिन्न-भिन्न होती है। यह **कुल सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई के कोरम के साथ संचालित** होता है।

- यदि मतों में समानता हो तो **अध्यक्ष (पीठासीन) के पास निर्णायक मत** होता है। **अत: कथन 3 सही है।**

78. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विश्व आदिवासी दिवस प्रतिवर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है।
2. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 335 सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के दावों से संबंधित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

विश्व आदिवासी दिवस:

- **दिसंबर 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा अपनाए गए एक प्रस्ताव के अनुसार, **विश्व भर के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस**, जिसे **विश्व आदिवासी दिवस** (World Tribal Day) भी कहा जाता है, प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 2023 में विश्व आदिवासी दिवस का विषय **"इंडीजेनस यूथ एज़ एजेंट ऑफ चेंज फॉर सेल्फ-डिटरमीनेशन"** है।

संवैधानिक प्रावधान:

- **अनुच्छेद 342(1)**- राज्यपाल से परामर्श के बाद राष्ट्रपति किसी **राज्य अथवा केंद्रशासित प्रदेश के संबंध में जनजातियों या जनजातीय समुदायों या** जनजातियों या जनजातीय समुदायों के कुछ हिस्सों या समूहों **को अनुसूचित जनजाति के रूप में नामित कर सकता है।**
- **अनुच्छेद 46**- यह **अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य कमज़ोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने** से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 335**: इसके तहत सेवाओं और पदों पर **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति** के दावों संबंधी विवरण मिलता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **पाँचवी और छठी अनुसूची:** यह अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन एवं नियंत्रण से संबंधित है।

79. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अनुसार, संसदीय कार्यवाही पर न्यायालय के समक्ष सवाल नहीं उठाया जा सकता है?

A. अनुच्छेद 122
B. अनुच्छेद 123
C. अनुच्छेद 124
D. अनुच्छेद 125

उत्तर: A

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 122:** इसमें कहा गया है कि संसदीय कार्यवाही पर न्यायालय के समक्ष सवाल नहीं उठाया जा सकता है।
  - **अत: विकल्प A सही है।**
- **अनुच्छेद 123:** संसद के अवकाश के दौरान राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने हेतु कानून बनाने की कुछ शक्तियाँ प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 124:** यह सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना और गठन से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 125:** यह अनुच्छेद न्यायाधीशों के वेतन आदि से संबंधित है।

80. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

कथन-I: किसी संसद सदस्य के निलंबन की अधिकतम अवधि शेष सत्र के लिये होती है।

कथन-II: निलंबित सदस्य सदन में प्रवेश कर सकते हैं अथवा समितियों की बैठकों में भाग ले सकते हैं लेकिन मतदान नहीं कर सकते।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
C. कथन-I सही है परंतु कथन II गलत है।
D. कथन-I गलत है परंतु कथन-II सही है।

उत्तर: C.

व्याख्या:

- **संसद सदस्य के निलंबन की शर्तें:**
  - निलंबन की अधिकतम अवधि शेष सत्र के लिये होती है। **अत: कथन-I सही है।**
  - निलंबित सदस्य न तो सदन में प्रवेश कर सकते हैं और न ही समितियों की बैठकों में भाग ले सकते हैं। **अत: कथन-II सही नहीं है।**
  - वह चर्चा अथवा प्रस्तुतीकरण के लिये नोटिस देने हेतु पात्र नहीं होंगे।
- **अत: विकल्प C सही है।**

81. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद संसद के प्रत्येक सदन को उसकी प्रक्रिया और कार्य संचालन को विनियमित करने हेतु नियम बनाने का अधिकार प्रदान करता है?

A. अनुच्छेद 118
B. अनुच्छेद 119
C. अनुच्छेद 120
D. अनुच्छेद 121

उत्तर: A

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 118:** यह संसद के प्रत्येक सदन को अपनी प्रक्रिया और कार्य संचालन को विनियमित करने हेतु नियम बनाने का अधिकार प्रदान करता है। **अत: विकल्प A सही है।**
- **अनुच्छेद 119:** संसद में वित्तीय कार्य संबंधी प्रक्रिया के विधि द्वारा विनियमन का उल्लेख करता है।
- **अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा):** संसद के कार्य संचालन हेतु हिंदी या अंग्रेज़ी के उपयोग का प्रावधान करता है लेकिन संसद सदस्यों को अपनी मातृभाषा में स्वयं को अभिव्यक्त करने का अधिकार प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 121:** इसमें कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी भी न्यायाधीश के, अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किये गए आचरण के विषय में संसद में कोई चर्चा इसमें इसके पश्चात् उपबंधित रीति से न्यायाधीश को हटाने की प्रार्थना करने वाले समावेदन को राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने के प्रस्ताव पर ही होंगी, अन्यथा नहीं।

82. बाल कल्याण समितियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. बाल कल्याण समितियों में एक अध्यक्ष और चार सदस्य होते हैं, जिनमें कम-से-कम एक महिला और बच्चों से संबंधित मामलों का एक विशेषज्ञ शामिल होता है।
2. बाल कल्याण समितियाँ का गठन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।
3. किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के तहत प्रत्येक ज़िले में कम-से-कम एक बाल कल्याण समिति की गठन अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. तीनों
D. कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- बाल कल्याण समिति में एक अध्यक्ष और चार सदस्य होते हैं, जिनमें कम-से-कम एक महिला और बच्चों से संबंधित मामलों का एक विशेषज्ञ शामिल होता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- ज़रूरतमंद बच्चों की सुरक्षा और देखभाल के लिये प्रत्येक ज़िले या ज़िलों के समूह हेतु राज्य सरकारों द्वारा बाल कल्याण समितियों का गठन किया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अनुसार प्रत्येक ज़िले में कम से कम एक CWC की स्थापना अनिवार्य है। **अत: कथन 3 सही है।**

83. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण को चुनाव आयोग में निहित करने से संबंधित है?

A. अनुच्छेद 324
B. अनुच्छेद 325
C. अनुच्छेद 326
D. अनुच्छेद 327

उत्तर : A

व्याख्या :

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) से संबंधित संवैधानिक प्रावधान:

- **भारतीय संविधान का भाग XV (अनुच्छेद 324-329):** यह चुनावों से संबंधित है और इन मामलों के लिये एक आयोग की स्थापना करता है।
- **अनुच्छेद 324:** चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण चुनाव आयोग को सौंपा जाएगा।
- **अनुच्छेद 325:** कोई भी व्यक्ति धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर किसी विशेष मतदाता सूची में शामिल होने या उसके होने का दावा करने के लिये अयोग्य नहीं होगा।
- **अनुच्छेद 326:** लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार पर आधारित होंगे।
- अनुच्छेद 327: विधानमंडलों के चुनाव के संबंध में प्रावधान सुनिश्चित करने के लिये संसद की शक्ति।
- **अनुच्छेद 328:** किसी राज्य की विधायिका के पास उस विधायिका के चुनावों को नियंत्रित करने वाले प्रावधान तय करने का अधिकार है।
- **अनुच्छेद 329:** चुनावी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप पर रोक।

अत: विकल्प A सही है

84. स्थगन प्रस्ताव के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसमें शामिल होने के लिये 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है।
2. यह प्रस्ताव केवल लोकसभा के लिये उपलब्ध है।
3. स्थगन प्रस्ताव पारित होने पर सरकार को इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: C.

व्याख्या:

- **स्थगन प्रस्ताव:**
- स्थगन प्रस्ताव को केवल **लोकसभा** में **तत्काल सार्वजनिक महत्त्व के एक निश्चित मामले** पर सदन का ध्यान आकर्षित करने के लिये प्रस्तुत किया जाता है।
- इसे **स्वीकार करने के लिये 50 सदस्यों के समर्थन की** आवश्यकता होती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- चूँकि यह सदन के सामान्य कामकाज में बाधा डालता है, इसलिये इसे एक असाधारण उपकरण माना जाता है।
- यह प्रस्ताव **लोकसभा में उपलब्ध है लेकिन राज्यसभा में नहीं। अत: कथन 2 सही है।**
- यह ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है कि **स्थगन प्रस्ताव पारित होने पर सरकार को इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं होती है** लेकिन इसे **सरकार की कड़ी निंदा** माना जाता है। **अत: कथन 3 सही है।**

85. संसदीय प्रस्तावों के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

A. स्थगन प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही उपलब्ध होता है, राज्यसभा में नहीं।
B. कटौती प्रस्ताव किसी सदस्य द्वारा सदन के समक्ष किसी मामले पर चर्चा को कम करने के लिये लाया जाता है।
C. यदि धन्यवाद प्रस्ताव लोकसभा में पारित नहीं होता है, तो यह सरकार की हार है।
D. अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिये 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है।

उत्तर: B

व्याख्या:

- **स्थगन प्रस्ताव:**
  - स्थगन प्रस्ताव अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्त्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा करने के लिये पेश किया जाता है तथा **अध्यक्ष की सहमति से यह तत्काल चिंता का विषय** होना चाहिये।
  - यह प्रस्ताव **लोकसभा में तो उपलब्ध** है, लेकिन **राज्यसभा में नहीं। अत: कथन A सही है।**
- **समापन प्रस्ताव:**
  - यह सदन के समक्ष **किसी मामले पर चर्चा को कम करने के लिये** एक सदस्य द्वारा लाया गया एक प्रस्ताव है। यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो बहस तुरंत रोक दी जाती है और मामले को मतदान के लिये रखा जाता है।
  - **कटौती प्रस्ताव बजट में मांग की मात्रा को कम करने के लिये प्रस्तावित है। अत: कथन B सही नहीं है।**
- **धन्यवाद प्रस्ताव:**
  - लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर **राष्ट्रपति के अभिभाषण पर आभार व्यक्त** करना एक संसदीय प्रक्रिया है.
  - चर्चा के अंत में प्रस्ताव पर मतदान कराया जाता है। **यह प्रस्ताव सदन में पारित होना चाहिये।** अन्यथा यह **सरकार की हार के समान** होगा। **अत: कथन C सही है।**
- **अविश्वास प्रस्ताव:**
  - यह सरकार के विश्वास को परखने के लिये लोकसभा में (राज्यसभा में नहीं) पेश किया गया एक प्रस्ताव है।
  - **इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिये 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है। अत: कथन D सही है।**

86. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक की नियुक्ति केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) अधिनियम, 2003 की धारा 25 के तहत की जाती है।
2. केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम के अनुसार, केंद्र सरकार ED प्रमुख की नियुक्ति कर सकती है और दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी एक वर्ष तक उसे उस पद पर बनाए रख सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो और 1 न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत के **सर्वोच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के निदेशक को निर्धारित कट-ऑफ तिथि से परे दिये गए दो कार्यकाल** विस्तार को **"कानूनी रूप से अवैध"** घोषित कर दिया है।

- वर्तमान निदेशक को **नवंबर 2018 में दो वर्ष की अवधि के लिये नियुक्त किया गया था। नवंबर 2020 में उनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिये बढ़ा** दिया गया था, जिसे बाद में याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई थी।
  - वर्ष 2021 में सर्वोच्च न्यायालय ने **याचिका को खारिज कर दिया था, लेकिन एक विशिष्ट परमादेश जारी कर आगे के विस्तार पर** रोक लगाई गई थी।
- बाद में सरकार ने स्वयं को **तीन वर्षीय कार्यकाल विस्तार की शक्तियाँ प्रदान करने के लिये केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 में संशोधन** किया।
  - इस संशोधन का उद्देश्य सरकार को ED और CBI प्रमुखों को उनके दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक वर्ष तक उनके पद पर बनाए रखने में सक्षम बनाना है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - संशोधनों को यह तर्क देते हुए चुनौती दी गई थी कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पिछले निर्देश का खंडन किया है **जिसमें CBI प्रमुख (विनीत नारायण केस) जैसे शीर्ष अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल की वकालत की गई थी।**
- न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वे संशोधन संवैधानिक थे, लेकिन **पहले के परमादेश का उल्लंघन करने के कारण ED के निदेशक को दिये जाने वाले विशिष्ट विस्तार को अमान्य घोषित किया गया।**
- **नोट: ED निदेशक की नियुक्ति CVC अधिनियम, 2003 की धारा 25 के तहत की जाती है।** केंद्र सरकार एक चयन समिति की सिफारिश पर ED के निदेशक की नियुक्ति करती है। **समिति में CVC अध्यक्ष, सतर्कता आयुक्त, गृह मंत्रालय, कार्मिक मंत्रालय और केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के सचिव शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।**

87. दल-बदल विरोधी कानून के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दल-बदल विरोधी कानून वर्ष 1985 में भारतीय संविधान में 52वें संशोधन के माध्यम से पेश किया गया था।
2. इस कानून का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक दल-बदल पर अंकुश लगाना और सरकार में स्थिरता को बढ़ावा देना है।
3. दल-बदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी निर्णय न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 3
D. केवल 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या:

- **दल-बदल विरोधी कानून** भारत में **वर्ष 1985 में 52वें संशोधन अधिनियम** के भाग के रूप में अधिनियमित किया गया था। यह उस प्रक्रिया को निर्धारित करता है जिसके द्वारा सदन के किसी अन्य सदस्य की याचिका के आधार पर विधायिका के पीठासीन अधिकारी द्वारा विधायकों को दल-बदल के आधार पर अयोग्य ठहराया जा सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- संसद ने **वर्ष 1985 में इसे दसवीं अनुसूची** के रूप में संविधान में शामिल किया था। इसका उद्देश्य विधायकों को दल बदलने से हतोत्साहित करके **सरकार में स्थिरता को बढ़ावा** देना था। **अत: कथन 2 सही है।**
- दल-बदल के आधार पर अयोग्यता से संबंधित ऐसे प्रश्नों पर निर्णय सदन के सभापति या स्पीकर को भेजा जाता है **जो 'न्यायिक समीक्षा' के अधीन है। अत: कथन 3 सही नहीं है।**

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत सरकार अधिनियम, 1935 में प्रावधान था कि राज्यपाल के पास किसी मंत्री को चुनने और बर्खास्त करने का पूर्ण विवेक है।
2. संवैधानिक आदेशों के अनुसार राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह के बिना अपने विवेक के अनुसार किसी भी व्यक्ति को मंत्री के रूप में नियुक्त या बर्खास्त नहीं कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

मंत्रियों को बर्खास्त करने की राज्यपाल की शक्तियाँ:

- **अनुच्छेद 164:**
  - **संविधान के अनुच्छेद 164** के तहत **मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल** द्वारा की जाती है। अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाएगी।

- इस अनुच्छेद का तात्पर्य यह है कि राज्यपाल अपने विवेक के अनुसार **किसी मंत्री को नियुक्त** नहीं कर सकता है। इसलिये राज्यपाल केवल **मुख्यमंत्री की सलाह** पर ही **किसी मंत्री को बर्खास्त** कर सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**

- **भारत सरकार अधिनियम, 1935 का संदर्भ:**
  - **भारत सरकार अधिनियम, 1935 की धारा 51(1) और 51(5)** के तहत राज्यपाल के पास औपनिवेशिक शासन को संचालित करने वाले मंत्रियों को चुनने और बर्खास्त करने का पूर्ण विवेक था। **अत: कथन 1 सही है।**
  - हालाँकि भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राज्यपाल की भूमिका एक संवैधानिक प्रमुख के रूप में बदल गई, जिसका काम पूरी तरह से **मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करना** था।

89. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

A. नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General- CAG) केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर देश की संपूर्ण वित्तीय प्रणाली को नियंत्रित करता है।
B. CAG राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना कार्यकाल पूरा करता है।
C. CAG भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के तहत आगे की नियुक्ति हेतु पात्र है।
D. उपर्युक्त कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **संवैधानिक निकाय: अनुच्छेद 148** नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General- CAG) के **एक स्वतंत्र कार्यालय** का प्रावधान करता है। यह **भारत की सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्था है।**
  - वह **जनता के धन का संरक्षक** और केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर देश की **संपूर्ण वित्तीय प्रणाली को नियंत्रित** करता है। **अत: कथन A सही है।**
- **नियुक्ति:**
  - **भारत के राष्ट्रपति** द्वारा हस्ताक्षर और मुहर के तहत एक वारंट द्वारा उसकी नियुक्ति की जाती है।
- **कार्यकाल:**
  - **छह वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक**, जो भी पहले हो। **अत: कथन B सही नहीं है।**
- **पदस्थ किये जाने की प्रक्रिया:**
  - **राष्ट्रपति** CAG को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाए जाने की समान प्रक्रिया द्वारा **हटा सकता है।** वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण नहीं करता है।
- **अन्य संबंधित बिंदु:**
  - **अपना पद छोड़ने के बाद** वह किसी अन्य कार्यालय के लिये पात्र नहीं होगा, चाहे वह भारत सरकार में हो या किसी राज्य में। **अत: कथन C सही नहीं है।**
  - वेतन और अन्य सेवा शर्तें संसद द्वारा निर्धारित की जाती हैं।
  - कोई भी मंत्री संसद में CAG का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है।

अत: विकल्प A सही है।

90. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुच्छेद 161 के तहत किसी कैदी को क्षमा करने की राज्यपाल की शक्ति राज्य सरकार की सलाह से स्वतंत्र नहीं है बल्कि प्रकृति में बाध्यकारी है।
2. राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति हेतु राज्यपाल की विवेकाधीन शक्ति उन उदाहरणों तक सीमित है जब किसी भी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 161 के अनुसार, राज्यपाल के पास क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की शक्ति है।**
  - **सर्वोच्च न्यायालय** द्वारा यह निर्णय दिया गया था कि **किसी बंदी को क्षमा करने की राज्यपाल की संप्रभु शक्ति वास्तव में स्वयं उपयोग किये जाने के बजाय** राज्य सरकार के साथ आम सहमति से प्रयोग की जाती है।
  - सरकार की सलाह राज्य प्रमुख (राज्यपाल) पर बाध्यकारी है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **अनुच्छेद 163 के अनुसार,** कुछ विवेकाधीन शक्तियों के अतिरिक्त **राज्यपाल को उसके अन्य सभी कार्यों में सहायता करने और सलाह देने के लिये मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद का गठन** किये जाने का प्रावधान है। **विवेकाधीन शक्तियों में शामिल हैं:**
  - राज्य विधानसभा में किसी भी दल का स्पष्ट बहुमत न होने पर मुख्यमंत्री की नियुक्ति।
  - अविश्वास प्रस्ताव के दौरान।
  - **राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता के मामले में (अनुच्छेद 356)। अत: कथन 2 सही नहीं है।**

91. भारत के राष्ट्रपति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उसका चुनाव एक निर्वाचक मंडल प्रणाली के माध्यम से होता जाता है, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर के सांसदों द्वारा वोट डाले जाते हैं।
2. संविधान का अनुच्छेद 54 राष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित है।
3. अनुच्छेद 61 के तहत संविधान का उल्लंघन करने पर राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. तीनों
D. कोई नही

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत का राष्ट्रपति:

- भारतीय राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल प्रणाली के माध्यम से किया जाता है, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर के सांसदों द्वारा वोट डाले जाते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- चुनाव का आयोजन और निगरानी भारत के निर्वाचन आयोग (EC) द्वारा किया जाता है।
- निर्वाचक मंडल संसद के ऊपरी और निचले सदनों (राज्य सभा और लोकसभा सांसद) के सभी निर्वाचित सदस्यों और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधायकों) की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों से बना होता है।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 54: राष्ट्रपति का चुनाव, अत: कथन 2 सही है।**
  - **अनुच्छेद 55: राष्ट्रपति के चुनाव का तरीका।**
  - **अनुच्छेद 56: राष्ट्रपति के पद की अवधि**
  - **अनुच्छेद 57: पुनर्निर्वाचन के लिये पात्रता।**
  - **अनुच्छेद 58: राष्ट्रपति के रूप में चयनित होने के लिये योग्यता**
- अनुच्छेद 61 के अनुसार, राष्ट्रपति को उनके कार्यकाल की समाप्ति से पहले केवल संविधान के उल्लंघन के आधार पर उनके पद से हटाया जा सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**

92. परिसीमन आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित सीटों की पहचान करता है, जहाँ उनकी आबादी अपेक्षाकृत अधिक है।
2. यह एक उच्च शक्ति वाला निकाय है जिसके आदेशों को कानूनी शक्ति प्राप्त होती है और किसी भी न्यायालय के समक्ष इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

परिसीमन आयोग:

- **नियुक्ति:**
  - आयोग की नियुक्ति भारत के **राष्ट्रपति द्वारा** की जाती है और यह भारत के **चुनाव आयोग के सहयोग से काम** करता है।
- **संघटन:**
  - **सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश**
  - **मुख्य चुनाव आयुक्त**
  - संबंधित **राज्य चुनाव आयुक्त**
- **कार्य:**
  - सभी निर्वाचन क्षेत्रों की आबादी को लगभग बराबर करने के लिये **निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या और सीमाओं का निर्धारण** करना।
  - **अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों** के लिये **आरक्षित सीटों की पहचान** करना, जहाँ उनकी जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **शक्तियाँ:**
  - आयोग के **सदस्यों के मध्य मतभेद** के मामले में **बहुमत से की गई राय मान्य** होती है।
  - यह एक उच्च शक्ति वाला निकाय है जिसके **आदेशों को कानूनी शक्ति** प्राप्त होती है और **किसी भी न्यायालय के समक्ष इसे चुनौती नहीं** दी जा सकती है। **अत: कथन 2 सही है।**

93. अनिवासी भारतीयों (NRI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. NRI भारतीय चुनावों में मतदान करने के पात्र हैं।
2. यदि वह उस वर्ष से पहले के 4 वर्षों के दौरान 365 दिनों से कम और उस वर्ष में 60 दिनों से कम समय के लिये भारत में रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

NRI:

- **परिचय:**
  - NRI का मतलब **अनिवासी भारतीय** से है, यह एक ऐसे भारतीय नागरिक के लिये इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है जो **रोज़गार, शिक्षा या किसी अन्य उद्देश्य के कारण भारत से बाहर** रहता है।
    - **विदेश मंत्रालय** के अनुसार, **दिसंबर 2020 तक 208 देशों में लगभग 1.34 करोड़ NRI हैं।**
  - NRI भी भारतीय चुनावों में मतदान करने के पात्र हैं यदि वे भारत में अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में **विदेशी मतदाताओं के रूप में पंजीकृत** हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- **NRI के लिये मानदंड:**
  - एक व्यक्ति को NRI माना जाता है यदि:
    - वह वित्तीय वर्ष के दौरान **182 दिनों या उससे अधिक दिनों तक भारत में नहीं रहता है** या;
    - यदि वह **उस वर्ष से पहले के 4 वर्षों के दौरान 365 दिनों से कम और उस वर्ष में 60 दिनों से कम समय के लिये भारत** में रहा है। **अत: कथन 2 सही है।**

94. भारत सरकार के दायित्व के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सरकार के संप्रभु और गैर-संप्रभु कार्यों के बीच अंतर क्राउन प्रोसीडिंग्स एक्ट (1947) से लिया गया था।
2. एक राज्य पर उसके अधिकारियों द्वारा अपने गैर-सार्वभौम कार्यों के प्रयोग में किये गए अपकृत्यों के लिये मुकदमा चलाया जा सकता है, लेकिन संप्रभु कार्यों में नहीं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

संविधान का अनुच्छेद 299: सरकारी अनुबंध:

- **भारत के सर्वोच्च न्यायालय** ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि भारत के राष्ट्रपति के नाम पर किये गए अनुबंध **वैधानिक विधि से प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकते हैं।**
- यह फैसला **संविधान के अनुच्छेद 299** की व्याख्या और सरकारी अनुबंधों के लिये इसके निहितार्थ पर प्रकाश डालता है।
- ब्रिटेन में किसी भी कार्यवाही हेतु किसी भी कानूनी दायित्व से राज्य (यानी क्राउन) की पारंपरिक प्रतिरक्षा को **क्राउन प्रोसीडिंग्स एक्ट (1947)** द्वारा समाप्त कर दिया गया है। हालाँकि भारत में अभी भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।
  - भारत में सरकार के **संप्रभु और गैर-संप्रभु कार्यों के बीच अंतर** और अपने **संप्रभु कार्यों के संबंध में सरकार की प्रतिरक्षा को प्रसिद्ध P&O स्टीम नेविगेशन कंपनी केस (1861)** में स्थापित किया गया था। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- भारत में सरकार (संघ या राज्य) पर अपने अधिकारियों द्वारा किसी भी कार्य में किये गए अपकृत्यों (नागरिक गलतियों) के लिये मुकदमा दायर किया जा सकता है।
- **नागेंद्र राव मामला और कंपनी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1994) मामले में** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्य की **संप्रभु प्रतिरक्षा के सिद्धांत की आलोचना** की गई।
- **कॉमन कॉज़, रजिस्टर्ड सोसाइटी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (1999) में** सर्वोच्च न्यायालय ने **संप्रभु प्रतिरक्षा नियम को खारिज कर दिया। अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - राज्य को अपने कर्मचारियों के **सभी अत्याचारपूर्ण कृत्यों के लिये उत्तरदायी होना चाहिये**, चाहे वे संप्रभु या गैर-संप्रभु शक्तियों के प्रयोग में किये गए हों।
  - सरकारी अनुबंधों को **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 299** द्वारा निर्धारित कुछ औपचारिकताओं और सुरक्षा नियमों का अनुपालन करना होता है।
  - सरकारी अनुबंध **सार्वजनिक जाँच और जवाबदेही के अधीन** हैं तथा **निष्पक्षता, पारदर्शिता, प्रतिस्पर्द्धात्मकता एवं गैर-भेदभाव के सिद्धांतों** द्वारा शासित हैं।

95. 'फौकॉल्ट पेंडुलम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फौकॉल्ट पेंडुलम नए संसद भवन में लगाया गया है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A में निहित वैज्ञानिक जाँच एवं सोच की भावना को प्रदर्शित करता है।
2. यह पेंडुलम पृथ्वी के घूर्णन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रयोग है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- नई संसद भवन में फौकॉल्ट पेंडुलम भी वैज्ञानिक जाँच और वैज्ञानिक सोच की भावना को प्रदर्शित करता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A में निहित है। **अत: कथन 1 सही है।**

- पेंडुलम में एक भारी बॉब होता है जो छत में एक निश्चित बिंदु से लंबे, मज़बूत तार के अंत में निलंबित होता है। जैसे ही पेंडुलम घूमेगा, तो पेंडुलम और घूमती हुई पृथ्वी के बीच सापेक्ष गति के कारण पेंडुलम समय के साथ धीरे-धीरे अपना अभिविन्यास बदलता हुआ प्रतीत होता है।
- फौकॉल्ट पेंडुलम पृथ्वी के घूर्णन को प्रदर्शित करने वाला एक प्रयोग है। **अत: कथन 2 सही है।**

96. निम्नलिखित में से कौन नीति आयोग शासी परिषद के सदस्य नहीं है/हैं ?

1. विधायिका वाले केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री
2. बिना विधायिका वाले केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल
3. विपक्ष के नेता

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- यह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सक्रिय भागीदारी के साथ **राष्ट्रीय प्राथमिकताओं एवं रणनीतियों का एक साझा दृष्टिकोण विकसित करने के लिये विश्वसनीय प्रमुख निकाय** है।
  - यह **अंतर-क्षेत्रीय, अंतर-विभागीय** और संघीय मुद्दों पर चर्चा करने हेतु एक मंच है।
- **इसमें सम्मिलित हैं:**
  - भारत का प्रधानमंत्री।
  - विधायिका वाले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री।
  - अन्य केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल।
  - नीति आयोग के पदेन सदस्य और उपाध्यक्ष,
  - नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य।
  - विशेष आमंत्रित सदस्य।
- नीति आयोग शासी परिषद में विपक्ष के नेता शामिल नहीं हैं। अत: दिये गए विकल्पों में से केवल एक ही गलत है।

97. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण हेतु अपनाए गए पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप स्थापित किया गया था।
2. केवल भारत का मुख्य न्यायाधीश ही NHRC का अध्यक्ष बन सकता है।
3. सदस्यों को केवल सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आरोप में हटाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं ?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (National Human Rights Commission- NHRC):

- **परिचय:**
  - भारत का NHRC एक स्वतंत्र वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना 12 अक्तूबर, 1993 को मानवाधिकार अधिनियम, 1993 के संरक्षण के प्रावधानों के अनुसार की गई थी, जिसे बाद में वर्ष 2006 में संशोधित किया गया था।
  - यह पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप स्थापित किया गया था, जिसे पेरिस (अक्तूबर 1991) में मानवाधिकारों के प्रचार एवं संरक्षण हेतु अपनाया गया था तथा 20 दिसंबर, 1993 को इसका समर्थन किया गया था। **अत: कथन 1 सही है।**
- **संरचना:**
  - **प्रमुख सदस्य:** यह एक बहु-सदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष, पाँच पूर्णकालिक सदस्य और सात डीम्ड सदस्य शामिल हैं।
    - कोई व्यक्ति जो भारत का मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश रह चुका हो, अध्यक्ष बन सकता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - **नियुक्ति:** अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा छह सदस्यीय समिति की सिफारिशों पर की जाती है, जिसमें **प्रधानमंत्री, लोकसभा के अध्यक्ष, राज्यसभा के उपसभापति, दोनों संसद के विपक्ष के नेता और केंद्रीय गृह मंत्री** शामिल होते हैं।
  - **कार्यकाल:** अध्यक्ष और सदस्य **तीन वर्ष की अवधि के लिये या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक,** जो भी पहले हो, पद धारण कर सकते हैं।
    - राष्ट्रपति कुछ परिस्थितियों में अध्यक्ष या किसी सदस्य को पद से हटा सकता है।
  - **निष्कासन:** इन्हें केवल अक्षमता साबित होने के आरोप में हटाया जा सकता है, अगर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा की गई जाँच से साबित हो जाता है। **अत: कथन 3 सही है।**

- **प्रभाग:** आयोग के पाँच विशिष्ट प्रभाग भी हैं, अर्थात् विधि प्रभाग, अन्वेषण प्रभाग, नीति अनुसंधान एवं कार्यक्रम प्रभाग, प्रशिक्षण प्रभाग और प्रशासन प्रभाग।

98. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

1. ज़िला न्यायपालिका की स्वतंत्रता, संविधान की मूल संरचना का एक अभिन्न अंग है।
2. अनुच्छेद-233 ज़िला न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित है।
3. ज़िला न्यायाधीश की नियुक्ति राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A.

व्याख्या:

- **सर्वोच्च न्यायालय** के तहत भारत की **विधि-व्यवस्था बनाए रखने में ज़िला न्यायपालिका** की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया है और **इसकी स्वतंत्रता को संविधान की मूल संरचना का एक अभिन्न अंग घोषित किया गया है। अत: कथन 1 सही है।**
- अनुच्छेद-233 ज़िला न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित है। **अत: कथन 2 सही है।**
- ज़िला न्यायाधीश की नियुक्ति **राज्य के राज्यपाल द्वारा राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अनुशंसा पर** की जाती है। ज़िला न्यायाधीश के अतिरिक्त कार्यभार के आधार पर कुछ अतिरिक्त ज़िला न्यायाधीश और सहायक ज़िला न्यायाधीश हो सकते हैं। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

99. लोकुर समिति (1965) के अनुसार, अनुसूचित जनजाति के रूप में पहचाने जाने वाले समुदाय के लिये निम्नलिखित में से कौन-सी आवश्यक विशेषताएँ नहीं हैं ?

A. आदिम लक्षणों के संकेत
B. गरीबी की स्थिति
C. बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ संपर्क करने में भय
D. विशिष्ट संस्कृति

उत्तर: B

व्याख्या:

- **लोकुर समिति (1965)** के अनुसार, आवश्यक विशेषताएँ हैं:
  - आदिम लक्षणों के संकेत
  - विशिष्ट संस्कृति
  - बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ संपर्क करने में संकोच
  - भौगोलिक अलगाव
  - पिछड़ापन

अत: विकल्प B सही है।

100. 'फोरम शॉपिंग' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फोरम शॉपिंग वादियों या वकीलों द्वारा जान-बूझकर किसी विशेष न्यायाधीश या न्यायालय का चयन करने के अभ्यास को संदर्भित करता है जहाँ उनका मानना है कि निर्णय उनके मामले के लिये अधिक अनुकूल होगा।
2. सुप्रीम कोर्ट ने फोरम शॉपिंग को "न्यायालयों द्वारा एक विवादित प्रथा" के रूप में करार दिया है, जिसकी "कानूनी रूप से कोई मंज़ूरी और सर्वोच्चता नहीं है"।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या;

- **फोरम शॉपिंग** वादियों या वकीलों द्वारा जान-बूझकर किसी विशेष न्यायाधीश या न्यायालय का चयन करने के अभ्यास को संदर्भित करता है जहाँ उनका मानना है कि निर्णय उनके मामले के लिये अधिक अनुकूल होगा। **अत: कथन 1 सही है।**
- यह न्याय की **सामान्य प्रक्रिया को बाधित** करता है और न्यायालयों के कार्यभार में असंतुलन पैदा कर सकता है।
- **सर्वोच्च न्यायालय** ने फोरम शॉपिंग को "न्यायालयों द्वारा एक विवादित प्रथा" के रूप में करार दिया, **जिसे विजय कुमार घई बनाम पश्चिम बंगाल राज्य में "कानूनी रूप से कोई मंज़ूरी और सर्वोच्चता नहीं है"। अत: कथन 2 सही है।**

101. अनुच्छेद 239AA के तहत, दिल्ली का उपराज्यपाल (LG) निम्नलिखित में से किस क्षेत्र हेतु अपने विवेक से कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करसकता है ?

1. सार्वजनिक व्यवस्था
2. पुलिस
3. भूमि

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. 1, 2 और 3
D. केवल 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही मेंसर्वोच्च न्यायालय ने एलडरमेन की उपराज्यपाल द्वारा नियुक्ति के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर विचार करते हुए कहा कि उपराज्यपाल को दिल्ली नगर निगम के सदस्यों को नामित करने का अधिकार देने से निर्वाचित नागरिक निकाय कमज़ोर हो सकता है।
  - उपराज्यपाल का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 239AA के तहत उपराज्यपाल की शक्तियों और राष्ट्रीय राजधानी के प्रशासक के रूप में उनकी भूमिका के बीच अंतर है। उन्होंने दावा किया कि कानून के आधार पर एल्डरमैन के नामांकन में उपराज्यपाल की सक्रिय भूमिका है।
  - हालाँकि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि उपराज्यपाल को शक्ति देकर यह लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित MCD को संभावित रूप से अस्थिर कर सकता है क्योंकि उनके पास मतदान की शक्ति होगी।
- सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि उपराज्यपाल के पास राष्ट्रीय राजधानी में व्यापक कार्यकारी शक्तियाँ नहीं हैं, जो शासन के अद्वितीय "असममित संघीय मॉडल" के तहत संचालित होती हैं।
  - न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उपराज्यपाल अनुच्छेद 239AA(3) (A) के तहत केवल तीन विशिष्ट क्षेत्रों में अपने विवेक से कार्यकारी शक्ति का प्रयोग कर सकता है:
    - सार्वजनिक व्यवस्था
    - पुलिस
    - दिल्ली में भूमि

102. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केंद्रशासित प्रदेश होने के नाते दिल्ली के उपराज्यपाल (L-G) को मंत्रिपरिषद की सलाह मानना बाध्यकारी नहीं है।
2. उपराज्यपाल और मंत्रिपरिषद के बीच विवाद का कोई भी मामला L-G द्वारा राष्ट्रपति को भेजा जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर. B

व्याख्या:

- अनुच्छेद 239AA यह भी कहता है कि उपराज्यपाल को या तो मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करना होगा अथवा वह राष्ट्रपति द्वारा लिये गए निर्णय को लागू करने के लिये बाध्य होगा। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- साथ ही अनुच्छेद 239AA में यह व्यवस्था है कि उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद होने पर उपराज्यपाल मामले को राष्ट्रपति के पास भेज सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**

103. भारत में केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का भाग VIII केंद्रशासित प्रदेशों से संबंधित है।
2. भारत में केंद्रशासित प्रदेशों को केवल राष्ट्रपति द्वारा प्रशासित किया जाता है।
3. केवल पुदुचेरी और दिल्ली के केंद्रशासित प्रदेशों में ही विधानसभा का प्रावधान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत में केंद्रशासित प्रदेशों का प्रशासन:

- संविधान का भाग VIII (अनुच्छेद 239 से 241) केंद्रशासित प्रदेशों से संबंधित है। **अत: कथन 1 सही है।**
- भारत में केंद्रशासित प्रदेशों को राष्ट्रपति द्वारा उनके द्वारा नियुक्त प्रशासक के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। यह प्रशासक निर्वाचित नहीं बल्कि **राष्ट्रपति का एक प्रतिनिधि होता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - कुछ केंद्रशासित प्रदेशों में, जैसे कि दिल्ली और पुदुचेरी में प्रशासक के पास महत्त्वपूर्ण शक्तियाँ होती हैं जिसमें केंद्रशासित प्रदेश (UT) के लिये कानून और नियम बनाने की शक्ति भी शामिल है।
  - लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली जैसे अन्य केंद्रशासित प्रदेशों में प्रशासक की शक्तियाँ चुनी हुई सरकार को सलाह देने तक सीमित हैं।
- केंद्रशासित प्रदेशों में न्यायपालिका भी संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों से शासित होती है। **हालाँकि कुछ केंद्रशासित प्रदेशों में, जैसे कि दिल्ली उच्च न्यायालय के पास अन्य केंद्रशासित प्रदेशों, जैसे- लक्षद्वीप की तुलना में व्यापक शक्तियाँ हैं।**
- **पुदुचेरी (वर्ष 1963 में), दिल्ली (वर्ष 1992 में) और वर्ष 2019 में जम्मू और कश्मीर (अभी गठित की जानी है) के केंद्रशासित प्रदेशों को एक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक विधानसभा तथा एक मंत्रिपरिषद प्रदान की गयी है। अत: कथन 3 सही है।**

104. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यदि रिक्त सीट की शेष अवधि एक वर्ष से कम है तो सरकार उपचुनाव कराने के लिये बाध्य नहीं है।
2. उपचुनावों में चुने गए उम्मीदवार को पूरे कार्यकाल के लिये चुना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही

उत्तर: A

व्याख्या:

- उपचुनाव, जिसे विशेष चुनाव के रूप में भी जाना जाता है, भारत के विधायी निकायों में रिक्त सीटों को भरने के लिये आयोजित चुनावों को संदर्भित करता है।
- यह व्यापक चुनावी चक्र के भीतर एक महत्त्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य करता है और अप्रत्याशित रिक्तियों को संबोधित करके नियमित चुनावों को पूर्ण करता है।
- उपचुनावों का प्राथमिक उद्देश्य रिक्त सीटों की समय पर **फाइलिंग सुनिश्चित करना है, जिससे विधायी निकाय में प्रभावित निर्वाचन क्षेत्र या ज़िले का प्रतिनिधित्व हो सके। अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- उपचुनाव तब आयोजित किये जाते हैं जब विधायिका में कोई सीट निलंबन, इस्तीफे, अयोग्यता या मौजूदा सदस्य के निष्कासन जैसे कारणों से खाली हो जाती है।
- **निर्धारित समय-सीमा:**
  - जन प्रतिनिधित्त्व अधिनियम, 1951 की धारा 151A निर्वाचनआयोग को संसद और राज्य विधानमंडलों के सदनों में आकस्मिक रिक्तियों की तारीख से छह महीने के भीतर उपचुनावों के माध्यम से भरने हेतु अधिदेशित करती है, बशर्ते कि कार्यकाल की शेष अवधि एक वर्ष या उससे अधिक हो।
  - इसलिये यदि लोक सभा की शेष अवधि सीट खाली होने की तारीख से एक वर्ष से कम है तो उपचुनाव कराने की कोई आवश्यकता नहीं है।**अत: कथन 1 सही है।**

105. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत का संविधान, संसद के लिये चुनाव लड़ने से किसी व्यक्ति की अयोग्यता को निर्दिष्ट नहीं करता है।
2. वोहरा समिति का गठन वर्ष 1983 में इसलिये किया गया था ताकि राजनीति के अपराधीकरण से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।
3. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत संघ मामले (2002) में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को अपने आपराधिक और वित्तीय रिकॉर्ड दोनों का खुलासा करना होगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

आपराधिक उम्मीदवारों की अयोग्यता के वैधानिक स्वरूप:

- इस संबंध में भारतीय संविधान में संसद, **विधानसभा या किसी अन्य विधानमंडल चुनाव लड़ने से किसी व्यक्ति की अयोग्यता निर्दिष्ट नहीं है। अत: कथन 1 सही है।**
- **जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951** में विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिये किसी व्यक्ति को अयोग्य घोषित करने के मानदंड का उल्लेख है।

राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ पहल/सिफारिशें:

- वर्ष 1983 में **राजनीति के अपराधीकरण पर वोहरा समिति का गठन** राजनीतिक-आपराधिक गठजोड़ की सीमा की पहचान करने और राजनीति के अपराधीकरण से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से किया गया था। **अत: कथन 2 सही है।**
- **विधि आयोग** द्वारा प्रस्तुत **244वीं रिपोर्ट (वर्ष 2014)** में **विधानसभा में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के लिये गंभीर परिणाम उत्पन्न करने वाले** आपराधिक राजनेताओं की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर विचार किया गया है।

राजनीति के अपराधीकरण के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय:

- **एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत संघ (2002):**
  - वर्ष 2002 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि **चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को शैक्षिक योग्यता के साथ अपने आपराधिक और वित्तीय रिकॉर्ड की घोषणा करनी होगी। अत: कथन 3 सही है।**
- **रमेश दलाल बनाम भारत संघ (2005):**
  - वर्ष 2005 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि मौजूदा सांसद या विधायक को चुनाव लड़ने से तब अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा जब वह दोषी ठहराया जाता है, न्यायालय द्वारा वैद्यानिक रूप से **दो वर्ष या उससे अधिक के लिये कारावास की सज़ा सुनाई जाती है।**

106. मुद्रा और वित्त 2022-23 पर रिपोर्ट निम्नलिखित में से किस संस्था द्वारा प्रकाशित की जाती है?

A. वित्त मंत्रालय
B. भारतीय रिज़र्व बैंक
C. विश्व बैंक
D. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)

उत्तर: B

व्याख्या:

मुद्रा और वित्त रिपोर्ट:

- **परिचय:**
  - यह RBI का वार्षिक प्रकाशन है।
  - रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।
- **थीम:**
  - मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट 2022-23 का विषय 'टुवर्ड्स ए ग्रीनर क्लीनर इंडिया' है।
    - यह भारत के लिये जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और अवसरों एवं कम कार्बन तथा जलवायु-लचीले विकास पथ को प्राप्त करने में वित्तीय क्षेत्र की भूमिका पर केंद्रित है।
- **लक्ष्य:**
  - इसका उद्देश्य भारत में व्यापक आर्थिक और वित्तीय विकास तथा उनके नीतिगत प्रभावों पर विश्लेषणात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।
- **आयाम:**
  - रिपोर्ट में भारत में टिकाऊ उच्च विकास के लिये भविष्य की चुनौतियों का आकलन करने हेतु जलवायु परिवर्तन के चार प्रमुख आयाम- जलवायु परिवर्तन के अभूतपूर्व पैमाने और गति, इसके व्यापक आर्थिक प्रभाव, वित्तीय स्थिरता के निहितार्थ एवं जलवायु जोखिमों को कम करने के लिये नीतिगत विकल्प शामिल है।

107. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा दया याचिका के संबंध में सही नहीं है?

A. दया याचिका किसी ऐसे व्यक्ति, जिसे मौत या कारावास की सज़ा सुनाई गई है, द्वारा राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल से दया की मांग के लिये किया गया एक औपचारिक अनुरोध है।
B. कोई भी दोषी भारत के संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत भारत के राष्ट्रपति को दया याचिका पेश कर सकता है।
C. किसी राज्य का राज्यपाल किसी कैदी को तब तक क्षमा नहीं कर सकता जब तक कि वह कम-से-कम 14 साल की जेल की सज़ा न काट चुका हो।
D. सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि दया किसी प्रकार का अधिकार नहीं है और इसका दावा नहीं किया जा सकता है।

उत्तर: C

व्याख्या:

दया याचिका:

- **परिचय:**
  - दया याचिका एक औपचारिक अनुरोध है, यह अनुरोध किसी ऐसे व्यक्ति, जिसे मृत्युदंड या कारावास की सज़ा दी गई हो, द्वारा राष्ट्रपति या राज्यपाल से दया की मांग करते हुए किया जाता है।
    - संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और भारत जैसे कई देशों में दया याचिका के विचार का पालन किया जाता है।
    - **अनुच्छेद 161:**
- इसके तहत किसी राज्य के राज्यपाल के पास किसी मामले से संबंधित किसी भी कानून के खिलाफ किसी भी अपराध के लिये दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति की सज़ा को क्षमा, राहत देने, विराम या छूट देने या निलंबित करने, परिहार करने या कम करने की शक्ति होगी जिससे राज्य की शक्ति का विस्तार होता है।
  - वर्ष 2021 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि किसी राज्य का राज्यपाल **मृत्युदंड की सज़ा वाले कैदियों को क्षमा कर सकता है,** लेकिन वह न्यूनतम 14 साल की जेल की सज़ा काट चुका हो। **अत: विकल्प C सही नहीं है।**
- **दया याचिका दायर करने का आधार:**
  - **दया याचिका करना कैदी का अधिकार नहीं है।** वह इसका दावा नहीं कर सकता।
  - दया या क्षमादान उसके स्वास्थ्य, शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य, उसकी पारिवारिक वित्तीय स्थितियों के आधार पर दी जाती है।

108. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह सर्वोच्च न्यायालय को किसी भी मामले या उसके समक्ष लंबित मामले में पूर्ण न्याय करने हेतु आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार देता है।
2. अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गए आदेशों को संसद द्वारा बनाए गए कानून के अनुसार पूरे भारत में लागू किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- अनुच्छेद 142 (1) सर्वोच्च न्यायालय को इस तरह की डिक्री पारित करने या किसी भी कारण या मामले में 'पूर्ण न्याय' करने हेतु आवश्यक आदेश देने के लिये व्यापक शक्ति प्रदान करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता का प्रयोग करते हुए ऐसी डिक्री पारित कर सकता है या ऐसा आदेश दे सकता है जो उसके समक्ष लंबित किसी वाद या मामले में पूर्ण न्याय करने हेतु आवश्यक हो और इस प्रकार पारित कोई भी डिक्री या इस प्रकार किया गया आदेश पूरे समय तक प्रवर्तनीय रहेगा।
- संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून द्वारा या उसके तहत निर्धारित तरीके से भारत के क्षेत्र में और जब तक कि इस संबंध में प्रावधान नहीं किया जाता है, तब तक राष्ट्रपति आदेश द्वारा निर्धारित कर सकता हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

109. राष्ट्रीय हरित अधिकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
2. यह पर्यावरणीय मामलों में स्वत: संज्ञान ले सकता है और इसे दीवानी अदालत की शक्ति प्राप्त है।
3. NGT को प्राप्त आवेदनों अथवा अपीलों को दाखिल किये जाने के 6 महीने के भीतर इनका पूरी तरह से निपटान करना अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 2 और 3
B. केवल 1
C. केवल 3
D. केवल 1 और 2

उत्तर: B

व्याख्या:

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

- **परिचय:**
  - यह पर्यावरण संरक्षण और वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्र निपटान के लिये **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) अधिनियम, 2010 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - NGT की स्थापना के साथ **ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के बाद भारत एक विशेष पर्यावरण अधिकरण स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन गया, ऐसा करने वाला भारत पहला विकासशील देश है।**
  - NGT को प्राप्त आवेदनों अथवा अपीलों को दाखिल करने के **6 महीने के भीतर पूरी तरह से निपटान करना अनिवार्य है। अत: कथन 3 सही है।**
- **शक्तियाँ:**
  - किसी भी **पर्यावरणीय कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन सहित महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों से जुड़े सभी नागरिक मामले** इस अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।
  - **यह पर्यावरणीय मामलों का स्वत: संज्ञान ले सकता है।**
  - अधिकरण के आदेश, निर्णय को दीवानी अदालत के फैसले के रूप में लागू किया जा सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - आवेदन दाखिल करने के मामले में मूल अधिकार क्षेत्र के अतिरिक्त NGT के पास न्यायालय (ट्रिब्यूनल) के रूप में अपील सुनने के लिये अपीलीय क्षेत्राधिकार भी है।

110. भारतीय संविधान के 'अनुच्छेद 16' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह जन्मस्थान और निवास के आधार पर आरक्षण को प्रतिबंधित नहीं करता है।
2. यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पक्ष में परिणामी वरिष्ठता के साथ पदोन्नति में आरक्षण का भी प्रावधान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- **अनुच्छेद 16(1)** के अनुसार, राज्य के अधीन किसी भी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिये अवसर की समानता होगी।
- **अनुच्छेद 16 (2)** के अनुसार, राज्य के अधीन किसी भी पद के संबंध में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान, निवास या इसमें से किसी के आधार पर न तो कोई नागरिक अपात्र होगा और न उससे विभेद किया जाएगा। **अत: कथन 1 सही है।**
- **अनुच्छेद 16(4A)** के अनुसार, राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पक्ष में पदोन्नति के मामलों में आरक्षण के लिये कोई भी प्रावधान कर सकती हैं, यदि राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। **अत: कथन 2 सही है।**

111. धर्म की स्वतंत्रता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. धार्मिक संगठनों को अनुच्छेद 26 के तहत चल और अचल संपत्ति खरीदने एवं रखने की अनुमति है।
2. संविधान किसी भी धार्मिक निर्देश प्रदान करने हेतु राज्य द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों को प्रतिबंधित करता है।
3. राज्य द्वारा प्रशासित लेकिन किसी भी ट्रस्ट के तहत स्थापित शिक्षा संस्थान धार्मिक निर्देश प्रदान कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 3
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 2
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

अनुच्छेद 26 (धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता)

यह अनुच्छेद प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय को नैतिकता, स्वास्थ्य और सार्वजनिक व्यवस्था के अधीन निम्नलिखित अधिकार प्रदान करता है:

- धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों हेतु संस्थानों की स्थापना और उन्हें बनाए रखने का अधिकार।
- धर्म के मामले में अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार।
- अचल और चल संपत्ति अर्जित करने का अधिकार। **अत: कथन 1 सही है।**
- कानून के अनुसार ऐसी संपत्ति को प्रशासित करने का अधिकार।

अनुच्छेद 28 (कुछ शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थिति के संबंध में स्वतंत्रता)

यह अनुच्छेद धार्मिक समूहों द्वारा चलाए जा रहे शैक्षणिक संस्थानों को धार्मिक निर्देश प्रसारित करने की अनुमति देता है।

- यह प्रावधान करता है कि राज्य द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में कोई धार्मिक निर्देश प्रदान नहीं किया जाएगा। **अत: कथन 2 सही है।**
- राज्य द्वारा प्रशासित शैक्षणिक संस्थान लेकिन जो किसी बंदोबस्ती या ट्रस्ट के तहत स्थापित किये गए हों, के लिये आवश्यक है कि ऐसे संस्थानों में धार्मिक शिक्षा प्रदान की जाएगी, को उपरोक्त खंड से छूट दी गई है (कि कोई धार्मिक निर्देश प्रदान नहीं किया जाएगा)। **अत: कथन 3 सही है।**
- कोई भी व्यक्ति जो राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त किसी शैक्षणिक संस्थान में भाग लेता है या राज्य सहायता प्राप्त करता है, उसे ऐसी संस्था में प्रदान किये जाने वाले किसी भी धार्मिक निर्देश में भाग लेने या ऐसी संस्थाओं में किसी भी धार्मिक पूजा में भाग लेने की आवश्यकता नहीं होगी जब तक कि उसने इसके लिये सहमति नहीं दी है। नाबालिगों के मामले में अभिभावकों को इसके लिये सहमति देनी होती है।

112. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने की तारीख से लेकर मतदान पूरा होने तक MCC जारी रहती है।
2. यह मंत्रियों और अन्य अधिकारियों को किसी भी वित्तीय अनुदान की घोषणा करने से रोकता है।
3. MCC के अनुसार, केवल मतदाताओं और अधिकृत पार्टी कार्यकर्ताओं को ही मतदान केंद्रों में प्रवेश करने की अनुमति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 1 और 3
C. केवल 3
D. केवल 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

आदर्श आचार संहिता (MCC):

- यह **निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव से पूर्व राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के विनियमन तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने हेतु जारी दिशा-निर्देशों का एक समूह** है।
- यह भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 324** के अनुरूप है, जिसके तहत निर्वाचन आयोग (EC) को संसद तथा राज्य विधानसभाओं में **स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की निगरानी और संचालन** करने की शक्ति दी गई है।
- **चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की तारीख से परिणाम की घोषणा की तारीख तक MCC** जारी रहती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों हेतु MCC:

- **चुनाव के दिन:**
  - केवल मतदाताओं और चुनाव आयोग से वैध पास वाले लोगों को ही मतदान केंद्रों में प्रवेश करने की अनुमति है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
  - **मतदान केंद्रों पर सभी अधिकृत पार्टी कार्यकर्ताओं को उपयुक्त बैज या पहचान पत्र** दिया जाना चाहिये।
  - उनके द्वारा मतदाताओं को दी **जाने वाली पहचान पर्ची सादे (सफेद) कागज़ पर होगी और उसमें कोई प्रतीक, उम्मीदवार का नाम अथवा पार्टी का नाम** नहीं होगा।

- **सत्ताधारी पार्टी:**
  - MCC ने सत्ताधारी पार्टी के आचरण को विनियमित करते हुए वर्ष 1979 में कुछ प्रतिबंधों को शामिल किया। **मंत्रियों की आधिकारिक यात्राएँ और चुनाव कार्य पृथक होने चाहिये अथवा चुनाव कार्य के लिये आधिकारिक साधनों का उपयोग नहीं करना** चाहिये।
  - पार्टी को सरकारी संसाधनों की कीमत पर विज्ञापन देने अथवा चुनावों में जीत की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये उपलब्धियों के प्रचार हेतु आधिकारिक जन मीडिया का उपयोग करने से बचना चाहिये।
  - आयोग द्वारा चुनावों की घोषणा किये जाने के **समय से मंत्रियों और अन्य अधिकारियों को किसी भी वित्तीय अनुदान की घोषणा नहीं करनी चाहिये,** सड़कों के निर्माण, पीने के जल की व्यवस्था आदि का वादा नहीं करना चाहिये। अन्य दलों को सार्वजनिक स्थानों तथा विश्रामगृहों का उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिये और इन पर सत्ताधारी पार्टी का एकाधिकार नहीं होना चाहिये। **अत: कथन 2 सही है।**

113. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 128 के तहत की जाती है।
2. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को केवल राष्ट्रपति के आदेश से पद से हटाया जा सकता है।
3. सर्वोच्च न्यायालय के किसी भी सेवानिवृत्त न्यायाधीश को सर्वोच्च न्यायाधीश के रूप में बैठने और कार्य करने के लिये वापस बुलाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति:

- **नियुक्ति:**
  - सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति **राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत** की जाती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
    - राष्ट्रपति सूचित नियुक्तियाँ करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के साथ परामर्श करता है।
- **सेवानिवृत्ति के बाद प्रतिबंध:**
  - सेवानिवृत्ति के बाद सर्वोच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को भारत की किसी भी अदालत में **कानून का अभ्यास करने या किसी सरकारी प्राधिकरण के समक्ष वकालत करने से मना** किया जाता है।
  - भारतीय **संविधान के अनुच्छेद 128** के अनुसार, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के किसी भी **सेवानिवृत्त न्यायाधीश को भारत के राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से** भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के **न्यायाधीश के रूप में बैठने और कार्य करने के लिये वापस बुलाया** जा सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **निष्कासन:**
  - सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को **राष्ट्रपति के आदेश से ही पद से हटाया** जा सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**

114. भारतीय राजव्यवस्था में अध्यादेशों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अनुच्छेद 123 अध्यादेशों को प्रख्यापित करने के लिये राष्ट्रपति को कुछ कानून बनाने की शक्तियाँ प्रदान करता है।
2. राष्ट्रपति द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश की अधिकतम वैधता छह महीने होती है।
3. अनुच्छेद 213 के तहत राज्य विधानसभा सत्र में नहीं होने पर राज्य का राज्यपाल भी अध्यादेश जारी कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

भारतीय राजनीति में अध्यादेश:

- **भारत के संविधान का अनुच्छेद 123, जब संसद के दोनों सदनों में से कोई भी अत्यावश्यक परिस्थितियों में सत्र में नहीं होता है,** राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने हेतु कानून बनाने की कुछ शक्तियाँ प्रदान करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - इसलिये संसद द्वारा अध्यादेश जारी करना संभव नहीं है।
  - **जब अध्यादेश प्रख्यापित किया जाता है लेकिन विधायी**

सत्र अभी शुरू नहीं हुआ है, तो अध्यादेश कानून के रूप में प्रभावी रहता है। इसकी वही शक्ति एवं प्रभाव है जो **विधायिका के अधिनियम** का होता है।

- लेकिन इसके पुन: प्रख्यापन के **छह सप्ताह के भीतर संसद द्वारा अनुसमर्थन आवश्यक** होता है।

- राष्ट्रपति द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश की वैधता इसके **प्रख्यापन की तारीख से छह सप्ताह और अधिकतम छह महीने** तक होती है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- किसी राज्य का **राज्यपाल भी राज्य में विधानसभा सत्र न होने की स्थिति में भारत के संविधान** के अनुच्छेद 213 के तहत अध्यादेश जारी कर सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**
- यदि दोनों सदन अलग-अलग तिथियों पर अपना सत्र शुरू करते हैं, तो बाद की तारीख पर विचार किया जाता है (अनुच्छेद 123 और 213)।

115. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नामग्याल वंश ने 17वीं शताब्दी में सिक्किम साम्राज्य की स्थापना की थी।
2. वर्ष 1975 में सिक्किम का भारत में विलय होने के साथ ही यह देश का 22वाँ राज्य बन गया।
3. सिक्किम तीन अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से घिरा हुआ राज्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. 1, 2 और 3
D. केवल 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

सिक्किम राज्य स्थापना दिवस:

- **प्रतिवर्ष 16 मई** को **भारत के साथ सिक्किम के एकीकरण की स्वीकृति** और **वर्ष 1975 में देश के 22वें राज्य के रूप में** इसकी स्थापना को चिह्नित करने के लिये **सिक्किम राज्य स्थापना दिवस** मनाया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- सिक्किम राज्य का गठन **भारतीय संविधान के 36वें संशोधन** के तहत हुआ। सिक्किम का एक समृद्ध इतिहास है, 17वीं शताब्दी में **नामग्याल राजवंश ने सिक्किम साम्राज्य की स्थापना** की थी। **अत: कथन 1 सही है।**
- सिक्किम, उत्तर और उत्तर-पूर्व में **चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र**, दक्षिण-पूर्व में **भूटान**, दक्षिण में **पश्चिम बंगाल** (भारत का राज्य) तथा पश्चिम में **नेपाल** से सीमा साझा करता है। **अत: कथन 3 सही है।**

116. पुष्करालु महोत्सव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह उत्सव प्रत्येक 12 वर्ष के अंतराल पर मनाया जाता है।
2. इस पर्व की शुरुआत बृहस्पति ग्रह के एक राशि से दूसरी राशि में जाने से होती है।
3. उत्सव के दौरान भक्त विभिन्न पवित्र नदियों में जाकर डुबकी लगाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 1 और 3
C. केवल 1 और 2
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

- **वाराणसी में 12 दिवसीय पुष्करालु महोत्सव** मनाया जा रहा है। यह पुष्करालु पर्व गंगा पुष्करम् है।
- इस उत्सव को पुष्करालु (तेलुगु में), पुष्करा या पुष्कर के नाम से जाना जाता है। **यह एक ऐसा पर्व है जो हर 12 वर्ष में ग्रहों के गोचर के विशेष संयोग के कारण आता है। अत: कथन 1 सही है।**
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर नदी एक राशि से जुड़ी होती है और इस उत्सव की शुरुआत तब होती है **जब बृहस्पति गृह का गोचर एक राशि से दूसरी राशि में होता है। अत: कथन 2 सही है।**

- पुष्करालु को सबसे पवित्र अवधियों में से एक माना जाता है जब भक्त पवित्र डुबकी लगाने के लिये विभिन्न पवित्र नदियों में जाते हैं।

अत: कथन 3 सही है।

117. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन आदर्श आचार संहिता की सही व्याख्या करता है?

A. आदर्श आचार संहिता दिशा-निर्देशों का एक समूह है जिसका सभी राजनीतिक दलों को चुनाव अवधि के दौरान पालन करना चाहिये।

B. आदर्श आचार संहिता केवल सरकारी अधिकारियों पर लागू होती है, न कि राजनीतिक दलों पर।

C. आदर्श आचार संहिता एक कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज़ है जो किसी भी प्रकार के उल्लंघन के लिये सज़ा का प्रावधान करता है।

D. आदर्श आचार संहिता केवल मतदान अवधि के दौरान लागू होती है, न कि चुनाव पूर्व चरण के दौरान।

उत्तर: A

व्याख्या:

- आदर्श आचार संहिता भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का एक समूह है जो यह सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक दल, उम्मीदवार और उनके समर्थक चुनाव अवधि के दौरान व्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से आचरण करें। यह संहिता सभी राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों पर लागू होती है। **अत: विकल्प A सही उत्तर है।**
- इस संहिता का उद्देश्य एक समान प्रतिस्पर्द्धा बनाए रखना, बाहुबल अथवा धन-बल के उपयोग को रोकना और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव को प्रोत्साहित करना है। आदर्श आचार संहिता कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज़ नहीं है। हालाँकि इस संहिता का किसी भी प्रकार उल्लंघन करना दंडनीय है अथवा इससे उम्मीदवार की योग्यता रद्द की जा सकती है।

118. 'अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नदी के जल के उपयोग के संबंध में राज्यों के बीच विवादों का समाधान करने हेतु संसद कानून पारित करके न्यायाधिकरण स्थापित कर सकती है।
2. अंतर्राज्यीय नदी जल विवादों के मुद्दों पर संसद सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1

B. केवल 2

C. 1 और 2 दोनों

D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

अंतरराज्यीय नदी जल विवाद:

- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - अनुच्छेद 262 के अनुसार, जल संबंधी विवादों के मामले में:
    - संसद विधि द्वारा किसी अंतर-राज्यीय नदी या नदी घाटी के जल के उपयोग, वितरण या नियंत्रण के संबंध में किसी भी विवाद या शिकायत के न्यायनिर्णयन हेतु प्रावधान कर सकती है। **अत: कथन 1 सही है।**
    - **संसद कानून में निर्दिष्ट कर सकती है कि सर्वोच्च न्यायालय सहित किसी भी अन्य न्यायालय के पास उपरोक्त प्रकार के विवादों या शिकायतों को सुनने का अधिकार नहीं है। अत: कथन 2 सही है।**

119. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजा जाता है, तो राष्ट्रपति विधेयक पर अपनी सहमति दे सकता है या सहमति को रोक सकता है। वह विधेयक वापस नहीं कर सकता।
2. राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ तभी आरक्षित कर सकता है जब विधेयक उच्च न्यायालय की संवैधानिक शक्तियों को समाप्त कर देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1

B. केवल 2

C. 1 और 2 दोनों

D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

राज्य के विधेयकों पर राज्यपाल की शक्तियाँ:

- **अनुच्छेद 200:**
  - भारतीय संविधान का अनुच्छेद 200 किसी राज्य की विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को सहमति के लिये राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को रेखांकित करता है, **जो या तो सहमति दे सकता है, सहमति को रोक सकता है या राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिये विधेयक को आरक्षित कर सकता है।**
  - राज्यपाल **सदन या सदनों द्वारा पुनर्विचार का अनुरोध** करने वाले संदेश के साथ विधेयक को वापस भी कर सकता है।
- **अनुच्छेद 201:**
  - इसमें कहा गया है कि जब कोई विधेयक राष्ट्रपति के विचार के लिये आरक्षित होता है, तो राष्ट्रपति विधेयक पर सहमति दे सकता है या उस पर रोक लगा सकता है।

- राष्ट्रपति विधेयक पर पुनर्विचार करने के लिये राज्यपाल को उसे सदन या राज्य के विधानमंडल के सदनों को वापस भेजने का निर्देश भी दे सकता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- वह राष्ट्रपति के विचार हेतु विधेयक को आरक्षित कर सकता है। आरक्षण अनिवार्य है जहाँ राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता है। हालाँकि राज्यपाल विधेयक को आरक्षित भी कर सकता है यदि यह निम्नलिखित प्रकृति का हो:
  - संविधान के प्रावधानों के खिलाफ
  - नीति निदेशक तत्त्वों का विरोध
  - देश के व्यापक हित के खिलाफ
  - गंभीर राष्ट्रीय महत्त्व का, **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

120. लोक भविष्य निधि (PPF) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह सरकार द्वारा समर्थित एक अल्पकालिक बचत योजना है।
2. इस खाते को सक्रिय रखने के लिये आवश्यक न्यूनतम वार्षिक निवेश 500 रुपए है।
3. इस खाते हेतु वार्षिक अधिकतम जमा राशि 1.5 लाख रुपए है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3
B. केवल 1 और 2
C. केवल 2 और 3
D. केवल 1

उत्तर: C

व्याख्या:

लोक भविष्य निधि (Public Provident Fund- PPF):

- यह भारत सरकार द्वारा समर्थित एक दीर्घकालिक बचत योजना है जो व्यक्तियों को उनकी सेवानिवृत्ति के लिये बचत करने के लिये प्रोत्साहित करती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- इस योजना की अवधि 15 वर्ष है, जिसे परिपक्वता के बाद अतिरिक्त पाँच वर्ष तक बढ़ाने का विकल्प होता है।
- इस खाते को सक्रिय रखने के लिये आवश्यक न्यूनतम वार्षिक निवेश 500 रुपए है। इस खाते हेतु वार्षिक अधिकतम जमा राशि 1.5 लाख रुपए है। **अत: कथन 2 और 3 सही हैं।**

121. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विकसित मूल संरचना सिद्धांत के संबंध में सही नहीं है?

A. इस सिद्धांत को पहली बार केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) के ऐतिहासिक मामले में प्रतिपादित किया गया था।
B. इस सिद्धांत के अनुसार, संविधान की कुछ विशेषताओं को संसद द्वारा संशोधित नहीं किया जा सकता है।
C. इस सिद्धांत में मूल संरचना के हिस्से के रूप में लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और कानून के शासन के सिद्धांत शामिल हैं।
D. संविधान की प्रस्तावना मूल संरचना का हिस्सा नहीं है।

उत्तर: D

व्याख्या:

- संविधान में संशोधन करने के लिये संसद की शक्तियों पर चर्चा करते हुए **सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) के मामले में कहा कि संसद के पास संविधान के किसी भी हिस्से में उस सीमा तक संशोधन करने की शक्ति है जिस सीमा तक यह संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन नहीं करता है।**
- न्यायालय ने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि **वास्तव में मूल संरचना है क्या,** लेकिन इस संबंध में मामले-दर-मामले विकास होता रहा और सिद्धांत में नए प्रावधान जुड़ते गए। विभिन्न निर्णयों के माध्यम से न्यायालय ने न्यायिक समीक्षा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, कानून के शासन, संघवाद आदि जैसे प्रावधानों को मूल संरचना का हिस्सा बनाया। केशवानंद भारती मामले में प्रस्तावना को संविधान के एक भाग के रूप में घोषित किया गया था और **एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ मामले में यह माना गया कि प्रस्तावना संविधान की मूल संरचना को इंगित करती है।**
- **अत: विकल्प D सही है।**

122. मंडल आयोग की सिफारिशों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. OBC को सार्वजनिक क्षेत्र और सरकारी नौकरियों में 27% आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिये।
2. उन्हें सार्वजनिक सेवाओं के सभी स्तरों पर पदोन्नति में 27% आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिये।
3. उस वर्ष आरक्षित सीटें खाली रहने की स्थिति में कैरी फॉरवर्ड नियम का प्रावधान नहीं किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. 1, 2 और 3
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1
D. केवल 1 और 2

उत्तर: D

व्याख्या:

मंडल आयोग की सिफारिशें:

- OBC को सार्वजनिक क्षेत्र और सरकारी नौकरियों में 27% आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिये।

- उन्हें सार्वजनिक सेवाओं के सभी स्तरों पर पदोन्नति में समान 27% आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिये।
- **अत: कथन 1 और 2 सही हैं।**
- आरक्षित कोटा, यदि पूरा नहीं किया गया है, को 3 वर्ष की अवधि हेतु आगे बढ़ाया जाना चाहिये। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों, सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाले निजी क्षेत्र के उपक्रमों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण का प्रावधान किया जाना चाहिये।

123. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 74वें संशोधन अधिनियम में भाग IX-A जोड़ा गया और इसमें अनुच्छेद 243-P से 243-ZG तक के प्रावधान शामिल हैं।
2. 74वें संशोधन अधिनियम ने संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़ी गई जिसमें नगर पालिकाओं के 18 कार्यात्मक विषय शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- वर्ष 1992 में पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान 74वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से शहरी स्थानीय सरकारों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था। यह 1 जून, 1993 को लागू हुआ।
  - इसमें भाग IX-A जोड़ा गया है और अनुच्छेद 243-P से लेकर 243-ZG तक प्रावधान शामिल हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
  - इसके अतिरिक्त इस अधिनियम के तहत संविधान में 12वीं अनुसूची को भी शामिल किया गया। इसमें नगर पालिकाओं के 18 कार्यात्मक विषय शामिल हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

124. भारतीय विरासत से संबंधित निम्नलिखित प्रावधानों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का अनुच्छेद 49 राज्य पर यह दायित्त्व डालता है कि वह संसद द्वारा घोषित राष्ट्रीय महत्त्व के प्रत्येक स्मारक या स्थान या कलात्मक या ऐतिहासिक हित की वस्तु की रक्षा करे।
2. प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम (AMASR अधिनियम) 1958 प्राचीन तथा ऐतिहासिक स्मारकों एवं पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों के संरक्षण का प्रावधान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- संविधान का अनुच्छेद 49 (राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत) राज्य पर एक दायित्त्व डालता है कि वह संसद द्वारा घोषित राष्ट्रीय महत्त्व के हर स्मारक या स्थान या कलात्मक या ऐतिहासिक हित की वस्तु की रक्षा करे। **अत: कथन 1 सही है।**
- प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम (AMASR अधिनियम) 1958 प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों तथा पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों के संरक्षण, पुरातात्त्विक खुदाई के नियमन व मूर्तियों, नक्काशियों तथा अन्य समान वस्तुओं को संरक्षण प्रदान करता है। **अत: कथन 2 सही है।**

125. नौवीं अनुसूची के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस अनुसूची में केंद्रीय और राज्य कानूनों की एक सूची है जिन्हें न्यायालयों में चुनौती नहीं दी जा सकती है और यह न्यायिक जाँच के दायरे से बाहर है।
2. अनुच्छेद 31B कानून के 'उपबंधों' को सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 31A विशिष्ट कानूनों या अधिनियमों को सुरक्षा प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- नौवीं अनुसूची केंद्रीय और राज्य कानूनों की एक सूची है जिसे न्यायालयों में चुनौती नहीं दी जा सकती है, इसे संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 द्वारा जोड़ा गया था।
  - **वामन राव बनाम भारत संघ (1981):** इस महत्त्वपूर्ण निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि "वे संशोधन जो **24 अप्रैल, 1973 (जिस पर केशवानंद भारती मामले में निर्णय दिया गया था) से पहले संविधान में किये गए थे, वैध और संवैधानिक हैं लेकिन जो निर्दिष्ट तिथि के बाद बनाए गए थे, उन्हें संवैधानिकता के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- **अनुच्छेद 31A कानून के 'उपबंधों' को सुरक्षा प्रदान करता है,** जबकि **अनुच्छेद 31B विशिष्ट कानूनों या अधिनियमों को सुरक्षा प्रदान करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।**

126. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत का संविधान राज्य सरकार को अपनी सीमाओं के भीतर स्थित खनिजों और केंद्र सरकार को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर खनिजों के मालिक होने का अधिकार देता है।
2. खान और खनिज (विकास और विनियमन) (MMDR) अधिनियम, राज्य सरकारों को खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को रोकने हेतु नियम बनाने का अधिकार देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारत के संविधान की **सूची II (राज्य सूची) की क्रम संख्या 23 की प्रविष्टि राज्य सरकार को अपनी सीमाओं के अंदर स्थित खनिजों के स्वामित्त्व के लिये बाध्य करती है।**
- **सूची I (केंद्रीय सूची) की क्रम संख्या 54 पर प्रविष्टि केंद्र सरकार को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के अंदर खनिजों के मालिक होने का अधिकार** देती है।
- इसके अनुसरण में **खान और खनिज (विकास और विनियमन) (MMDR) अधिनियम 1957 बनाया गया था। अत: कथन 1 सही है।**
- खान और खनिज (विकास और विनियमन) (MMDR) अधिनियम की धारा 23C के अनुसार, राज्य सरकारों को खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण को रोकने के लिये नियम बनाने का अधिकार है। **अत: कथन 2 सही है।**

127. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. डॉ. बी.आर. अंबेडकर 1946 में बंबई से संविधान सभा के लिये चुने गए थे।
2. डॉ बी. आर. अंबेडकर ने दलित वर्गों के कल्याण के लिये एक संघ और बहिष्कृत भारत समाचार पत्र की शुरुआत की।
3. बुद्ध या कार्ल मार्क्स पुस्तक डॉ बी. आर. अम्बेडकर द्वारा लिखी गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. उपरोक्त सभी

उत्तर: C

व्याख्या:

- वर्ष 1942 में डॉ. अंबेडकर को **भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में श्रम सदस्य के रूप** में नियुक्त किया गया।
- वह 1946 में बंगाल से **संविधान सभा के लिये चुने गए** थे। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **वर्ष 1924** में उन्होंने दलित वर्गों के कल्याण हेतु एक संगठन की शुरुआत की और वर्ष 1927 में दलित वर्गों की स्थिति को उजागर करने के लिये **बहिष्कृत भारत समाचार पत्र का प्रकाशन** शुरू किया।
  - उन्होंने **मार्च 1927 में महाड सत्याग्रह का भी नेतृत्त्व** किया।
  - **अत: कथन 2 सही है।**
- डॉ. अंबेडकर द्वारा लिखित **पुस्तकें:**
  - एनीहिलेशन ऑफ कास्ट
  - **बुद्ध या कार्ल मार्क्स**
  - द अनटचेबल: हू आर दे एंड व्हाय दे हैव बिकम अनटचेबल्स
  - बुद्ध एंड हिज़ धम्म
  - द राइज़ एंड फॉल ऑफ हिंदू वुमेन

अत: कथन 3 सही है।

128. संसदीय समितियों से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विभागीय स्थायी समितियों को तदर्थ समितियों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
2. संयुक्त संसदीय समितियों का गठन स्थायी समितियों के रूप में किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- **संसदीय समिति** का अर्थ है एक समिति जो:
  - संसदीय समिति सांसदों का एक पैनल है जिसे सदन द्वारा नियुक्त या निर्वाचित किया जाता है या अध्यक्ष/सभापति द्वारा नामित किया जाता है।

- **अध्यक्ष/सभापति के निर्देशन** में कार्य करती है।
- अपनी **रिपोर्ट सदन या अध्यक्ष/सभापति** को प्रस्तुत करती है।
- लोकसभा/राज्यसभा द्वारा सचिवालय प्रदान किया गया है।

- **प्रकार:**
  - **स्थायी समितियाँ:**
    - स्थायी (प्रत्येक वर्ष या समय-समय पर गठित) और निरंतर आधार पर कार्य करती हैं।
    - स्थायी समितियों को निम्नलिखित छह श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:
      - वित्तीय समितियाँ
      - **विभागीय स्थायी समितियाँ**
      - पूछताछ हेतु समितियाँ
      - जाँच और नियंत्रण हेतु समितियाँ
      - सदन के दिन-प्रतिदिन के कार्य से संबंधित समितियाँ
      - हाउस-कीपिंग समितियाँ या सेवा समितियाँ
      - **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - **तदर्थ समितियाँ:**
    - ये अस्थायी होती हैं और उन्हें सौंपे गए कार्य के पूरा होने पर उनका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। उदाहरण- **संयुक्त संसदीय समिति। अत: कथन 2 सही नहीं है।**

129. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. निवारक निरोध तब होता है जब किसी व्यक्ति को केवल इस संदेह के आधार पर पुलिस हिरासत में रखा जाता है कि वे कोई आपराधिक कृत्य करेंगे या समाज को नुकसान पहुँचाएंगे।
2. अनुच्छेद 20 गिरफ्तार या हिरासत में लिये गए व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- निवारक निरोध तब होता है जब किसी व्यक्ति को केवल इस संदेह के आधार पर पुलिस हिरासत में रखा जाता है कि वे कोई आपराधिक कृत्य करेंगे या समाज को नुकसान पहुँचाएंगे। **अत: कथन 1 सही है।**
- किसी व्यक्ति की हिरासत तीन महीने से अधिक नहीं हो सकती है जब तक कि एक सलाहकार बोर्ड विस्तारित हिरासत के लिये पर्याप्त कारण की रिपोर्ट नहीं करता है।
- **अनुच्छेद 22** गिरफ्तार या हिरासत में लिये गए व्यक्तियों को संरक्षण प्रदान करता है।
  - अनुच्छेद 22 के दो भाग हैं- पहला भाग सामान्य कानून के मामलों से संबंधित है और दूसरा भाग निवारक निरोध कानून के मामलों से संबंधित है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

130. लोकायुक्त के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70) ने केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त के गठन की सिफारिश की थी।
2. राजस्थान पहला राज्य था जिसने वर्ष 2013 में लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम पारित होने से पहले लोकायुक्त संस्थान का गठन किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत में प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70) ने केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त के गठन की सिफारिश की थी। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 2013 में लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम पारित होने से पहले भारत के कई राज्यों ने 'लोकायुक्त' संस्थान बनाने के लिये कानून पारित किये।
- **महाराष्ट्र पहला राज्य था जिसने वर्ष 1971 में लोकायुक्त निकाय स्थापित किया था। अत: कथन 2 सही है।**

131. ECI के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन से किसी राजनीतिक दल की राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता समाप्त करने के आधार हैं?

1. यदि दल संबंधित राज्य के लोकसभा या विधानसभा के आम चुनाव में डाले गए कुल मतों का कम-से-कम 6% मत हासिल करने में विफल रहता है।
2. यदि पार्टी समय पर अपने संगठनात्मक चुनाव आयोजित करने में विफल रहती है।
3. यदि पार्टी अपने लेखा-परीक्षित खातों को समय पर ECI को प्रस्तुत करने में विफल रहती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

- मान्यता समाप्त करने का अर्थ ECI द्वारा किसी राजनीतिक दल की मान्यता रद्द करना है।
  - ऐसी पार्टियों को केवल **पंजीकृत-गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों** के रूप में घोषित कर दिया जाता है।
- **ECI** के पास यह अधिकार है कि **भारतीय संविधान या जन प्रतिनिधित्त्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर वह किसी भी राजनीतिक दल की मान्यता समाप्त** कर सकता है।
- **राष्ट्रीय दल के रूप में किसी राजनीतिक दल की मान्यता समाप्त करने का आधार (ECI के अनुसार):**
  - यदि दल संबंधित राज्य के लोकसभा या विधानसभा के आम चुनाव में डाले गए कुल मतों का कम-से-कम 6% मत हासिल करने में विफल रहता है और यदि वह पिछले लोकसभा चुनावों में कम-से-कम 4 सांसदों को निर्वाचित करने में विफल रहता है (साथ ही यह उसी राज्य से लोकसभा में 1 सीट नहीं जीतता है); **अत: कथन 1 सही है।**
  - **यदि उसने कम-से-कम 3 राज्यों में लोकसभा की कुल सीटों की 2% सीटें नहीं जीती हैं।**
  - यदि यह **राज्य के लोकसभा या राज्य विधानसभा के आम चुनाव में डाले गए कुल वैध मतों का 8% हासिल करने में विफल** रहता है।
  - यदि पार्टी अपने लेखा-परीक्षित खातों को समय पर ECI को प्रस्तुत करने में विफल रहती है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - यदि पार्टी समय पर अपने संगठनात्मक चुनाव आयोजित करने में विफल रहती है। **अत: कथन 2 सही है।**

132. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. गिलोटिन रूसी क्रांति के दौरान मृत्युदंड देने के लिये रूस में पेश किया गया एक उपकरण था।
2. विधायी बोलचाल में गिलोटिन का अर्थ है एक साथ समूह बनाना और वित्तीय विधेयक को पारित करने में तेज़ी लाना।
3. राज्यसभा में बजट सत्र के दौरान गिलोटिन एक सामान्य प्रक्रिया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3
B. केवल 2
C. केवल 1 और 2
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- गिलोटिन शब्द मूलत: सिर काटकर मृत्युदंड देने हेतु डिज़ाइन किये गए उपकरण को संदर्भित करता है।
  - यह फ्राँसीसी क्रांति के दौरान फ्राँस में मृत्युदंड को अधिक विश्वसनीय और कम दर्दनाक बनाने के लिये पेश किया गया था। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - विधायी बोलचाल में गिलोटिन का अर्थ है एक साथ समूह बनाना और वित्तीय विधेयक को पारित करने में तेज़ी लाना। **अत: कथन 2 सही है।**
- बजट सत्र के दौरान लोकसभा में यह काफी सामान्य प्रक्रिया है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

133. भारत में मानहानि कानून के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मानहानि दीवानी और फौजदारी अपराध दोनों हो सकते हैं।
2. मानहानि के आपराधिक प्रावधान संवैधानिक रूप से मान्य हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित नहीं करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- **भारत में मानहानि कानून:**
  - **संविधान का अनुच्छेद 19** नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। **हालाँकि अनुच्छेद 19 (2) ने इस स्वतंत्रता संबंधी कुछ सीमाएँ भी निर्धारित की हैं जैसे- न्यायालय की अवमानना, मानहानि और अपराध के लिये उकसाना।**
  - भारत में मानहानि सार्वजनिक रूप से गलत और दंडनीय अपराध दोनों हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उससे किस उद्देश्य को हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम मानहानि कानून:**
  - इस बात पर प्राय: तर्क होता रहता है कि **मानहानि कानून संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।**
    - सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला किया कि **मानहानि के आपराधिक प्रावधान संवैधानिक रूप से मान्य हैं और यह स्वतंत्र भाषण के अधिकार का उल्लंघन नहीं है। अत: कथन 2 सही है।**

134. भारत में मृत्युदंड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एक कैदी को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा मृत्युदंड से बचाया जाता है, जो सभी नागरिकों को जीवन और स्वतंत्रता के मूल अधिकार की गारंटी देता है।
2. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है या राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान प्रदान किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारतीय संविधान का **अनुच्छेद 21** सभी नागरिकों के लिये **जीवन और स्वतंत्रता के मूल अधिकार को सुनिश्चित करता है।** इसके अतिरिक्त यह विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा **किसी भी व्यक्ति के जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता को भी सुनिश्चित करता है।**
  - विधायी रूप से इसका अर्थ यह लगाया गया है कि **उचित और वैध प्रक्रिया के तहत राज्य कानून बनाकर किसी व्यक्ति को उसके जीवन के अधिकार से वंचित कर सकता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 72** के अनुसार, **राष्ट्रपति किसी व्यक्ति की सजा कम कर सकता है या मृत्युदंड के मामले में उन्हें क्षमादान भी प्रदान कर सकता है। अत: कथन 2 सही है।**

135. निम्नलिखित में से कौन मौलिक अधिकारों में निहित नहीं है?

A. स्वास्थ्य का अधिकार
B. हड़ताल का अधिकार
C. निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार
D. सूचना का अधिकार

उत्तर: B

व्याख्या:

- अनुच्छेद 21 के अनुसार विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन अथवा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। यह अधिकार नागरिकों और गैर-नागरिकों दोनों के लिये उपलब्ध है।
- **मेनका मामले (1978)** में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार अनुच्छेद 21 में निहित **'जीवन का अधिकार'** केवल पशुओं के अस्तित्व तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दायरे में मानवीय गरिमा के साथ और जीवन को सार्थक, पूर्ण और जीने योग्य बनाने वाले सभी पहलू शामिल हैं।
- बाद के मामलों में इसने अन्य अधिकारों के साथ निम्नलिखित अधिकारों को अनुच्छेद 21 के हिस्से के रूप में घोषित किया है:
  - मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार।
  - प्रदूषण मुक्त जल और वायु सहित अच्छे पर्यावरण और हानिकारक उद्योगों से सुरक्षा का अधिकार
  - आजीविका का अधिकार
  - निजता का अधिकार
  - आश्रय का अधिकार
  - **स्वास्थ्य का अधिकार**
  - 14 वर्ष की आयु तक नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार
  - नि:शुल्क विधिक सहायता का अधिकार
  - **निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार**
  - **सूचना का अधिकार आदि**
- अनुच्छेद 19 के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में (दूसरों के बीच) प्रदर्शन अथवा धरना देने का अधिकार शामिल है, लेकिन **हड़ताल करने का अधिकार नहीं। अत: विकल्प B सही है।**

136. भारतीय संविधान की कौन-सी अनुसूची निजी पार्टियों को खनन के लिये जनजातीय भूमि के हस्तांतरण को अवैध घोषित करने का प्रावधान करती है?

A. तीसरी अनुसूची
B. पाँचवीं अनुसूची
C. नौवीं अनुसूची
D. बारहवीं अनुसूची

उत्तर: B

व्याख्या:

- पाँचवीं अनुसूची के तहत, राज्यपाल सार्वजनिक अधिसूचना द्वारा यह निर्देश दे सकते हैं कि संसद अथवा राज्य के विधानमंडल का कोई विशेष अधिनियम राज्य में अनुसूचित क्षेत्र या उसके किसी हिस्से पर लागू होगा या नहीं।
- इस प्रकार पाँचवीं अनुसूची के तहत खनन के लिये जनजातीय भूमि का निजी पार्टियों को हस्तांतरण अमान्य घोषित किया जा सकता है।
- **अत: विकल्प B सही है।**

137. भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण में शीर्ष 5 देशों में शामिल है

2. संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों के अनुसार, सभी राज्य सरकारों को पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिये एक-चौथाई सीटें आरक्षित करने की आवश्यकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. केवल 1 और 2
D. इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: D

व्याख्या:

- ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत राजनीतिक अधिकारिता **(संसद में महिलाओं का प्रतिशत और मंत्री पद) आयाम में 146 में से 48वें स्थान पर है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- इन सिफारिशों ने संविधान के **73वें और 74वें संशोधन के ऐतिहासिक अधिनियमन का मार्ग प्रशस्त किया,** जो सभी राज्य सरकारों को क्रमश: पंचायती राज संस्थानों एवं इसके हर स्तर पर अध्यक्ष पदों तथा शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं हेतु एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का आदेश देती हैं। **इन सीटों में एक-तिहाई सीटें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिये आरक्षित हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।**

138. किसी जनजाति को अनुसूचित जनजाति घोषित करने के लिये पाँच मानदंड (आदिम लक्षण, विशिष्ट संस्कृति, भौगोलिक अलगाव, बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ जुड़ने में हिचक और पिछड़ापन) निम्नलिखित में से किस समिति द्वारा दिये गए थे?

A. लोकुर समिति 1965
B. संयुक्त राष्ट्र ढेबर आयोग 1960
C. खाक्सा समिति 2014
D. भूरिया समिति 1991

उत्तर: A

व्याख्या:

- जनजातियों को ST की सूची में शामिल करने की प्रक्रिया संबंधित राज्य सरकारों की सिफारिश से शुरू होती है, जिसे बाद में जनजातीय मामलों के मंत्रालय को भेजा जाता है, जो समीक्षा करता है और अनुमोदन के लिये भारत के महापंजीयक को इसे प्रेषित करता है।
  - इसके बाद संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 में उपयुक्त संशोधन के लिये कैबिनेट को सूची भेजने से पहले राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की मंज़ूरी लेनी होती है।
- **लोकुर समिति (1965)** की स्थापना अनुसूचित जनजातियों को परिभाषित करने के मानदंडों के निर्धारण में सहायता करने के लिये की गई थी।
  - लोकुर समिति द्वारा निर्धारित मानदंडों में निम्नलिखित शामिल हैं:
    - **आदिम लक्षण**
    - **विशिष्ट संस्कृति**
    - **भौगोलिक अलगाव**
    - **बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ जुड़ने में हिचक**
    - **पिछड़ापन।**
- **अत: विकल्प A सही है।**

139. भारतीय संविधान के तहत राज्यपाल की शक्तियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राज्यपाल फ्लोर टेस्ट तभी बुला सकता है जब विधानसभा का सत्र न चल रहा हो।
2. राज्यपाल मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करता है।
3. मुख्यमंत्री, जिसका बहुमत अनिश्चित है, द्वारा दी गई सलाह पर विचार करते समय राज्यपाल अपने विवेक का प्रयोग कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. केवल 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

संविधान का अनुच्छेद 174 राज्यपाल को राज्य विधानसभा को आहूत करने, भंग करने और सत्रावसान करने का अधिकार प्रदान करता है।

संविधान का अनुच्छेद 174(2)B. राज्यपाल को सदन की सहायता और परामर्श पर विधानसभा को विघटित करने की शक्ति देता है। हालाँकि राज्यपाल अपने विवेक का प्रयोग तब कर सकता है जब बहुमत पर प्रश्नचिह्न उठने पर किसी मुख्यमंत्री द्वारा परामर्श दिया जाता है। अत: कथन 3 सही है।

- **अनुच्छेद 175(2)** के अनुसार, सरकार के पास संख्या बल है या नहीं यह साबित करने के लिये तथा **फ्लोर टेस्ट के लिये राज्यपाल सदन को बुला सकता है।**
- हालाँकि राज्यपाल इस अधिकार का प्रयोग केवल **संविधान के अनुच्छेद 163** के अनुसार कर सकता है, जिसके अनुसार राज्यपाल मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद की सहायता और परामर्श पर कार्य करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **सदन के सत्र में** होने पर **अध्यक्ष फ्लोर टेस्ट की घोषणा कर सकता है।** हालाँकि अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल की अवशिष्ट

शक्तियों के अनुसार, उसे विधानसभा के सत्र में नहीं होने पर फ्लोर टेस्ट की घोषणा करने का अधिकार है। **अत: कथन 1 सही है।**

140. पंचायती राज संस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे 1992 के 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से संवैधानिक बनाया गया था।
2. इसने भारत के संविधान में एक नया भाग-X जोड़ा।
3. इसने संविधान में एक नई 11वीं अनुसूची भी जोड़ी जिसमें पंचायतों की 29 कार्यात्मक विषय शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. 1 और 2 केवल
B. केवल 2
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

- **73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम:**
  - पंचायती राज संस्थान का गठन 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा किया गया। **अत: कथन 1 सही है।**
  - इस अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में एक नया भाग-IX जोड़ा गया और इसमें अनुच्छेद 243 से 243-O तक के प्रावधान शामिल हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - इस अधिनियम द्वारा संविधान में एक नई 11वीं अनुसूची भी शामिल की गई है और इसमें पंचायतों के 29 कार्यात्मक विषय शामिल हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

141. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत निर्वाचन आयोग छह सदस्यीय निकाय है।
2. चुनाव आयोग मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के विभाजन/विलय से संबंधित विवादों का समाधान करता है।
3. मुख्य चुनाव आयुक्त को संसद द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान हटाने की प्रक्रिया के माध्यम से ही पद से हटाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत निर्वाचन आयोग:

- **भारतीय संविधान का भाग XV (अनुच्छेद 324-329)** चुनावों से संबंधित है और इन मामलों हेतु एक आयोग की स्थापना करता है।
- **मूल रूप से आयोग में केवल एक चुनाव आयुक्त था** लेकिन चुनाव आयुक्त संशोधन अधिनियम 1989 के बाद इसे एक बहु-सदस्यीय (एक मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त) निकाय बना दिया गया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- अनुच्छेद 324 के अनुसार, **चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त** (यदि हो तो) की संख्या समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा तय की जाएगी।
- वे **कभी भी त्यागपत्र दे सकते हैं या उन्हें उनके कार्यकाल की समाप्ति से पहले भी हटाया जा सकता है।**
- मुख्य चुनाव आयुक्त को **संसद द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया की तरह ही पद से हटाया** जा सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**
- मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश के बिना किसी अन्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाया नहीं जा सकता है।
- आम चुनाव हों अथवा उपचुनाव, यह चुनाव के संचालन के लिये चुनाव कार्यक्रम तय करता है। **अत: कथन 2 सही है।**

142. पुंछी आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आयोग की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा वर्ष 2007 में की गई थी।
2. इसने राष्ट्रीय एकता परिषद के गठन की सिफारिश की।
3. इसने राज्यपाल का चयन करने के लिये एक समिति की सिफारिश की जिसमें केवल प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

A. केवल 1 और 3
B. केवल 1 और 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

पुंछी आयोग:

- केंद्र सरकार ने पुंछी आयोग का गठन अप्रैल 2007 में **भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (CJI) मदन मोहन पुंछी की अध्यक्षता में किया था। अत: कथन 1 सही है।**

- **आयोग ने संघ और राज्यों के मध्य मौजूदा व्यवस्थाओं की जाँच और समीक्षा की,** साथ ही विधायी संबंधों, प्रशासनिक संबंधों, राज्यपालों की भूमिकाओं, आपातकालीन प्रावधानों सहित सभी क्षेत्रों में शक्तियों, कर्त्तव्यों एवं ज़िम्मेदारियों के बारे में विभिन्न न्यायालयों के फैसलों की जाँच एवं समीक्षा की।
- आयोग ने **मार्च 2010 में सरकार को अपनी सात खंडों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।**
- **अंतर-राज्यीय परिषद (ISC) की स्थायी समिति** ने अप्रैल 2017, नवंबर 2017 और मई 2018 में आयोजित अपनी बैठकों में पुंछी आयोग के सुझावों पर विचार किया।

पुंछी आयोग की प्रमुख सिफारिशें:

- **राष्ट्रीय एकता परिषद:**
  - **इसने आंतरिक सुरक्षा से संबंधित मामलों** (जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका में गृह-भूमि सुरक्षा विभाग) **से संबंधित मामलों के लिये एक अधिक्रमण संरचना के निर्माण की सिफारिश की।** यह भी प्रस्तावित किया कि इसे 'राष्ट्रीय एकता परिषद' के रूप में जाना जा सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **अनुच्छेद 355 और अनुच्छेद 356 में संशोधन:**
  - इसमें संविधान के अनुच्छेद 355 और अनुच्छेद 356 में संशोधन का सुझाव दिया गया।
  - **अनुच्छेद 355 किसी भी बाहरी आक्रमण के खिलाफ राज्य की रक्षा के लिये केंद्र के कर्त्तव्य से संबंधित है** और अनुच्छेद 356 राज्य व्यवस्था की विफलता के मामले में **राष्ट्रपति शासन लागू किये जाने** से संबंधित है।
  - इन सिफारिशों का उद्देश्य **केंद्र की शक्तियों के दुरुपयोग की रोकथाम कर राज्यों के हितों की रक्षा करना है।**
- **समवर्ती सूची के विषय:**
  - आयोग ने सिफारिश की कि **समवर्ती सूची के अंतर्गत आने वाले विषयों पर** विधेयक पेश करने से **पहले अंतर-राज्यीय परिषद के माध्यम से राज्यों से परामर्श किया जाना चाहिये।**
  - मवर्ती सूची तीन सूचियों में से एक है; इसमें उन मामलों का उल्लेख है **जिन पर राज्य और केंद्र दोनों सरकारें कानून बना सकती हैं।**
- **राज्यपालों की नियुक्ति और निष्कासन:**
  - राज्यपाल को अपनी नियुक्ति से कम-से-कम दो वर्ष पहले सक्रिय राजनीति (स्थानीय स्तर पर भी) से दूर रहना चाहिये।
  - **राज्यपाल की नियुक्ति** करने में राज्य के मुख्यमंत्री का मत होना चाहिये।
  - एक समिति का गठन किया जाना चाहिये जिसे **राज्यपालों की नियुक्ति का कार्य** सौंपा जाए। इस समिति में **प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और संबंधित राज्य का मुख्यमंत्री** शामिल हो सकता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
    - नियुक्ति की अवधि पाँच वर्ष के लिये होनी चाहिये।
    - राज्यपाल को **केवल राज्य विधानमंडल द्वारा एक प्रस्ताव के माध्यम से हटाया जा सकता है।**

143. भारत में इंटरनेट शट-ऑफ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केंद्रीय और राज्य दोनों सरकारें भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम के तहत इंटरनेट शट-डाउन का आदेश देने के लिये अधिकृत हैं।
2. भारतीय कानून के तहत इंटरनेट सेवाओं का एक अनिश्चित-कालीन निलंबन अवैध माना जाएगा।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- इंटरनेट शट-डाउन आदेश भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकालीन या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 के तहत शासित होते हैं।
  - वर्ष 2017 के नियम सार्वजनिक आपातकाल के आधार पर एक क्षेत्र में दूरसंचार सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का प्रावधान करते हैं और **केंद्रीय एवं राज्य स्तर पर गृह मंत्रालय के वरिष्ठ नौकरशाहों को शट-डाउन का आदेश देने का अधिकार प्रदान करते हैं। अत: कथन 1 सही है।**
- **अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ** (2020) मामले में **सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि भारतीय कानून के तहत इंटरनेट बंद करने के आदेश के लिये आवश्यक और आनुपातिक आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिये तथा यह कि इंटरनेट सेवाओं का अनिश्चितकालीन निलंबन भारतीय कानून के खिलाफ होगा। अत: कथन 2 सही है।**

144. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राज्यपाल पार्टी सदस्यों के आंतरिक मतभेदों के आधार पर फ्लोर टेस्ट की मांग कर सकता है।
2. सदन अथवा राज्य विधानमंडल को बुलाने की शक्ति के मामले में राज्यपाल के पास मंत्रिपरिषद पर एक अधिभावी अधिकार होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

फ्लोर टेस्ट के लिये बुलाने की राज्यपाल की शक्ति:

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि राज्यपाल पार्टी सदस्यों के आंतरिक मतभेदों के आधार पर सदन को फ्लोर टेस्ट के लिये नहीं बुला सकता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- सर्वोच्च न्यायालय ने एक राजनीतिक दल के दो गुटों के बीच विवाद के मामले की सुनवाई करते हुए विश्वास मत हेतु बुलाने संबंधी राज्यपाल की शक्तियों और भूमिका पर चर्चा की।

राज्यपाल द्वारा फ्लोर टेस्ट की मांग पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी:

- वर्ष 2016 में नबाम रेबिया और बमांग फेलिक्स बनाम उपाध्यक्ष मामले (अरुणाचल प्रदेश विधानसभा) में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सदन को बुलाने की शक्ति पूरी तरह से राज्यपाल में निहित नहीं है और इसका प्रयोग मंत्रिपरिषद की सहायता तथा सलाह से किया जाना चाहिये, न कि स्वयं ही। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्यपाल एक निर्वाचित अधिकारी नहीं है और केवल राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त नामांकित व्यक्ति है, इस तरह के नामांकित व्यक्ति के पास राज्य विधानमंडल का सदन या सदन के लोगों के प्रतिनिधियों पर वीटो शक्ति नहीं हो सकती है।